जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

कोटा

Rashtradoot

फोनः- 2386031, 2386032 फैक्सः- 0744-2386033 वर्षः 50 संख्याः 44 प्रभात कोटा, बुधवार 27 नवम्बर, 2024 कोटा/24/2012-14 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रु.

29 नवम्बर को कांग्रेस मंथन करेगी, हरियाणा व महाराष्ट्र की हार के बारे में

उस दिन आहूत सी.डब्ल्यु.सी. की बैठक में राहुल गांधी पर दबाव होगा कि वे कांग्रेस की भावी नीति के बारे में दिशा व राह तय करके बतायें

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 26 नवम्बर। कांग्रेस 29 नवम्बर को हरियाणा और महाराष्ट्र में अपनी हार पर मंथन एवं चिन्तन करेगी। इन दोनों राज्यों में अपनी जबरदस्त हार एवं वहाँ की राजनैतिक स्थिति पर चर्चा करने के लिये कांग्रेस वर्किंग कमेटी की मीटिंग में इन बिन्दुओं पर चर्चा होनी है।

इस समय राहुल गांधी पर भारी दबाव है कि व पार्टी के आगे के रास्ते की रुपरेखा प्रस्तुत करें तथा बतायें कि पराजयों को रोकने तथा विभिन्न समस्याओं का सामना करने के सम्बंध में पार्टी की क्या योजनाएं हैं।

सूत्रों का कहना है कि राहुल गांधी इस बात से पूरी तरह सहमत नहीं है कि विभिन्न राज्यों तथा लोकसभा चुनावों में एक के बाद एक हुई हारों के पीछे असली दोषी ई.वी.एम. हैं।

लेकिन प्रतिष्ठा बचाने के लिये, उन्हें सलाह दी जा रही है कि वे ई.वी.एम. के मुद्दे को न केवल उठायें, बल्कि आगे भी बढ़ायें।

शनिवार को, महाराष्ट्र के चुनाव परिणाम आने के बाद, जयराम रमेश और पवन खेड़ा ने एक प्रैस कॉन्फ्रेंस आयोजित की तथा उन्होंने आधे-अधूरे मन से ई.वी.एम. पर दोषारोपण किया। लेकिन इसके बाद यह निर्णय लिया गया कि पार्टी साफ तौर पर एक रुख अपनाये, जो चाहे इधर हो या उधर, तथा अपनी आदत के अनुसार, ढुलमुल बातें करने में अपना समय बर्बाद न करे।

इस संदर्भ में, यह याद दिलाना उचित होगा कि कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने आज एक सुस्पष्ट बयान दिया कि पार्टी को ई.वी.एम. पर जरा भी विश्वास नहीं है तथा चुनाव मतपत्रों के जरिये होने चाहिये।

पार्टी का यही रुख नजर आ रहा है तथा इसकी गूँज 29 नवम्बर को सी.डब्ल्यू.सी. की मीटिंग में सुनाई दे सकती है।

इंडिया गठबंधन के अखिलेश यादव तथा शरद पवार जैसे नेता का यह विचार पहले से ही है तथा ऐसी संभावना दिखाई दे रही है कि पार्टी इस मामले में गठबंधन के अन्य पार्टनरों के साथ गंभीरता से चर्चा कर सकती है।

उधर, ममता बनर्जी तथा टी.एम.सी. नेता कल्याण बनर्जी राहुल गांधी तथा कांग्रेस पर खुलकर कटाक्ष कर रहे हैं।

साफ बात यह है कि ममता इंडिया गठबंधन की नेता बनना तथा गठबंधन में अपनी चलाना चाहती हैं।

राहुल इस हार के बाद खामोश हैं तथा प्रियंका गांधी ने भी महाराष्ट्र को लेकर कोई बयान नहीं दिया है।

ये हार गठबंधन के अन्दर राहुल गांधी की स्थिति तथा सोच को कमजोर कर रही हैं। पार्टी नेताओं ने उन्हें सलाह दी है कि वे दृढ़ और दूरगामी निर्णय लें, पुराने निक्रिय नेताओं को हटायें, अच्छा प्रदर्शन न करने वाले (नॉन फरफॉर्मर्स)

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- उन पर यह भी दबाव है, कि पार्टी की हार का ठीकरा ई.वी.एम. के माथे पर फोड़ें, इसीलिए जयराम रमेश व पवन खेड़ा ने प्रेस कांफ्रेंस आयोजित कर यह थ्योरी चलाई थी। पर राहुल इस सोच के बारे में पूर्णतया सहमत नहीं लगते हैं।
- पर, मंगलवार को पार्टी अध्यक्ष खड़गे ने बेबाक यह कहा है कि, पार्टी को ई.वी.एम. मशीन पर विश्वास नहीं है। यह ही पार्टी का अधिकृत सोच बनता नज़र आ रहा है, और राहुल को भी यह सोच प्रतिपादित करनी होगी, मन से या बेमन से।
- जैसा कि स्पष्ट नज़र आ रहा है, महाराष्ट्र की हार के बाद राहुल व प्रियंका लगभग चुप ही हैं, इस हार के मुद्दे पर। पर राहुल को अब सख्त निर्णय लेने ही पड़ेंगे, जिससे पार्टी जीवित रह सके। अब ये सख्त निर्णय ज्यादा दिन नहीं टाले जा सकते।

सोरेन 28 नवम्बर को मुख्यमंत्री पद की शपथ लेंगे

-जाल खंबाता -
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 26 नवम्बर। झारखंड के राज्यपाल सन्तोष कुमार गंगवार ने मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन 28 नवम्बर को राँची में मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने के लिये आमंत्रित किया है। यह मुख्यमंत्री के रूप में उनका तीसरा कार्यकाल होगा क्योंकि फरवरी 2024 में अपनी गिरफ्तारी के बाद, उन्होंने अपने पद से इस्तीफा दे दिया था तथा सत्ता की बागडोर चम्पई सोरेन को सौंप दी थी। लेकिन वे जुलाई 2024 में फिर से मुख्यमंत्री बन गये थे।

- हेमंत सोरेन ने मंगलवार को नई दिल्ली में प्रधानमंत्री मोदी से मुलाकात की और उन्हें शपथ ग्रहण कार्यक्रम में आमंत्रित किया।

अपनी पार्टी झारखंड मुक्ति मोर्चा (जे.एम.एम.) की चुनावी सफलता के बाद, हेमन्त ने सरकार बनाने का दावा पेश कर दिया था। उन्होंने अपने शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होने के लिये प्रधानमंत्री मोदी को आमंत्रित किया है। उन्होंने मंगलवार को यहाँ प्रधानमंत्री मोदी और केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह से भेंट की।

वे अपने मंत्रालय में मंत्री पदों के लिये कांग्रेस तथा लालू प्रसाद के राष्ट्रीय जनता दल (आर.जे.डी.) के वरिष्ठ नेताओं से बात कर रहे हैं।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'पूर्व सी.जे.आई. चन्द्रचूड की वजह से एम.वी.ए. की हार हुई'

शिवसेना प्रवक्ता संजय राउत ने आरोप लगाया है कि भारत के पूर्व मुख्य न्यायाधीश ने अपने एक्शन से दल बदल का रास्ता खुला छोड़ दिया

-श्रीनंद झा -
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 26 नवम्बर। शिवसेना (यू.बी.टी.) का मानना है कि हाल ही में संपन्न हुए राज्य विधानसभा चुनावों में महाराष्ट्र विकास अघाड़ी (एम.वी.ए.) का एक महत्वपूर्ण कारण यह था कि पार्टी में विभाजन के बाद, संयुक्त सेना विधायकों को अयोग्य ठहराए जाने की याचिकाओं पर जस्टिस डी.वाय. चन्द्रचूड़ ने निर्णय नहीं लिया। पार्टी प्रवक्ता संजय राउत ने आरोप लगाया कि "अपने एक्शन से भारत के पूर्व मुख्य न्यायाधीश ने राजनीतिक दलबदल के लिए दरवाजे खुले छोड़ दिए और राजनेताओं के मन से कानून का भय खत्म कर दिया।"

जस्टिस चंद्रचूड़ ने इस बात की प्रतिक्रिया में कहा है, "पूरे वर्ष हम मौलिक संवैधानिक मामलों से निपटते है, जिनमें से कुछ 20 साल से लंबित हैं। नौ जजों, सात या पांच जजों की बैंच इन केसों पर फैसला लेने के लिए बैठती हैं। अब, क्या किसी राजनीतिक दल को यह निर्णय लेना चाहिए कि सुप्रीम कोर्ट किस केस की सुनवाई करे? सॉरी, यह चॉइस सुप्रीम कोर्ट की है।"

जनवरी 2022 में, अविभाजित शिवसेना में एकनाथ शिंदे घटक के विद्रोह के बाद विभाजन हो गया और उद्धव ठाकरे को हटा कर शिंदे मुख्यमंत्री बन गए। ठाकरे ने दलबदल करने वाले विधायकों को अयोग्य ठहराए जाने के लिए याचिका दायर की,

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- संजय राउत ने कहा कि इससे नेताओं में कानून का डर खत्म हो गया।
- पूर्व सी.जे.आई. चन्द्रचूड ने इस पर कड़ी प्रतिक्रिया दी और कहा कि क्या अब राजनैतिक दल तय करेगा कि सुप्रीम कोर्ट किस केस की सुनवाई करे, माफ कीजिए यह "चॉइस" सुप्रीम कोर्ट की है।
- ज्ञातव्य है कि, जनवरी 2022 में जब शिवसेना का विभाजन हुआ था तब उद्धव ठाकरे ने बागी विधायकों को अयोग्य ठहराने के लिए सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की थी, और सुप्रीम कोर्ट ने महाराष्ट्र विधानसभा स्पीकर से फैसला करने को कहा था, जिन्होंने इस वर्ष जनवरी में शिंदे गुट को असली शिवसेना घोषित कर दिया था।

'अजित पवार से गठबंधन कर सरकार बनाएं'

भाजपा नेतृत्व ने देवेन्द्र फड़नवीस को स्पष्ट निर्देश दिया

-जाल खंबाता -
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 26 नवम्बर। भारतीय जनता पार्टी के केन्द्रीय नेतृत्व ने मंगलवार को अपने नेता देवेन्द्र फड़नवीस से कहा कि अगर महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिन्दे पद से हटने से इन्कार करें, तो वे (फड़नवीस) मुख्यमंत्री पद के लिये अपना दावा प्रस्तुत कर दें। पार्टी नेतृत्व ने उन्हें सलाह दी कि वे अजित पवार के नेतृत्व वाली नैशनलिस्ट कांग्रेस पार्टी (एन.सी.पी.) से गठजोड़ कर लें।

पार्टी सूत्रों ने कहा कि अजित पवार ने इस आइडिया को मान लिया है, क्योंकि भाजपा 132 सीटें जीत कर मजबूत स्थिति में है तथा वह अजित पवार गुट के समर्थन से बहुमत का आँकड़ा, जो 145 सीटों का है, प्राप्त कर सकती है। सूत्रों ने कहा कि अन्य पार्टियों के कुछ "मूक" समर्थक भी फड़नवीस को समर्थन दे सकते हैं।

फड़नवीस पहले 2014 से 2019 तक महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री रह चुके हैं तथा 2019 में भी अजित पवार के साथ हुये अल्पकालिक गठबंधन के साथ वे बहुत कम समय के लिए मुख्यमंत्री रहे थे। राज्य में हुये इन चुनावों, जिनमें भाजपा ने रिकॉर्ड-तोड़ प्रदर्शन किया है, में उनके नेतृत्व को पार्टी की रणनीति के एक निर्णायक कारक होने का श्रेय दिया जा रहा है।

गठबंधन के अन्दर पैदा हो रही चिन्ताओं का समाधान करने के लिये, ऐसी अपेक्षा की जा रही है कि भाजपा शिन्दे तथा पवार, दोनों को ही उपमुख्यमंत्री पद की पेशकश करेगी। लेकिन, मंत्री पद के लिये विभागों और संसाधन आवंटन से सम्बन्धित मुद्दों का अभी समाधान नहीं हुआ है तथा इस दिशा में बातचीत चल रही है। शिन्दे-समर्थक महत्वपूर्ण मंत्रालयों के लिये दबाव बना रहे हैं।

- चर्चा है कि महायुति गठबंधन में दरार पड़ गई है। एकनाथ शिंदे मुख्यमंत्री के पद पर दावा छोड़ने को तैयार नहीं हैं।
- अगर भाजपा अजित पवार की एन.सी.पी. के साथ ही गठबंधन करके सरकार बनाती है, तो भी उसके पास पूर्ण बहुमत है।
- अजित पवार ने यह बात मान ली है कि भाजपा के पास बहुमत है तो गठबंधन को वही लीड करेगी।

जे.डी.सी. आनंदी के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी

जयपुर, 26 नवंबर। जिला उपभोक्ता आयोग, द्वितीय ने आयोग के आदेश की पालना नहीं करने पर जयपुर विकास प्राधिकरण की आयुक्त, आई.ए.एस. आनंदी के गिरफ्तारी वारंट जारी किए हैं। आयोग ने पुलिस कमिश्नर को आदेश दिए हैं कि वह आनंदी को गिरफ्तार कर 18 दिसंबर तक आयोग के समक्ष पेश करे। आयोग अध्यक्ष ग्यारसी लाल मीणा और सदस्य हेमलता अग्रवाल ने यह आदेश राज सिंह अजमेरा के प्रार्थना पत्र पर सुनवाई करते हुए दिए।

- जिला उपभोक्ता आयोग ने 10 नवम्बर 2023 के निर्देश की पालना नहीं करने पर जे.डी.सी. के खिलाफ गिरफ्तारी वारन्ट जारी किया है।

सुनवाई के दौरान, जे.डी.ए. की ओर से प्रार्थना पत्र पेश कर आदेश की पालना के लिए समय मांगा गया, जिसे आयोग ने खारिज करते हुए जे.डी.सी.

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

कनक भवन के मालिकाना हक से जुड़े मामले में महाराज पद्मनाभ को राहत दी सुप्रीम कोर्ट ने

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि इस संपत्ति से जुड़े किसी भी मुकदमे की सुनवाई हाईकोर्ट में नहीं होगी

-यादवेंद्र शर्मा-

जयपुर, 26 नवम्बर। सेंट्रल पार्क में लक्ष्मी निवास होटल के भीतर निर्मित कनक भवन के मालिकाना हक को लेकर अदालतों में चल रहे विवाद पर सुप्रीम कोर्ट ने ये आदेश पारित किये हैं कि राजस्थान हाईकोर्ट उक्त मामले में दायर अपीलों और आवेदनों पर सुनवाई न करे। न्यायाधीश जे.बी.पारदीवाला और न्यायाधीश आर.महादेवन ने यह आदेश महाराज पद्मनाभ की ओर से विशेष अनुमति याचिका (एस.एल.पी.) पर सुनवाई करते हुए दिये। इस मामले में याचिकाकर्ता महाराज पद्मनाभ की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता सौरभ मिश्रा और एडवोकेट ऑन रिकॉर्ड वंशजा शुक्ला और सहायक वकील शाश्वत पुरोहित की ओर से पैरवी की गई।

मामले के तथ्यों के अनुसार, वर्ष 2003 में मृदुला गुप्ता व रामशरण गुप्ता की ओर से सैशन जज के समक्ष कनक भवन के 1986 में बेचान को लेकर सेल डीड की क्रियान्विति के लिये मामला दायर किया गया। परंतु वर्ष 2005 में निचली अदालत ने इस मामले को खारिज करते हुए कहा कि हाईकोर्ट 1993 में इस संपत्ति के बेचान के अनुबंध को निरस्त कर चुका है। इस बीच, राजस्थान हाईकोर्ट में वर्ष 2003 में एक जनहित याचिका दायर की गई, जिसमें उक्त संपत्ति (कनक भवन) पर से अतिक्रमण हटाने की गुहार की गई। परंतु वर्ष 2010 में इस जनहित याचिका को खारिज करते हुए, अदालत ने पुनः अपने आदेश को दोहराया कि 1986 में किया गया बेचान का अनुबंध अमान्य है।

तत्पश्चात, रामशरण गुप्ता व अन्य ने हाईकोर्ट के 2010 के आदेश से आहत होकर सुप्रीम कोर्ट में विशेष अनुमति याचिका दायर की। उल्लेखनीय है कि इस याचिका के लंबित रहने के दौरान ही वर्ष 2011 में, इस संपत्ति के पूर्व मालिक ब्रिगेडियर सवाई भवानी सिंह का निधन हो गया।

पाठकों को बता दें कि कनक भवन तथा लक्ष्मी विलास होटल और सैंट्रल पार्क की संपत्ति राज पुताना के सामंती

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- जैसा कि विदित है कि कनक भवन तथा लक्ष्मी विलास होटल और सैंट्रल पार्क की संपत्ति जयपुर के भारत में विलय के बाद सरकारी संपत्ति बन गई थी। वहीं रामबाग, लिलिपूल और उसके आसपास की संपत्ति "कोवोनेंट" के अनुसार राजपरिवार की संपत्ति है।
- उल्लेखनीय है कि कनक भवन के बेचान से संबंधित विवाद कई बार निचली अदालत, हाईकोर्ट व सुप्रीम कोर्ट तक गये हैं, परंतु सुप्रीम कोर्ट ने वर्ष 2017 में आदेश में यह स्पष्ट रुप से कह दिया कि इस संपत्ति के बेचान के लिये अनुबंधन अमान्य है।
- वकीलों का कहना है कि हाईकोर्ट में इस केस में रामशरण गुप्ता व अन्य की ओर से संपत्ति के मूल मालिक ब्रिगेडियर भवानी सिंह के वंशजों को जोड़ने के लिये आवेदन इसलिये पेश किया गया ताकि उनके निधन और सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बावजूद यह मामला निष्फल या निरस्त ना हो

बांग्लादेश में इस्कॉन प्रमुख चिन्मय प्रभु गिरफ्तार

ढाका, 26 नवंबर। बांग्लादेश में एक बार फिर हिंसा भड़क उठी है। चटगांव इस्कॉन पुंडरीक धाम के अध्यक्ष चिन्मय कृष्णन दास की गिरफ्तारी के बाद हालात बिगड़ते जा रहे हैं। चिन्मय प्रभु की गिरफ्तारी के विरोध में हिंदू समाज के लोग सड़कों पर उतर आए, तो बांग्लादेश नैशनलिष्ट पार्टी और जमात के कार्यकर्ताओं ने उन पर हमला कर दिया। इस हमले में हिंदू समुदाय के 50 से ज्यादा लोग घायल हुए हैं। ढाका के शाहबाग में शांतिपूर्ण सभा के दौरान

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- हिंदू समुदाय ने सड़कों पर विरोध जताया तो जमात और बांग्लादेश नैशनलिस्ट पार्टी के लोगों ने उन पर हमला किया, हमले में 50 से ज्यादा हिन्दू घायल हो गए।

तेलंगाना सरकार ने फटाफट अडानी ग्रुप का सौ करोड़ रुपये का चैक लौटाया

यह चैक गौतम अडानी ने तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवन्त रेड्डी को दान के रूप में दिया था, तेलंगाना "स्किल डवलपमैंट युनिवर्सिटी" बनाने के लिए

-लक्ष्मण वैंकट कुची-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 26 नवम्बर। पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी अडानी के मुद्दे पर एक भी इंच पीछे हटने को तैयार नहीं हैं और इसका स्पष्ट संकेत तब मिला, जब तेलंगाना सरकार ने अडानी से 100 करोड़ रु. का दान स्वीकार करने से इन्कार कर दिया, जो अडानी ने स्किल डवलपमैंट युनिवर्सिटी के निर्माण के लिए दिया था। तेलंगाना सरकार ने औपचारिक रुप से 100 करोड़ रु. की फंडिग को ठुकरा दिया है क्योंकि अडानी ग्रुप पर अमेरिकन कोर्ट में रिश्वत का केस दर्ज हुआ है। मुख्यमंत्री रैवंत रेड्डी ने कहा कि उनकी सरकार यंग इंडिया स्किल डवलपमैंट युनिवर्सिटी के लिए किसी से भी अनुदान नहीं लेगी, इसमें अडानी की कम्पनी भी शामिल है।

सोमवार को राज्य सरकार ने अडानी ग्रुप को लिखा था कि उनकी सरकार स्किल युनिवर्सिटी के लिए उनका 100 करोड़ रु. का अनुदान स्वीकार नहीं करेगी। मुख्यमंत्री ने पत्रकारों को बताया कि यह अनुबंध एक पारदर्शी और लोकतांत्रिक प्रक्रिया के जरिए राज्य में ही दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी ने कहा है कि राज्य सरकार या केन्द्र सरकार द्वारा निविदा जारी की जानी चाहिए। एक सही व्यवस्था व लोकतांत्रिक तरीके से टैंडर दिए जाने चाहिए, चाहे ये अंबानी को मिले या अडानी या टाटा को।

स्किल युनिवर्सिटी के लिए अडानी ग्रुप की ही तरह कई अन्य कम्पनियों ने भी फंड देने की पेशकश की थी। उन्होंने कहा कि "मैं यह निर्णय दोहराता हूँ कि राज्य सरकार अडानी ग्रुप से 100 करोड़ रु. का फंड नहीं लेगी।"

तेलंगाना के स्पेशल चीफ सैक्रेटरी और इंडस्ट्रियल प्रमोशन के सरकारी आयुक्त जयेश रंजन ने अडानी फाउण्डेशन की अध्यक्ष डॉ. प्रीति अडानी को सूचना दी है कि राज्य यंग इंडिया स्किल युनिवर्सिटी के लिए 100 करोड़ रु. का अनुदान देने की पेशकश के लिए आपका आभारी

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- चैक वापसी का निर्णय इस बात का प्रमाण है, कि राहुल गांधी व कांग्रेस अडानी ग्रुप के खिलाफ अपना विरोध और तीव्र करेंगे, संसद व उसके बाहर भी।
- विपक्ष ने, विशेषकर बी.आर.एस. के कार्यकारी अध्यक्ष के.टी. रामाराव ने कटाक्ष किया, एक तरफ तो राहुल गांधी, मोदी व अडानी के गहरे सम्बंधों को "मोडानी" कहकर खिल्ली उड़ाते हैं, दूसरी और तेलंगाना के कांग्रेस पार्टी के मुख्यमंत्री रेवन्त रेड्डी, अडानी से मित्रता करके सौ करोड़ रुपये का दान लेते हैं, तो क्या नये प्रेम को "रेवडानी" और इस मित्रता को राहुल गांधी का प्रश्रय प्राप्त है, अतः क्या राहुल अडानी सम्बन्धों के "रागाडानी" नहीं कहना चाहिए।

सड़कों पर उतरे इमरान समर्थक

इस्लामाबाद, 26 नवंबर। जेल में बंद पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान के समर्थकों द्वारा किए गए प्रदर्शन के हिंसक हो जाने के कारण अर्धसैनिक बल के चार जवान और दो पुलिसकर्मी मारे गए। हिंसा में 100 से अधिक सुरक्षाकर्मी घायल भी हुए हैं। इस हिंसा के कारण, सरकार ने राजधानी में सेना तैनात करने के साथ ही, आदेश दिए गए हैं कि उपद्रवियों को देखते ही गोली मार दी जाए।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- इमरान खान की रिहाई को लेकर सड़कों पर उतरे लोगों ने हिंसक प्रदर्शन किया, सरकार ने सेना तैनात की और उपद्रवियों को गोली मारने का आदेश दिया।

विचार बिन्दु

दुःख और वेदना के अथाह सागर वाले इस संसार में प्रेम की अत्यधिक आवश्यकता है। –डॉ. रामकुमार वर्मा

हम कितना जानते हैं और हमारे पास कितना ज्ञान है का फ़र्क!

एक कहावत है नॉलेज इज़ पॉवर – ज्ञान ही ताकत है। ज्ञान अर्थात जानना। इसलिए गंभीरता से यह जानना जरूरी है कि हम कितना जानते हैं? तभी हम जान पाएंगे कि हमारे पास कितनी ताकत है। यदि नॉलेज इज़ पॉवर है तो जितना जानेंगे उतनी ही ताकत भी होगी। इसीलिए यह प्रश्न कोई कम महत्व का नहीं है कि हम कितना जानते हैं या हमारे पास कितना ज्ञान है? जानने की इस खोज के रास्ते पर निकलने पर सबसे पहला सवाल तो यही खड़ा हो जाता है कि वह ज्ञान क्या है जो हमें लगातार जानते रहने तथा साथ में कुछ नया जानने की ताकत देता है? क्या ज्ञान सिर्फ जानकारी का भंडार होता है? क्या जिसके पास जितनी अधिक जानकारी है वह उतना अधिक ज्ञानी माना जा सकता है? सीधे-सीधे यह भी पूछा जा सकता है कि क्या जानकार होना और ज्ञानी होना एक समान माना जा सकता है? इक्कीसवीं सदी में आई नई डिजिटल यंत्र प्रौद्योगिकी ने जानकारी रखने के मामले में सबको बराबर कर दिया है। अब जानकारी के भंडार की कुंजी चाहे जिसे मिल सकती है। कोई यह नहीं कह सकता कि अमुक जानकारी सिर्फ मेरे पास है। अंतर्जाल पर सर्च इंजिन के जरिए कोई भी कैसी भी जानकारी, उसके सारे पहलुओं समेत, कंप्यूटर की स्क्रीन पर एक क्षण में पा सकता है। एआई अर्थात कृत्रिम बुद्धि अब हमारी जरूरत की सामग्री ज्ञान के अथाह भंडार से निकाल कर तुरंत उपलब्ध करा देती है। जिसके पास भी इंटरनेट से जुड़ा कम्प्यूटर, लैपटॉप, आईपेड या स्मार्टफोन है और उसे अंतर्जाल में खोजने की सुविधा है तो क्या वह सबसे बड़ा ज्ञानी माना जा सकता है? इसके जवाब में स्वाभाविक ही विद्वान लोग कहेंगे कि केवल जानकारी का किसी के पास होना ज्ञानी होना नहीं हो सकता। विज्ञान भी हमें नई-नई जानकारियां देता है, लेकिन ऐसा भी नहीं है कि विज्ञान की जानकारियां रखने वाले सभी लोग विज्ञानी मान लिये जाएं। विद्वान कहते हैं ज्ञान और जानकारी का फ़र्क हम चेतना के स्तर पर कर सकते हैं। इस पर फिर नया सवाल उठ खड़ा होता है कि चेतना क्या होती है? क्या चेतना के भी कई स्तर होते हैं? यदि ऐसा है तो क्या मानव चेतना का भी विकास हुआ है और भविष्य में उसके और विकसित होने की संभावनाएं हैं? क्या मन को चेतना माना जा सकता है? कहा जाता है कि हमें अनुभव आत्मा से होता है। तो क्या मन ही आत्मा है? स्वयं अपना अनुभव हम अपनी आत्मा से करते हैं, तो क्या आत्मा ही चेतना है? जो चेतन नहीं है वह जड़ है। जो जड़ है वह निर्जीव है। मगर साथ ही यह भी कहा जाता है कि समस्त सृष्टि एक है? हजारों वर्ष पहले वेदिक ऋषियों ने यह कैसे कह दिया कि समस्त चराचर जगत एक है? उन्होंने जो कहा उसे आधुनिक विज्ञान ने भौतिक प्रयोगों से सिद्ध भी कर दिखाया है। प्रत्येक सजीव और जड़ पदार्थ की सूक्ष्मतम इकाई अणु में भी वैज्ञानिकों ने गतिमान और स्थिर अंश पाये। प्रत्येक अणु एक प्रकार से अपने अंदर एक सम्पूर्ण सूक्ष्म ब्रह्मांड लिये मौजूद होता है। विज्ञान की नई खोजों के साथ आज हम क्वांटम भौतिकी तक पहुंच गये हैं। वैज्ञानिक ऋषि परंपरा विस्मृत हो गई तो हम भारत के लोगों ने कभी भौतिक प्रयोगों से इसे जानने या सिद्ध करने का कोई प्रयास नहीं किया। मगर पश्चिम के लोगों ने आधुनिक भौतिक विज्ञान के जरिए इसे साबित कर दिया है। सभी पदार्थ, अणु, परमाणु, नाभिक, सर्वदा गतिमान पॉजिटिव व निगेटिव एलेक्ट्रोन और उनके साथ में फोटोन का ब्रह्मांड लिए हुए होते हैं। सजीव और जड़ में यही फरक है कि सजीव प्रजनन से संतानोत्पति करते हैं, जड़ ऐसा नहीं करते हैं। मगर दोनों में अणुओं की संरचना एक सी होती है। वैज्ञानिकों ने इन्हें जाना तो उन्हें ज्ञान हुआ कि अभी तो जानने की संभावनाएं अनंत हैं। इसलिए इस सवाल को यदि यूं पूछा जाय कि हम वास्तव में कितना जानते हैं, या जान सकते हैं तो मुश्किल खड़ी हो जाती है। सवाल फिर वहीं का वहीं रह जाता है कि ज्ञान क्या है? क्या ज्ञान एक तर्कसंगत समझ है या इंद्रियों का अनुभव जो हमें यथार्थ तथा प्रकृति को जानने की क्षमता देता है। जानना देखने से आता है। इसीलिए जानने की बात आती है तो प्रमाण की बात भी आती है।

महादेवी वर्मा ने यह भी कहा कि विज्ञान तो विश्लेषण करता है और साहित्य संश्लेषल करता है। जैसे एक वैज्ञानिक किसी फूल को समझने के लिये उसकी एक एक पंखुड़ी अलग करके जांचेगा, उसके अन्य हिस्सों को काट के देखेगा वहीं दूसरी तरफ साहित्यकार चीजों को जोड़ कर देखता है। इसीलिए मानव जाति के विकास में उसकी चेतना के विकास को कम करके नहीं आंका जा सकता।

किसी ने उचित ही कहा है कि ज्ञान क्या है, इसकी जांच नीचे से शुरू करना बेहतर तरीका हो सकता है। अवधारणात्मक ज्ञान के मुख्य प्रतिमान सामान्य जीवन और भाषा होते हैं और दोनों में पहले समझ पैदा करनी पड़ती है। क्या यह इंद्रिय अनुभव है जिसने दर्शनशास्त्र को प्रमाण की धारणा दी? या क्या यह खुद अपने अंदर इतना स्पष्ट है कि उसे प्रमाण की कोई आवश्यकता नहीं होती है? मगर कुछ व्याख्या तो की ही जा सकती है। जैसे ज्ञान की धारणा में पहली बात तो यह निहित है कि ज्ञान आवश्यक रूप से सत्य होता है। मगर सत्यता में विश्वास तथा सत्यता के लिए पर्याप्त प्रमाण भी जरूरी है। विद्वान बताते है कि एक प्रकार का ज्ञान वह है जो अनुभव के पश्चात् प्राप्त होता है। ऐसा ज्ञान वैदिक ऋषियों ने प्राप्त किया। दूसरे प्रकार का वह ज्ञान होता है जो ऐसे प्रयोग, निरीक्षण तथा अनुभव पर केन्द्रित होता है जिसे अकादमिक लोग अन्यों के पाठों के अध्ययन से विकसित करते हैं। तीसरे प्रकार का ज्ञान अनुभव से परे का होता है। उसे समझ पाना थोड़ा मुश्किल होता है। इस प्रकार के ज्ञान के सम्बन्ध में यह धारणा भी है कि अनुभव केवल तथ्य ही देता है परन्तु तथ्य किसी बात को सिद्ध नहीं करते। उनसे सत्य का ज्ञान उस समय तक नहीं हो सकता जब तक कि उनको संगठित न किया जाए। वे तर्क द्वारा संगठित किये जाते हैं। इस प्रकार तर्क या बुद्धि से अनुभव ज्ञान में परिवर्तित होता है। अनोखी बात यह है कि हर बार ज्ञान की खोज में एक ऐसी सीमा आ जाती है जब उसके आगे जो है वह अज्ञेय रह जाता है। महान लेखिका महादेवी वर्मा का कहना था कि नया जानना निरंतर रहता है। उसका कोई अंत नहीं होता। जो-जो जान लिया जाता है वह विज्ञान होता चला जाता है। जानने के बाद भी जो अज्ञेय रह जाता है उसकी खोज जारी रहती है। लेकिन महादेवी वर्मा ने यह भी कहा कि विज्ञान तो विश्लेषण करता है और साहित्य संश्लेषल करता है। जैसे एक वैज्ञानिक किसी फूल को समझने के लिये उसकी एक एक पंखुड़ी अलग करके जांचेगा, उसके अन्य हिस्सों को काट के देखेगा वहीं दूसरी तरफ साहित्यकार चीजों को जोड़ कर देखता है। इसीलिए मानव जाति के विकास में उसकी चेतना के विकास को कम करके नहीं आंका जा सकता। यदि इस वैज्ञानिक अवधारणा को मान लिया जाए कि जीव जगत में मानव सीधे नहीं उतरा बल्कि उसका विकास हुआ है – इवॉल्यूशन के सिद्धांत की बात हो – तब यह सवाल होना स्वाभाविक ही है कि जब मानव के शरीर का विकास हुआ, उसके मस्तिष्क का विकास हुआ, तब क्या मानव चेतना का भी विकास हुआ माना जाना चाहिए? इस जटिल विषय पर भारतीय साहित्य के बड़े हस्ताक्षर सच्चिदानद हीरानंद वात्स्यायन अज्ञेय के नेतृत्व में कुछ दशकों पहले जयपुर में एक राष्ट्रीय गोष्ठी में गहन विमर्श हुआ था जिसमें साहित्य, मनो और चिकित्सा विज्ञान के विशेषज्ञों ने लंबी चर्चाएं की थी।

चेतना के विकास को बुद्धि का विकास भी कह सकते हैं। बहुतेरे लोग यह मानते हैं कि इसमें कुछ भी रहस्यमय नहीं है। बुद्धिमान जीव आम तौर पर बेहतर जीवन व्यतीत करते हुए अपनी जीवनयात्रा पूरी करते हैं और वे अन्यों की तुलना में अधिक संतानों वाले होते हैं। हालांकि ऐसा निश्चित रूप से परिस्थितियों पर निर्भर करता है। एक बार जब बुद्धिमान प्राणी प्रौद्योगिकी विकसित करते हुए अपनी ही प्रजाति के आत्म-विनाश की क्षमता हासिल कर लेते हैं, तो ज्ञान का लाभ अनिश्चित हो जाता है। दिमाग और बुद्धि के विकास से जो ज्ञान हासिल होता है वह प्रकृति के नियमों से निपटने के लिए मानव को तेजी से सक्षम बनाता है। कुछ वैज्ञानिक तो यह मान कर भी चलते हैं कि प्रकृति विकासशील नहीं विनाशकारी होती है। उनका तर्क है कि प्राकृतिक आपदाओं के कारण पृथ्वी ने अपने जीवनकाल में अब तक पांच बार प्रलय को भुगता है, जब इस धरती पर से जीवन पूरी तरह समाप्त हो गया। मगर यह ज्ञान अब भी अज्ञेय बना हुआ है कि पहला चेतन जीवन कैसे बना? हालांकि बीसवीं सदी के महान वैज्ञानिक आइंस्टीन ने कहा था कि, ब्रह्मांड की सबसे अतुलनीय संपत्ति यह है कि यह इतना समझ में आने योग्य है। किन्तु अनुभव बताता है कि ब्रह्मांड को जितनी गहराई तक पहुंचा जा रहा है उससे उसकी उत्पत्ति की कोई एकीकृत समझ निकट आती नज़र नहीं आ रही है। ज्ञान और विज्ञान में एक समानता जरूर है कि दोनों में संशय का महत्व होता है, उसकी मान्यता होती है। संशय ही आगे की खोज को प्रेरित करता है। चाहे वह अंदर का ज्ञान – अध्यात्म – हो या बाहरी भौतिक जगत का विज्ञान हो। इसलिए ज्ञान और विज्ञान दोनों ही मानव की समझ और प्रगति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। ज्ञान और विज्ञान के बीच अंतर और समानता को पहचानना ही जीवन के मूल्यों को बेहतर ढंग से समझना हो सकता है।

–अतिथि संपादक,
राजेन्द्र बोड़ा
(वरिष्ठ पत्रकार एवं विश्लेषक)

डबल इंजन सरकार का करिश्मा

कांग्रेस के फेक नैरेटिव को ध्वस्त कर उपचुनावों में ऐतिहासिक जीत दिलाई

राजेन्द्र राठौड़

राजस्थान के इतिहास में पहली बार किसी सत्तारूढ़ दल ने उपचुनाव में अधिकांश सीटों पर विजय प्राप्त की है। 7 विधानसभा सीटों में से 5 विधानसभा सीटों में भाजपा के पक्ष में ऐतिहासिक परिणाम साधारण पृष्ठभूमि से ताल्लुक रखने वाले, भाजपा के जमीनी कार्यकर्ता से लेकर विधायक और फिर मुख्यमंत्री तक का सफर तय करने वाले मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा जी के कुशल नेतृत्व और संगठन के अथक प्रयासों का प्रमाण है। महज 11 महीने के कार्यकाल में जनता का सरकार के प्रति बढ़ता विश्वास यह दर्शाता है कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने इस उपचुनाव में स्वयं को "आम आदमी का मुख्यमंत्री" साबित किया है।

राजस्थान विधानसभा उपचुनाव में सलूंबर, खींवसर, झुंझुनूं, देवली उनियारा, और रामगढ़ यानी 5 सीटों पर भाजपा की शानदार जीत का श्रेय डबल इंजन की सरकार की जनकल्याणकारी नीतियों, योजनाओं व सत्ता-संगठन के सुदृढ़ तालमेल को जाता है।

यह जीत न केवल ऐतिहासिक है बल्कि यह दर्शाती है कि कैसे एक सत्तारूढ़ दल ने शानदार रणनीति अपनाते हुए विपक्ष द्वारा बनाए गए फेक नैरेटिव को ध्वस्त कर जनता के बीच अपना विश्वास और समर्थन स्थापित करके विपक्ष को करारा जवाब दिया है। राजस्थान उपचुनावों के दौरान कांग्रेस नेतृत्व जनता के मुद्दों पर चर्चा करने के बजाय़ मनोरंजन और डांस करने में व्यस्त नजर आया जो जनता को बिल्कुल पसंद नहीं आया और इसका फायदा भी भाजपा को मिला। भाजपा संगठन ने एकमुखी-एकजुट होकर विधानसभा सीटों पर पैनी नजर रखी, छोटे-बड़े कार्यकर्ताओं, भाजपा नेताओं, विधायकों व मंत्रियों को फील्ड में उतारकर कांग्रेस की तमाम रणनीतियों को विफल साबित कर दिखाया।

कांग्रेस द्वारा लगाए गए निराधार आरोपों और पिछले कार्यकाल में जनता के बीच बिगड़ी साख का भाजपा ने पूरी मजबूती से जवाब दिया। प्रदेश की जनता को विश्वास हो गया है कि जो कार्य विगत 5 साल में कांग्रेस ने कभी नहीं किये, वो राज्य सरकार ने 11 माह के अल्पकाल में कर दिखाये हैं जैसे संशोधित पार्वती-कालीसिंध-चंबल-ईआरसीपी पर एमओयू हो या 30 वर्ष बाद बहु प्रतीक्षित यमुना जल बंटवारा समझौते पर एमओयू हो, मात्र 450 रुपये में गैस सिलेंडर हो, गेहूं के न्यूनतम समर्थन मूल्य पर 125 रुपये प्रति क्विंटल का बोनस हो या पीएम किसान सम्मान निधि में 2 हजार रुपये की बढ़ोतरी हो या पेपरलीक माफियाओं पर कड़ी कार्रवाई हो। ऐसे तमाम फैसलों से स्पष्ट है कि भाजपा सरकार का लक्ष्य जनता की सेवा करना है। सत्ता में आते ही राज्य सरकार ने विगत कांग्रेस सरकार में बिगड़ी हुई बुनियादी व्यवस्थाओं को व्यवस्थित करने के लिए व्यापक रोडमैप बनाया और जनता के हित में कई कड़े व सख्त कदम लिये।

कांग्रेस सरकार के कार्यकाल में हुई 17 पेपरलीक होने से युवाओं का सरकार पर विश्वास उठ गया था। राज्य सरकार ने आते ही इन मामलों की जांच के लिए एसआईटी का गठन किया और 100 से ज्यादा पेपर माफियाओं को सलाखों के पीछे पहुंचाया। इसके साथ ही, नई युवा नीति लाने की घोषणा और आगामी 2 वर्षों के लिए परीक्षा तिथि व परिणामों के साथ भर्ती परीक्षाओं के लिए एक विस्तृत कैलेंडर जारी करके सरकार ने युवाओं को आश्वस्त किया कि अब उनकी मेहनत के साथ कोई खिलवाड़ नहीं होगा। इसके साथ ही अगले 5 साल में 4 लाख सरकारी नौकरियां देने का जो लक्ष्य रखा है, वह युवाओं के भविष्य को उज्जवल बनाने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम है। गत कांग्रेस सरकार ने राजस्थान की अर्थव्यवस्था का बंटाधार करते हुए भाजपा सरकार को 5.79 लाख करोड़ रुपये का कर्ज विरासत के रूप में दिया जिसे अब राज्य सरकार कम करने में लगी है। राज्य सरकार ने अपने पहले पूर्णकालिक बजट 2024-25 में विकसित राजस्थान 2047 का लक्ष्य प्रस्तुत करते हुए हर वर्ग-युवाओं, महिलाओं, किसानों, व्यापारियों और युवाओं के लिए अहम योजनाएं पेश की। पहली बार राज्य के बजट में कोई नया कर नहीं लगाया गया, जिससे महंगाई से जूझ रही जनता को राहत मिली। सरकार ने बुनियादी सुविधाओं जैसे पानी, बिजली, सड़क के विकास पर विशेष ध्यान दिया।

आज हिन्दुस्तान की इकोनॉमी में राजस्थान का भी अहम योगदान है। बजट में 350 बिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने का खाका खींचा गया है, जो राजस्थान को विकसित राज्यों की श्रेणी में ले जाने की सरकार की स्पष्ट मंशा को दर्शाता है।राजस्थान में प्रति व्यक्ति आय़ करीब 1.67 लाख रुपये सालाना है जिसे बढ़ाने के लिए सरकार निरंतर प्रतिबद्ध है। राज्य सरकार के पहले 5 माह के अल्पकाल में ही राज्य की जीएसडीपी जो राज्य के विकास का सूचकांक है, दिसंबर 2023 में 11.58 प्रतिशत थी अब बढ़कर 12.56 प्रतिशत हो गई है। यह अल्पकालिक सफलता दर्शाती है कि राज्य अब विकास की दिशा में तेजी से अग्रसर है। राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट 2024 जैसे आगामी आयोजनों के माध्यम से सरकार ने निवेश के लिए एक नया वातावरण तैयार किया है। इस समिट में 25 देशों के प्रतिनिधियों की भागीदारी राज्य के लिए बड़ी उपलब्धि साबित होगी। हाल ही में राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट 2024 के तहत ऊर्जा विभाग की प्री-समिट में अक्षय ऊर्जा क्षेत्र में निवेश के लिए लगभग साढ़े 6 लाख करोड़ के एमओयू साइन किए गए जो ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर होते राजस्थान को दिखाता है। राजस्थान की भौगोलिक स्थिति और प्राकृतिक संसाधन उसे नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में अग्रणी बनाते हैं। यहां पर सबसे अधिक सूर्य दिवस हैं, जिसके कारण राज्य सौर ऊर्जा उत्पादन में अद्वितीय स्थिति में है। राज्य सरकार ने केवल योजनाएं बनाकर नहीं बल्कि उन्हें जमीनी स्तर पर लागू करके यह सुनिश्चित किया कि डबल इंजन की सरकार का फायदा बिना किसी बाधा के राज्य के हर नागरिक मिले। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के सपनों के आत्मनिर्भर भारत के संकल्प में राजस्थानभी अहम भूमिका निभा रहा है। आज के परिप्रेक्ष्य में नई युवा नीति, नई खनन नीति और नई औद्योगिक नीति निश्चित तौर पर राजस्थान को आगे बढ़ाने में मील का पत्थर साबित होगी।

राज्य सरकार के इतने अल्प समय मे लिये गये ऐतिहासिक निर्णयों से घबराई कांग्रेस ने 'पर्ची सरकार' का आरोप लगाकर अपनी विफलताओं को छुपाने की कोशिश की है लेकिन उनके इस आरोप को जनता ने इन उप चुनावों में वोट की चोट से पूरी तरह खारिज कर दिया। राज्य सरकार ने अपने 11 महीने के कार्यकाल में ऐसा कोई भी निर्णय नहीं लिया जो बंद दरवाजों के पीछे या पक्षपातपूर्ण तरीके से लिया गया हो। हर योजना और नीतिगत निर्णय जनता के सामने खुले मंच पर रखा गया।उपचुनाव की यह जीत केवल भाजपा नेतृत्व के साथ उन लाखों कार्यकर्ताओं और समर्थकों की भी है जिन्होंने दिन-रात कड़ी मेहनत की।

राजेन्द्र राठौड़, पूर्व नेता प्रतिपक्ष।

प्रवासियों का दृष्टिकोण : उलाहना मत दीजिए

उलाहना देना भारतीय समाज का एक अनोखा हिस्सा है, यह हमारे रिश्तों की गहराई और हमारे संवाद की जटिलता को दिखाता है

डॉ. पंकज राजवंशी

कभी आपने ग़ौर किया है कि जब आप किसी पुराने दोस्त को फोन करते हैं, तो उसकी पहली प्रतिक्रिया क्या होती है? अक्सर, यह एक हल्की शिकायत या मज़ाक में लिपटी टिप्पणी होती है। "अरे, अब तो तुम बड़े आदमी हो गए हो। फोन करना ही भूल गए। आज कैसे याद किया?" सुनने में यह वाक्य सामान्य हंसी-मजाक जैसा लगता है, लेकिन यह केवल मजाक नहीं है। इसके पीछे गहरी भावनाएं और एक ख़ास तरह की आदत छिपी होती है।

यह आदत सिर्फ़ दोस्ती तक सीमित नहीं है। भारत में, रिश्तेदारों, दोस्तों, यहां तक कि पड़ोसियों के बीच बातचीत में भी ऐसा ही देखने को मिलता है। कोई सीधे यह नहीं कहता, "बहुत खुशी हुई तुम्हारा फोन आया," बल्कि हमेशा शिकायत या उलाहने का सहारा लिया जाता है। यही आदत हमारे समाज में इतनी गहराई से जड़ें जमा चुकी है कि हम इसे सामान्य मानने लगे हैं।

मनोविज्ञान के नज़रिए से देखें तो उलाहना देना हमारे मन में छिपी असुरक्षा या रक्षात्मकता को व्यक्त करने का तरीका हो सकता है। जब हम ख़ुद को कमतर महसूस करते हैं, या जब हमें लगता है कि कोई हमें उतनी अहमियत नहीं दे रहा जितनी हम चाहते हैं, तो हमारी यह भावना अक्सर शिकायत के रूप में बाहर आती है। उदाहरण के लिए, अगर कोई दोस्त कहता है, "तुम तो अब फोन ही नहीं करते," तो वह अनजाने में यह व्यक्त कर रहा होता है कि उसे डर है कि शायद आप उसे भूल गए हैं। वह इसे सीधे तौर पर स्वीकार नहीं कर पाता, इसलिए शिकायत को अपनी बात कहने का जरिया बना लेता है।

कुछ ऐसा ही व्यवहार रिश्तेदारों के बीच भी होता है। अगर कोई रिश्तेदार विदेश में रहने वाले परिवार के पास आता है, तो वह यह कहेगा, "यहां तो सब सुख-सुविधाएं हैं, हमारे यहां तो कुछ नहीं है।" यह सिर्फ उनके जीवन की कठिनाइयों की बात नहीं है, बल्कि कहीं न कहीं वे अपने जीवन और आपकी स्थिति के बीच तुलना कर रहे होते हैं। उनकी यह टिप्पणी असुरक्षा, तुलना, और कभी-कभी ईर्ष्या का मिश्रण होती है।

भारतीय समाज में इस आदत की जड़ें हमारी सांस्कृतिक परंपराओं में हैं। भारत में रिश्तों और परिवार को बहुत महत्व दिया जाता है। यह समाज सामूहिकता पर आधारित है, जहां एक व्यक्ति का जीवन उसके रिश्तों और समाज से गहराई से जुड़ा होता है। लेकिन, इसके साथ ही, हमारी संस्कृति में खुलकर अपनी भावनाएं व्यक्त करने की आदत कम ही है। लोगों को सीधे तौर पर अपनी खुशी, कृतज्ञता या यहां तक कि असहमति व्यक्त करने में झिझक महसूस होती है। अक्सर इसे अप्रत्यक्ष तरीकों, जैसे उलाहनों या हल्की-फुल्की शिकायतों के जरिए व्यक्त किया जाता है।

अगर आप लंबे समय तक अमरीका जैसे देशों में रहें, तो इस आदत का अंतर और साफ नज़र आता है। वहां लोग सीधे तौर पर अपनी भावनाएं व्यक्त करते हैं। अगर कोई दोस्त आपको फोन करता है, तो वह कहेगा, "It's so nice to hear from you!" यानी, "तुमसे बात करके बहुत अच्छा लगा।" लेकिन भारत में, यही भावना व्यक्त करने का तरीका उलट होता है। यहां लोग कहेंगे, "अब तो तुम हमको भूल ही गए हो।" इस रवैये के पीछे कहीं न कहीं यह उम्मीद होती है कि आप अधिक ध्यान देंगे, उन्हें यह महसूस कराएंगे कि वे आपके लिए ख़ास हैं। यह आदत मनोवैज्ञानिक कारणों से भी पैदा होती है। एक बड़ी वजह है आत्मसम्मान। जब लोग अपनी तुलना दूसरों से करते हैं और यह महसूस करते हैं कि सामने वाला उनसे बेहतर स्थिति में है, तो वे खुद को असुरक्षित महसूस करते हैं। यह असुरक्षा शिकायत और उलाहनों के रूप में बाहर आती है।

इस आदत को समझने के लिए एक और अहम पहलू है सामाजिक तुलना। भारत जैसे समाज में लोग अपनी स्थिति, उपलब्धियों और जीवनशैली की तुलना दूसरों से लगातार करते रहते हैं। जब वे देखते हैं कि कोई और उनके मुकाबले बेहतर स्थिति में है, तो उनकी प्रतिक्रिया अक्सर एक हल्के उलाहने के रूप में आती है। उदाहरण के तौर पर, अगर कोई कहता है, "तुम तो विदेश में रहते हो, तुम्हारे लिए सब आसान है," तो इसके पीछे यह भावना हो सकती है कि "काश मैं भी ऐसा कर पाता।"

लेकिन, इसमें एक और दिलचस्प बात है। रिश्तों में इस तरह का व्यवहार अक्सर एकतरफा होता है। अगर कोई आपसे यह उम्मीद करता है कि आप हमेशा उनका हालचाल लें, उन्हें फोन करें, या उनकी परेशानियों में रुचि दिखाएं, तो इसका मतलब यह नहीं कि वे भी ऐसा ही करेंगे। यह 'रिश्तों में अधिकार' की भावना का हिस्सा है, जो भारतीय समाज में बहुत गहराई से मौजूद है। लोग यह उम्मीद करते हैं कि आप उन्हें प्राथमिकता देंगे, लेकिन वे ख़ुद वैसा करने की जिम्मेदारी शायद ही कभी निभाते हैं। उदाहरण के लिए, जो रिश्तेदार यह शिकायत करते हैं कि आप फोन नहीं करते, वे खुद शायद ही कभी आपको फोन करते होंगे। यह आदत केवल रिश्तों को जटिल बनाती है। बार-बार शिकायतों और उलाहनों से रिश्तों में एक दूरी पैदा हो सकती है। सामने वाला व्यक्ति ऐसा महसूस कर सकता है कि उसकी हर बात को लेकर कोई न कोई आलोचना की जाएगी। यह बात धीरे-धीरे रिश्ते की सहजता को खत्म कर सकती है। इस आदत को बदलना आसान नहीं है, क्योंकि यह हमारी संस्कृति और हमारे संवाद के तरीकों में गहराई से रची-बसी है। लेकिन, बदलाव संभव है। सबसे पहले, यह समझना जरूरी है कि रिश्ते सकारात्मकता और खुलेपन से मजबूत होते हैं। अगर कोई दोस्त आपको फोन करता है, तो यह कहना कि, "बहुत अच्छा लगा तुम्हारा फोन आया," रिश्ते को और मजबूत बना सकता है।

दूसरी बात यह है कि रिश्तों में जरूरत से ज्यादा उम्मीदें न पालें। हर रिश्ता बराबरी का नहीं होता, और हर व्यक्ति एक ही तरह से अपना समय या ध्यान नहीं बांट सकता। अगर हम दूसरों पर ज्यादा उम्मीदें लगाना कम करें, तो शिकायतें अपने आप कम हो जाएंगी।

तीसरी बात यह है कि अपनी भावनाओं को सीधे शब्दों में व्यक्त करना सीखें। अगर आप खुश हैं, तो बिना झिझक सामने वाले को बताएं। अगर कोई बात परेशान कर रही है, तो उसे उलाहनों में छिपाने के बजाय साफ-साफ कहें।

उलाहना देना भारतीय समाज का एक अनोखा हिस्सा है। यह हमारे रिश्तों की गहराई और हमारे संवाद की जटिलता को दिखाता है। लेकिन, इसे कम करने की जरूरत है। जब हम अपनी असुरक्षाओं को पहचानेंगे और उन्हें स्वस्थ तरीके से व्यक्त करना सीखेंगे, तो रिश्ते और मजबूत होंगे। तो अगली बार, जब कोई दोस्त कहे, "आज कैसे याद किया?" तो मुस्कुराकर जवाब दें, "याद किया, क्योंकि तुम्हारी याद आ गई थी।" यही बदलाव की शुरुआत होगी। रिश्ते हल्के-फुल्के मजाक और उलाहनों से बाहर निकलकर, सच्ची भावनाओं पर आधारित होंगे। यही वह भारतीय संस्कृति होगी, जो अपने रिश्तों की गहराई और खुलेपन का सही अर्थ समझेगी।

डॉ. पंकज राजवंशी, सिएटल (अमरीका) में एक गैस्ट्रो एंटेरोलॉजिस्ट हैं, जो चिकित्सा के क्षेत्र में अपने योगदान के साथ-साथ सामाजिक मुद्दों पर गहरी रुचि रखते हैं।

श्रद्धालुओं ने पुष्कर सरोवर में आस्था की डुबकी लगाई, पुण्य कमाया

पुष्कर, (निसं)। उत्पति एकादशी के पावन पर्व पर मंगलवार को श्रद्धालुओं ने पुष्कर तीर्थ सरोवर में आस्था की डुबकी लगाकर पुण्य कमाया और ब्रह्मा मंदिर में दर्शन कर सुख समृद्धि की प्रार्थना की। ब्रह्मा मंदिर, रंगनाथ बैकुंठ मंदिर, पुराने वेणुगोपाल मंदिर, वराह मंदिर सहित विभिन्न मंदिरों में धार्मिक आयोजनों के महाआरती हुई तथा प्रतिमाओं का शृंगार कर फूल बंगला सजाया गया। उत्पति एकादशी पर्व पर देवी शक्ति के प्रतीक जोगणिया धाम में विराजित सातु बहना का उपासक भंवर लाल वर्मा के सानिध्य में वेद मंत्रोच्चार के साथ पंचामृत अभिषेक व पूजन किया गया। मनमोहक श्रृंगार के बाद महाभोग लगाया गया देर शाम को आरती हुई। पंडित कैलाशनाथ दाधीच ने बताया कि धार्मिक ग्रंथों में 12 एकादशी का जन्म उत्पत्ति एकादशी को बताया गया है, इसी दिन से एकादशी व्रत का शुभारंभ करने का उल्लेख मिलता है। सरोवर के बद्री घाट पर एकादशी महाआरती संघ के सानिध्य में सरोवर की पूजा अर्चना अभिषेक दीपदान के बाद पंडित शशांक पाराशर द्वारा महाआरती की गई। गायक कलाकार रामपाल काला मंडली द्वारा भजन संकीर्तन किया गया।

राशिफल

पंडित अनिल शर्मा

बुधवार 27 नवम्बर, 2024

मार्गशीर्ष मास, कृष्ण पक्ष, द्वादशी तिथि, बुधवार, विक्रम संवत 2081, चित्रा नक्षत्र गुरूवार प्रातः 7:36 तक, आयुष्मान योग दिन 3:13 तक, कौलव करण सायं 5:06 तक, चन्द्रमा आज 6:07 से तुला राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-वृश्चिक, चन्द्रमा-कन्या, मंगल-कर्क, बुध-वृश्चिक, गुरू-वृष, शुक्र-धनु, शनि-कुम्भ, राहु-मीन, केतु-कन्या राशि में। आज विवाह मुर्हत चित्रा में है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: लाभ-अमृत सूर्योदय से 9:37 तक, शुभ 10:56 से 12:14 तक, चर 2:52 से 4:10 तक, लाभ 4:10 से सूर्यास्त तक।

राहूकाल: 12:00 से 1:30 तक। सूर्योदय 7:00, सूर्यास्त 5:29

मेष
परिवार में चल रहे आपसी मतभेद समाप्त होंगे। स्वास्थ्य संबंधित चिन्ता दूर होगी। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति में सुधार होगा।

वृष
व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी। व्यावसायिक कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। चलते कार्यों में प्रगति होगी। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। आय में वृद्धि होगी।

मिथुन
घर-परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा। परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक यात्रा संभव है। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा।

कर्क
व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता अभी यथावत बनी रहेगी। व्यावसायिक कार्यों में उचित सफलता मिलेगी। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

सिंह
आर्थिक/वित्तीय मामलों में लापरवाही ठीक नहीं रहेगी। धन हानि हो सकती है। नौकरीपेशा व्यक्तियों को उच्चाधिकारियों की नाराजगी का सामना करना पड़ सकता है।

कन्या
व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी। व्यावसायिक वार्ता के लिए दिन अच्छा रहेगा। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। धन प्राप्त होगा। शुभ कार्यों में भाग ले सकते हैं।

तुला
व्यावसायिक खर्चों पर नियंत्रण रखना ठीक रहेगा। नौकरीपेशा व्यक्तियों को भागदौड़ रहेगी। घर-गृहस्थी के खर्चों में वृद्धि होगी। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

वृश्चिक
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। व्यावसायिक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे।

धनु
व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। नवीन कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा।

मकर
नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा।

कुंभ
नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा।

मीन
परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। आज सामूहिक प्रयासों से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है।

रोटरी डायलिसिस केन्द्र का शुभारंभ एक को

कोटा, (निसं)। रोटरी क्लब कोटा द्वारा जरूरतमंद शहरवासियों के लिए गोबरिया बावड़ी स्थित मानव सेवा समिति अस्पताल, परिसर में डायलिसिस केन्द्र खोला जा रहा है। ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर के द्वारा 1 दिसम्बर को रोटरी बिनानी सभागार में आयोजित समारोह में डायलिसिस केन्द्र का शुभारंभ किया जाएगा। अध्यक्ष मुकेश व्यास ने बताया कि क्लब द्वारा रोटरी अन्तर्राष्ट्रीय ग्रान्ट के माध्यम से 50 लाख रुपए से अधिक मूल्य की 6 किडनी डायलिसिस मशीन संचालित की जाएंगी। निवर्तमान अध्यक्ष प्रीतम गोस्वामी ने बताया कि उद्घाटन समारोह में ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर मुख्य अतिथि होंगे। साथ ही, रोटरी प्रान्त 3056 के पूर्व प्रांतपाल निर्मल कुणावत विशिष्ट अतिथि होंगे। क्लब कोषाध्यक्ष जयंत उपाध्याय ने बताया कि रोटरी क्लब कोटा द्वारा भगवान महावीर विकलांग सहायता समिति के संयुक्त तत्वावधान में 11-12 दिसंबर को रोटरी बिनानी सभागार परिसर शॉपिंग सेंटर में निशुल्क विकलांग सहायता उपकरण वितरण शिविर का भी आयोजन किया जाएगा। जिसमें जरूरतमंद दिव्यांगजनों को जयपुर फुट (कृत्रिम पैर), कृत्रिम हाथ, कैलीपर्स, बैसाखियाँ, ट्राईसाइकिल, व्हीलचेयर, हियरिंग हेड (सुनने की मशीन) आदि उपकरण वितरित किए जाएंगे।

नाम परिवर्तन

MY NAME HAS BEEN CHANGED FROM FATEMA TO FATEMA GULZAR SO I WOULD BE RECOGNISED BY MY NEW NAME FATEMA GULZAR WITH IMMEDIATE EFFECT FROM-FATEMA GULZAR W/O HOZEFA GULZAR PURANI DHAN MANDI JHALRAPATAN, DIST JHALAWAR RAJASTHAN, 326023

नाम परिवर्तन

MY NAME HAS BEEN CHANGED FROM HOZEFA TO HOZEFA GULZAR SO I WOULD BE RECOGNISED BY MY NEW NAME HOZEFA GULZAR WITH IMMEDIATE EFFECT FROM :- HOZEFA GULZAR S/O SHABBIR BHAI PURANI DHAN MANDI JHALRAPATAN DIST JHALAWAR RAJASTHAN,326023

पश्चिम मध्य रेल

भारत संघ के राष्ट्रपति के लिए एवं उनकी ओर से उप. मुख्य इंजीनियर (निर्माण), पश्चिम मध्य रेलवे, कोटा निम्नलिखित कार्यों के लिए खुली ई-निविदा आमंत्रित करते हैं। **निविदा संख्याः** उप. मु. इंजी. (नि) कोटा-09-2024, **कार्य का विवरणः** राजस्थान राज्य में पश्चिम मध्य रेलवे के कोटा मंडल में रामगंजमंडी-भोपाल नई बड़ी रेल लाइन परियोजना के संबंध में पहले से ही कमीशन की जा चुकी लाइन के घाटोली - नयागांव खंड में विभिन्न स्थानों पर स्टेबलाइजेशन का कार्य करना, **निविदा खुलने की तारीखः** 16.12.2024, **अनुमानित लागत** (₹): ₹ 8,59,33,205.93 (सिंगल पैकेट सिस्टम)। **नोटः** पूर्ण विवरण वेबसाईट www.ireps.gov.in. पर अपलोड की गई ई-निविदा में तथा मुख्य परियोजना प्रबन्धक, पश्चिम मध्य रेल, कोटा के कार्यालय नोटिस बोर्ड पर देखा जा सकता है। संभावित निविदाकारों को सलाह दी जाती है कि वे निविदा खोलने की तारीख से पहले नियमित रूप से वेबसाइट देखते रहें और निविदा में किसी भी परिवर्तन/शुद्धिपत्र पर ध्यान दें। ऑफर सिर्फ ई-निविदा के माध्यम से ही स्वीकार किये जायेंगे। ई-निविदा के अतिरिक्त किसी भी अन्य माध्यम से निविदा ऑफर स्वीकार नहीं किये जायेंगे। **उप.मुख्य इंजीनियर (निर्माण)/ पश्चिम मध्य रेलवे, कोटा**

स्वच्छ भारत अभियान एक कदम स्वच्छता की ओर

कोटा में संविधान दिवस पर आयोजित संगोष्ठी में भीतरघात के मुद्दे पर हंगामा

- लोकसभा चुनाव में प्रहलाद गुंजल, विधानसभा चुनाव में राखी गौतम और पहले शिवकांत नन्दवाना की हार के लिए कौन-कौन जिम्मेदार रहा है
- शांति धारीवाल का नाम सुनते ही उनके गुट के कार्यकर्ता ने हंगामा शुरू कर दिया

कोटा, (निसं)। कांग्रेस कार्यालय में मंगलवार को संविधान दिवस पर संगोष्ठी कार्यक्रम हंगामे की भेंट चढ़ गया। नौबत हाथापाई तक आ गई। हालांकि बीच-बचाव के बाद मामला शांत हो गया लेकिन कार्यक्रम में देर तक गहमागहमी बनी रही। हंगामा लोकसभा व विधानसभा चुनाव में भितरघात का मुद्दा उठने के बाद हुआ। इस दौरान कांग्रेसी नेता एक-दूसरे पर आरोप लगाते नजर आए। संगोष्ठी कांग्रेस कार्यालय में हुई।

इस दौरान विज्ञान नगर इलाके के कार्यकर्ता आसिफ मिर्जा संविधान दिवस के उपलक्ष में बोल रहे थे। उन्होंने अचानक भितरघात का मुद्दा उठाया और कहा कि लोकसभा चुनाव में प्रहलाद गुंजल, विधानसभा चुनाव में राखी गौतम और पहले शिवकांत नन्दवाना की हार के लिए कौन-कौन जिम्मेदार रहा है। उन्होंने कहा कि हाड़ौती से विधानसभा चुनाव में तीन-तीन मंत्री थे। मिर्जा ने प्रमोद जैन भाया, अशोक चांदना व शांति धारीवाल का नाम लिया। शांति धारीवाल का नाम सुनते ही उनके गुट के कार्यकर्ताओं ने हंगामा शुरू कर दिया। घंटाघर इलाके के कार्यकर्ता आबिद कुरैशी खड़े हो गए। उन्होंने हंगामा शुरू कर दिया। इस दौरान बात बढ़ गई और हाथापाई की नौबत आ गई। बाद में वरिष्ठ नेताओं ने बीच बचाव किया और केवल संविधान के मुद्दे पर ही बातचीत सीमित रखने की चेतावनी दी।

वही संगोष्ठी में जिला महामंत्री ने कहा कि उन लोगों को बाहर किया जाए जिन्होंने लोकसभा चुनाव के दौरान कांग्रेस के साथ गद्दारी करके भाजपा का साथ दिया था। ऐसे लोगों को कांग्रेस की प्राथमिक सदस्यता से निष्कासित किया जाए। यह लोग अब कांग्रेस के बैनर पर प्रदर्शन कर रहे हैं। यहां पर भी मलाई खाना चाहते हैं और वहां पर भी मलाई खा रहे हैं। मामले पर शहर कांग्रेस अध्यक्ष रविंद्र त्यागी ने कहा कि हंगामा जैसी बात नहीं है।

बस दो नेता आपस में अपनी बात रख रहे थे। पीसीसी के निर्देश पर कांग्रेस कार्यालय में कांग्रेस कमेटी की ओर से कांग्रेसजनों भीमराव अम्बेडकर की तस्वीर पर माल्यार्पण कर संविधान दिवस पर गोष्ठी आयोजित की गई। मुख्य वक्ता के रूप में डीसीसी उपाध्यक्ष जगदीश ठाड़ा ने कहा कि संविधान निर्माता भीमराव अम्बेडकर ने संविधान का निर्माण कर देश को नई दिशा दी है। गोष्ठी की अध्यक्षता करते हुए रविंद्र त्यागी ने कहा कि पीसीसी से 26 जनवरी तक वार्डवाईज अभियान चलाने का कार्यक्रम आया है, इसको वार्ड में घर-घर जाकर संविधान सम्मान सुरक्षा हेतु अभियान चलाना है, उन्होंने कहा कि केंद्र में सत्ता में बैठी पार्टी संविधान की धज्जियां उड़ा कर उसकी हत्या की जा रही है।

इसका दुरुप्रयोग किया जा रहा है। इसका कांग्रेसजन डटकर मुकाबला करेंगे और संविधान की सुरक्षा हेतु जन-जागरण अभियान चलाया जाएगा। कांग्रेस प्रत्याशी रहे प्रहलाद गुंजल ने कहा कि आज हमारा देश आजादी के बाद से संविधान के तहत चल रहा है जिसने इसके साथ छेड़छाड़ की उसका बुरा असर हुआ है। महिला कांग्रेस की प्रदेश अध्यक्ष राखी गौतम ने कहा कि संविधान आमजन की रक्षा के लिए बना है संविधान में सबको बराबर का अधिकार मिला है इसके साथ छेड़छाड़ करनेवालों को कांग्रेसजन बर्दाश्त नहीं करेगा। लाड़पुरा प्रधान नईमुद्दीन गुड्डू ने सभी कार्यकर्ताओं को 26 जनवरी तक अभियान चलाने के लिए कार्यकर्ताओं को आव्हान किया। गोष्ठी को प्रमुख रूप से पूर्व पीसीसी सचिव शिवकांत नंदवाना, कोटा दक्षिण उपमहापौर पवन मीणा, कैथून नगर पालिका पूर्व चेयरमैन आइना महक, पीसीसी सदस्य यशवन्त चौधरी, डॉ विजय सोनी, ब्लॉक अध्यक्ष ललीत शर्मा, अनुप मेहरा, कोषाध्यक्ष प्रमोद त्रिपाठी, महिला कांग्रेस अध्यक्ष शालिनी गौतम, पार्षद इशरार मोहम्मद, मनोज गुप्ता, कुलदीप प्रजापती, दिपक वर्मा, सोनू अब्बासी, अपुन कुमार, सलीना शेरी, विपीन बरथुनिया, उपाध्यक्ष मालती शर्मा, सचिव पूनम कवॅर, रेहाना, संजय यादव, हिमांशु शर्मा, हंसराज गोस्वामी, धर्मा गोचर, विजय गुप्ता, बाबू, आदि कई कार्यकर्ता मैजूद रहे।

लूट के आरोपी पुलिस गिरफ्त से दूर

कोटा, (निसं)। गुमानपुरा इलाके में फाइनेंस कंपनी के कर्मचारी से 36 लाख की ठगी लूट के आरोपियों का कोई सुराग नहीं लगा। शहर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक दिलीप सैनी ने बताया कि फरियादी की रिपोर्ट पर मामला दर्ज करते हुए आरोपियों की तलाश के लिए पुलिस की अलग-अलग टीमें बनाकर कुछ सुराग के आधार पर आरोपियों की तलाश के लिए रवाना की गई है। आरोपियों की गिरफ्तारी के प्रयास किए जा रहे हैं। जल्द ही पुलिस आरोपियों को गिरफ्तार कर लेगी। इस वारदात को अंजाम देने वाले बदमाशों में से कुछ ने पुलिस की वर्दी पहनी हुई थी। ठगों ने कहा कि ड्रग्स के व्यापार के मामले में ये पुलिस कार्रवाई की जा रही है। इसके बाद ऑफिस में काम करने वाले लड़के को अपने साथ ले गए। इसके बाद उसे हैंगिंग ब्रिज टोल लाकर छोड़ दिया और खुद आगे निकल गए। कोटा शहर के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक दिलीप सैनी ने बताया कि चार-पांच महीने पहले फाईनेंस कंपनी के नाम से भगवानपुर टीचर्स कॉलोनी में एक मकान किराए पर कुछ लोगों ने लिया था। जहां पर लूट की वारदात हुई है। प्रारंभिक तौर पर यह लूट की वारदात को पांच बदमाशों ने अंजाम दिया है। इनमें से दो बदमाश पुलिस की वर्दी में थे और लूटी हुई राशि करीब 36 लाख रुपए बताई जा रही है। घटनाक्रम को जब अंजाम दिया जा रहा था तब मकान मालिक भी वहां पहुंच गए थे। तब लुटेरों ने उन्हें कहा था कि यह लोग ड्रग्स का व्यापार करते हैं।

सार-समाचार

रोजगार सहायता शिविर 28 को

कोटा, (निसं)। उप-क्षेत्रीय रोजगार कार्यालय कोटा की ओर से रोजगार सहायता शिविर का आयोजन 28 नवम्बर को प्रातः 10 से सायः 4 बजे तक महाराव उम्मेद सिंह स्टेडियम में किया जाएगा। जिसमें युवाओं को निजी क्षेत्र में रोजगार एवं रोजगार परक प्रशिक्षण के विशेष अवसर प्राप्त होगें। उपनिदेशक मनोज कुमार पाठक ने बताया कि शिविर में राज्य एवं राज्य से बाहर की विभिन्न निजी कम्पनियों से टेक्निशियन रिलेशनशिप आफिसर, फील्ड ऑफिसर, सर्विस इंजीनियर, टेक्निकल ऑपरेटर, फिटर फाईनेन्स एडवाइजर, सेल्स मैनेजर एवं सिक्योरिटी सुपरवाईजर के पदों के लिए लगभग 1200 रिक्तियां प्राप्त हुई है। इन पदों के लिए न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता दसवीं 10वीं, 12वीं, स्नातक, कम्प्यूटर जानकार, आईटीआई, डिप्लोमाधारी है। आयु 18 से 35 वर्ष निर्धारित है। शिविर में विभिन्न पदों के लिए आशार्थियों का प्रारम्भिक चयन किया जायेगा। भारतीय जीवन बीमा निगम एवं अन्य बीमा कम्पनियां बीमा अभिकर्ताओं के लिए चयन करेंगे।

छेड़छाड़ के आरोपी को 2 साल की सजा

कोटा, (निसं)। ट्रेन में महिला यात्री से छेड़छाड़ के 9 साल पुराने मामले में सुनवाई करते हुए रेलवे न्यायालय ने आरोपी को 2 वर्ष के साधारण कारावास एवं 20 हजार के आर्थिक दंड से दंडित किया। लोक अभियोजन अधिकारी रेलवे ने बताया कि ट्रेन में महिला यात्री से छेड़छाड़ के मामले में पकड़े गए आरोपी जिला बड़ोदरा गुजरात के अजीत नगर निवासी शिवकुमार (53) को अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट रेलवे ने दोषी मानते हुए 2 वर्ष के साधारण कारावास और 20 हजार के आर्थिक दंड से दंडित किया। यह था मामला-18 नवंबर 2015 को फरियादी महिला ने जीआरपी थाने में रिपोर्ट दी कि 17 नवंबर 2015 को नई दिल्ली से मुंबई ट्रेन नंबर 12952 से जाते समय कोच बी-6 की सीट नंबर 6 पर बैठे यात्री ने छेड़छाड़ की। पुलिस ने महिला की रिपोर्ट का मामला दर्ज कर आरोपी की तलाश करते हुए जिला बड़ोदरा के गुजरात निवासी शिवकुमार को गिरफ्तार किया था।

हत्या के प्रयास में फरार आरोपी गिरफ्तार

कोटा, (निसं)। आरकेपुरम पुलिस टीम ने आरटीयू छात्रों के दो गुटों के बीच में हुए झगड़े में हत्या के प्रयास में फरार चल रहे दो आरोपियों को गिरफ्तार किया। आरकेपुरम थानाधिकारी अजीत बागडोलिया ने बताया कि 29 सितंबर को किशनगढ़ निवासी राहुल बोचल्या ने थाने में रिपोर्ट दी थी हाडी रानी सर्किल के समीप चाय की दुकान पर मित्र के साथ बैठे थे तभी कॉलेज के छात्र हर्ष, दीपक, निकेत, लक्ष्य, रोहित और सौरव से आपसी बहस होने पर उन लोगों ने जान से मारने की नीयत से हमला कर दिया। फरियादी की रिपोर्ट पर मामला दर्ज करते हुये फरार चल रहे दो आरोपी रोहित और सौरव को गिरफ्तार किया। पकड़े गये आरोपियों को न्यायालय में पेश किया जहां से दोनों आरोपियों को न्यायिक अभिरक्षा में भेज गया।

प्रदर्शनी और संगोष्ठी का आयोजन

कोटा, (निसं)। संविधान दिवस के अवसर पर सूचना एवं जनसंपर्क विभाग के सभागार में विशेष प्रदर्शनी और संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिरिक्त जिला कलेक्टर (सीलिंग) कृष्णा शुक्ला ने किया। उन्होंने भारतीय संविधान के महत्व पर प्रकाश डालते हुए इसे संपूर्ण भारत की आत्मा करार दिया। शुक्ला ने प्रदर्शनी का उद्घाटन करते हुए छात्रों को संविधान की विशेषताओं और उसके महत्व को समझने की प्रेरणा दी। कार्यक्रम में सहायक निदेशक रचना शर्मा, लेखाधिकारी देवेंद्र चौहान, सहायक जनसंपर्क अधिकारी आकांक्षा शर्मा, सहायक प्रशासनिक अधिकारी नितेंद्र सिंह चौहान, लिपिक राजेश गुर्जर और अन्य विभागीय कर्मचारी उपस्थित रहे।

मंगलसूत्र छीनने का आरोपी गिरफ्तार

कोटा, (निसं)। कुन्हाडी इलाके में पुलिस टीम ने कार्यवाही करते हुये मंगलसूत्र छीनने के मामले में फरार चल रहे एक आरोपी को बापर्दा गिरफ्तार किया। कुन्हाडी थानाधिकारी ने बताया कि 21 नवबंर को फरियादी ने रिपोर्ट दी की 19 नवबंर को बच्चे को स्कूल से पैदल लाते समय रिद्धि-सिद्धि टॉवर के समीप बाईक पर एक व्यक्ति आया जिसने अपने मुंह पर कपडा बांधा हुआ था, झपट्टा मारते हुये गले से मंगलसूत्र छीन कर ले गया। मामला दर्ज करते अज्ञात अभियुक्त को बापर्दा बाईक सहित गिरफ्तार किया है।

'नागरिकों के मौलिक अधिकार व कर्तव्य संविधानिक धरोहर'

- जय मीनेश आदिवासी विश्वविद्यालय में संविधान दिवस मनाया
- कोटा के जय मिनेश आदिवासी विश्वविद्यालय में संविधान दिवस व्याख्यान आयोजित
- भारतीय संविधान की धारा 51-ए के बारे में संक्षिप्त जानकारी दी

कोटा, (निसं)। रानपुर में स्थित जय मीनेश आदिवासी विश्वविद्यालय, कोटा में 26 नवम्बर को संविधान दिवस/राष्ट्रीय विधि दिवस का विधिवत आयोजन किया गया।

विश्वविद्यालय के विधि अध्ययन केन्द्र द्वारा आयोजित संविधान दिवस के अवसर पर कोटा की अतिरिक्त जिला जज एवं सचिव, कोटा जिला विधिक सहायता प्राधिकरण, गीता चौधरी, विश्वविद्यालय के चेअरपर्सन व राजस्थान प्रशासनिक के पूर्व अधिकारी आर.डी.मीणा, कुलपति (प्रेसिडेण्ट) प्रो.डी.पी. तिवारी द्वारा विश्वविद्यालय में नव-निर्मित मूट कोर्ट के विद्यार्पण से संविधान दिवस कार्यक्रम का शुभारम्भ हुआ। कार्यक्रम के प्रारम्भ में विधि अध्ययन केन्द्र की प्रभारी डॉ. शैलेष शर्मा नें आगन्तुक अतिथियों के भावभीने स्वागत के साथ संविधान दिवस की महत्ता बताई।

वि.वि. के चैअरपर्सन आर.डी.मीणा ने समस्त उपस्थित समूह को संविधान दिवस की प्रेषित की व संविधान अंतर्गत महिला सशक्तिकरण जैसे प्रावधानों पर प्रकाश डालते हुए जय मीनेश विश्वविद्यालय विधि अन्तर्गत विधि अध्ययन केन्द्र की स्थापना की दिशा में किए जा रहे प्रयासों व व्यवस्थाओं के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई।

अतिरिक्त जिला जज एवं सचिव, कोटा जिला विधिक सहायता प्राधिकरण, गीता चौधरी नें अपने विशेषज्ञ व्याख्यान में भारतीय संविधान में वर्णित नागरिकों के मूल अधिकार व मूल कर्तव्यों की ओर ध्यानाकर्षित करते हुए भारतीय संविधान की धारा 51-ए के बारे में संक्षिप्त जानकारी दी, साथ ही धारा 12-35 के अंतर्गत वर्णित मूल अधिकारों की जानकारी से अवगत कराया।

गीता चौधरी ने कोटा जिला विधिक सहायता प्राधिकरण दी जा रही मुफ्त एवं सहज परामर्श सेवाओं के बारे में समस्त उपस्थित समूह कों अवगत करवाया। विशिष्ट वक्ता एडवोकेट राजकुमार मीणा द्वारा भारतीय संविधान निर्माण की परिस्थितियों व वर्तमान में किये जा रहें आवश्यक संशोधनों के बारे में जानकारी दी। उन्होंने मौलिक अधिकारों पर प्रकाश डालते हुए विद्यार्थियों को संविधान की सामान्य जानकारी की दिशा में प्रेरित किया।

कार्यक्रम के अन्त में विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ.नरेन्द्र कुमार शर्मा नें संविधान दिवस की बधाई देते हुए व संविधान में वर्णित मूल कर्तव्यों पर बल देते हुए कार्यक्रम में आगन्तुक अतिथियों को धन्यवाद ज्ञापित किया। इस संविधान दिवस के कार्यक्रम में जय मीनेश आदिवासी वि.वि. के विद्यार्थियों के अतिरिक्त रानपुर व बावड़ीखेड़ा स्थित उच्च माध्यमिक विद्यालय के विद्यार्थियों ने भाग लिया।

वि.वि. की असोसिएट प्रोफेसर मुक्ति पाराशर सहायक कुलसचिव डॉ.संजय कंमार मीणा, असीस्टेंट प्रोफेसर डॉ.सुमन भारती मीणा, डॉ जितेन्द्र कुमार दोतानिया, डॉ. रवि झुरावत, डॉ.संजय कुमार, डॉ. नमिता गोस्वामी, डॉ. सुरेश मीणा, जयाराम मीणा, हर्षिता जैन, गिरजा मीणा, भारत शर्मा, देवेन्द्र आचार्य, सचिन कुमार मीणा आदि उपस्थित रहे।

विश्वविद्यालय के विधि विभाग के असीस्टेंट प्रोफेसर अभिषेक कुमार मीणा के निर्देशन में आयोजित कार्यक्रम का विधिवत संचालन डॉ ज्योत्सना वर्मा द्वारा किया गया।

'सामाजिक सुरक्षा पेंशनर 30 नवम्बर तक भौतिक सत्यापन कराएं'

कोटा, (निसं)। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग द्वारा संचालित वृद्धावस्था, दिव्यांग एवं एकल नारी पेंशन योजना का लाभ प्राप्त कर रहे 219606 लाभार्थी को पेंशन को नियमित रखने के लिए वार्षिक भौतिक सत्यापन करवाया जाना अनिवार्य है। अब तक जिले में 205143 पेंशनर ने ही भौतिक सत्यापन करवाया है। वर्तमान में 14463 पेंशनर भौतिक सत्यापन से शेष हैं।

यह भौतिक सत्यापन 30 नवम्बर तक ई-मित्र के माध्यम से करवा सकते हैं। संयुक्त निदेशक सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग सविता कृष्णिया ने बताया सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना के लिए उपलब्ध कराये गये मोबाईल एप के माध्यम से भी लाभार्थी घर बैठे भौतिक सत्यापन कर सकते हैं।

सामाजिक सुरक्षा पेंशन का वार्षिक भौतिक सत्यापन 30 नवम्बर तक नहीं करवाने पर आगामी माह से पेंशन राशि लाभार्थी के बैंक खाते में जमा नहीं होगी एवं उनकी पेशंन बन्द कर दी जायेगी।

साथ ही, पालनहार योजना अन्तर्गत लाभान्वित बच्चों के वार्षिक भौतिक सत्यापन से लम्बित प्रकरणों के त्वरित निस्तारण के लिए जिला शिक्षा अधिकारी माध्यमिक, कोटा द्वारा प्रत्येक विद्यालय में एक शिक्षक को अभिभावक के रूप में नियुक्त किया गया है, जो उन्हें उनके विद्यालय में अध्ययनरत, पालनहार योजना में लाभान्वित होने वाले बच्चों के वार्षिक भौतिक सत्यापन के लिए अध्ययन प्रमाण पत्र ई-मित्र के माध्यम से वार्षिक भौतिक सत्यापन करवाने में आवश्यक सहायता करेंगे।

कोटा विकास प्राधिकरण, कोटा

क्रमांक:-23 **नाम हस्तान्तरण चाहने बाबत आम सूचना** दिनांक:-25.11.24

नगर विकास न्यास कोटा की केशवपुरा-7 आवासीय योजना के भूखंड/आवास संख्या 102 का आवंटन/हस्तान्तरण/रजि. न्यास के पत्र दिनांक 13.12.1982 को श्री लेखराज पुत्र श्री लक्ष्मीनारायण को आवंटन किया गया था। आवंटी द्वारा उक्त भूखंड/आवास का जर्ये मुख्तारआम श्रीमती लक्ष्मी मेवाडा पुत्र श्री शिवचरण मेवाडा द्वारा जर्ये रजिस्टर्ड विक्रय पत्र दिनांक 19.01.2024 को श्री कौशल किशोर मेवाडा पुत्र श्री कन्हैया लाल मेवाडा को विक्रय कर दिया गया है। अत: क्रेता द्वारा उक्त भूखंड/आवास को अपने नामहस्तान्तरण करने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया गया है।

अत: जरिये आम सूचित किया जाता है कि यदि इस नाम हस्तान्तरण की स्वीकृति देने में किसी को भी कोई ऐतराज हो तो विज्ञप्ति जारी होने के 7 दिवस के अन्दर अन्दर अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर दें, अन्यथा मियाद गुजरने के पश्चात उक्त भूखण्ड/आवास संख्या 102 योजना केशवपुरा-7 आवासीय का नाम हस्तान्तरण श्री कौशल किशोर मेवाडा पुत्र श्री कन्हैया लाल मेवाडा के नाम स्वीकृति जारी कर दी जावेगी।

उपसचिव कोटा विकास प्राधिकरण कोटा

कार्यालय नगर पालिका सांगोद जिला कोटा (राज.)

क्रमांक/न.पा.सा./भूमि/2024-25/3083 प्रारूप-10 (नियम 6 (7) दिनांक:-26.11.24

लोक सूचना

श्री पंकज शर्मा/ब्रजबिहारी शर्मा सांगोद निवासी सांगोद ने इस कार्यालय में नीचे उल्लिखित भूमि का गैर-कृषिक प्रयोजन के उपयोग हेतु ऐसी भूमि के अपने अभिधृति अधिकारों के निर्वापन के लिए आवेदन प्रस्तुत किया है। अर्थात:-

जिले सहित तहसील का नाम	ग्राम का नाम	खसरा नं.	गैर कृषि प्रयोजन का उपयोग	क्षेत्र
तहसील सांगोद जिला कोटा	सांगोद	2681/1103	पेट्रोल पम्प	मूल खसरा क्षेत्रफल 0.32 हेक्टर में से दक्षिणी -पश्चिमी भाग 35x35=1225 वर्गमीटर (पेट्रोल पम्प) एवं 1070 वर्गमीटर (मार्गाधिकार)

इसलिये इसके द्वारा समस्त संबंधित व्यक्तियों को सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति को राजस्थान भू-राजस्व अधिनियम 1958 की धारा 90-क और राजस्थान अभिधृति अधिनियम, 1955 की धारा 63 के अधीन पूर्वोक्त प्रयोजनों के लिये भूमि के उपयोग हेतु अनुज्ञा प्रदान करने और अभिधृति अधिकारों के निर्वापन पर कोई आक्षेप है तो वह इस नोटिस के प्रकाशन के 7 दिन के भीतर-भीतर किसी कार्य दिवस पर कार्यालय समय के दौरान अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष समर्थक दस्तावेजों के साथ अपने आक्षेप प्रस्तुत कर सकेगा।

उपयुर्क्त नियत समय के भीतर-भीतर किसी आक्षेप के अभाव में यह समझा जायेगा कि किसी को आक्षेप नहीं है और तद्नुसार मामले का निपटारा किया जायेगा।

यह सूचना मेरे हस्ताक्षर और मुहर के अधीन आज 26.11.2024 को जारी की गयी।

अधिशाषी अधिकारी नगर पालिका सांगोद

कार्यालय नगरपालिका इटावा जिला कोटा (राज.)

क्रमांक:न.पा.इ./2024-25/2925 दिनांक:-21.11.2024

(प्रारूप-10) (नियम 6 (7) देखिए)

प्राधिकृत अधिकारी का कार्यालय नगरपालिका इटावा

लोक सूचना

श्री नेमीचंद पुत्र बाबू लाल जाति बैरवा निवासी गणेशगंज, श्री महेन्द्र कुमार नायक पुत्र मोहन लाल जाति नायक निवासी इटावा, श्री हंसराज वर्मा पुत्र गोपाल लाल वर्मा जाति बैरवा तह. पीपल्दा जिला कोटा (राज.) ने इस कार्यालय में नीचे उल्लिखित भूमि का गैर-कृषिक प्रयोजन के आवासीय उपयोग हेतु ऐसी भूमि के अपने अभिधृति अधिकारों के निर्वापन के लिए आवेदन प्रस्तुत किया है, अर्थात-

जिले सहित तहसील का नाम	ग्राम का नाम	खसरा सं.	क्षेत्र
जिला कोटा तहसील पीपल्दा	गोन्दी	729 730 731	रकबा 0.09 है. रकबा 0.35 है. रकबा 0.09 है.

अत: उक्त खसरो के समस्त संबंधित व्यक्तियों को सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति को राजस्थान भू-राजस्व अधिनियम, 1956 की धारा 90-क और राजस्थान अभिधृति अधिनियम, 1955 की धारा 63 के अधीन पूर्वोक्त प्रयोजनों के लिये भूमि के उपयोग हेतु अनुज्ञा प्रदान करने और अभिधृति अधिकारों के निर्वापन पर कोई आक्षेप है तो वह इस नोटिस के प्रकाशन के 15 दिन में किसी भी कार्य दिवस पर कार्यालय समय के दौरान अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष सक्षम दस्तावेजों के साथ अपने आक्षेप प्रस्तुत कर सकेगा। उपर्युक्त नियत समय के भीतर किसी आक्षेप के अभाव में यह समझा जायेगा कि किसी को आक्षेप नहीं है और तद्नुसार मामले का निपटारा कर दिया जावेगा।

अधिशाषी अधिकारी नगर पालिका इटावा

पेंटिंग प्रतियोगिता आयोजित

कोटा, (निसं)। मोदी पब्लिक स्कूल दादाबाड़ी में मंगलवार को "फेस पेन्टिंग प्रतियोगिता" का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में स्कूल के बरहवीं तक के विद्यार्थियों ने भाग लिया। मोदी ग्रुप ऑफ एजुकेशनल इंस्टीट्यूट के अध्यक्ष सुशील मोदी ने बताया कि फेस पेंटिंग के माध्यम से विद्यार्थी अपने बुनियादी कोशल का विकास करते हैं, जो कि उनके कलात्मक और रचनात्मक दुनिया के कई अन्य क्षेत्रों में काम आएंगे। ग्रुप डाइरेक्टर राघव मोदी ने बताया कि प्रतियोगिता में प्रथम विजेता कामाक्षी, द्वितीय विजेता परिधि जैन, तृतीय विजेता में संयुक्त रूप से किस्मत शर्मा एवं भक्ति पोरवाल रहे। इन विजेताओं को पुरस्कृत करते हुए निदेशक राघव मोदी ने कहा कि आदर्श रंग संयोजन बनाने की कोशिश करते समय विद्यार्थी जो धैर्य रखना सीखते हैं।

चैन स्नैचर गिरोह का मुख्य सरगना झालावाड़ से गिरफ्तार

- आधा दर्जन चैन स्नैचिंग की वारदातों का खुलासा

कोटा, (निसं)। विज्ञान नगर पुलिस टीम ने चैन स्नैचिंग के मामले में कार्यवाही करते हुए चैन स्नैचर गिरोह के मुख्य सरगना को जिला झालावाड़ के मनोहर थाना क्षेत्र से गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की।

शहर पुलिस अधीक्षक अमृता दुहन ने बताया कि 4 नवंबर को विज्ञान नगर थाने में दर्ज हुई चैन स्नैचिंग की वारदात का खुलासा करने के लिए शहर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक दिलीप सैनी व पुलिस उपअधीक्षक लोकेंद्र पालीवाल के निर्देशन में विज्ञान नगर थाना अधिकारी पुष्पेंद्र के नेतृत्व में टीम का गठन किया गया। पुलिस टीम ने सीसीटीवी कैमरे के फुटेज वह तकनीकी अनुसंधान के आधार पर कार्रवाई करते हुए चैन स्नैचिंग की वारदातों को अंजाम देने वाले मुख्य अभियुक्त आशीष गुप्ता उर्फ लालू को जिला झालावाड़ के मनोहर थाना क्षेत्र से गिरफ्तार किया। पकड़े गए आरोपी को न्यायालय में पेश कर पुलिस रिमांड पर लिया गया। पूछताछ के दौरान आरोपी ने कोटा शहर में चैन स्नेचिंग की करीब आधा दर्जन वारदातों का खुलासा किया।

यह था मामला:-शहर एसपी अमृता दुहन ने बताया कि 4 नवंबर को विज्ञान नगर निवासी फरियादी धर्मबंधु आर्य ने विज्ञान नगर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई कि उनकी मां अयोध्या देवी घर से विज्ञान नगर में स्थित राशन के गेहूं लेने के लिए राशन की दुकान पर गई थी। फरियादी ने रिपोर्ट में कहा कि राशन की दुकान से वापस घर आते समय रास्ते में बाइक पर दो अज्ञात व्यक्ति आऐं और उसकी मां अयोध्या देवी को धक्का देकर गिरा दिया और उसकी मां के गले से चैन छीनकर ले गए। पुलिस ने फरियादी की रिपोर्ट पर मामला दर्ज किया।

शहर पुलिस अधीक्षक अमृता दुहन ने बताया कि पकड़े गए आरोपी आशीष गुप्ता ने अनुसंधान में बताया कि चैन स्नैचिंग की वारदात को अंजाम देने के लिए मनोहर थाना से बाईक से अपने साथी कैलाश के साथ ग्रामीण रास्तों से होता हुआ कोटा पहुंचता और चैन स्नैचिंग की वारदात को अंजाम देकर वापस झालावाड़ चला जाता था। पकड़े गए आरोपी से अन्य वारदातों का खुलासा होने की संभावना है।

कोटा विकास प्राधिकरण, कोटा

चन्द्रमौली आवासीय योजना, चन्द्रेसल, कोटा

श्री ओम बिरला
माननीय लोकसभा अध्यक्ष

शहर वासियों के सपनों में रंग भरने के लिए कोटा विकास प्राधिकरण लाया है चन्द्रमौली आवासीय योजना

श्री झाबर सिंह खर्रा
माननीय नगरीय विकास, स्वायत्त शासन एवं आवासन मंत्री, राज. सरकार

श्री भजनलाल शर्मा
माननीय मुख्यमंत्री राजस्थान सरकार

कुल भूखण्ड : 222

आवेदन पत्र विक्रय आरम्भ की तिथि : 25 अक्टूबर 2024

आवेदन पत्र जमा कराने की अन्तिम तिथि : 30 नवम्बर 2024

आवेदन पत्र बैंक ऑफ बड़ौदा, कोटा की किसी भी शाखा से प्राप्त एवं जमा किये जा सकते है।

भूखण्डों का साईज/क्षेत्रफल एवं कीमत

क्र. सं.	श्रेणी	पात्रता हेतु आय वर्ग	भूखण्ड माप (मीटर)	क्षेत्रफल (वर्ग मीटर)	भूखण्ड संख्या	भूखण्ड की अनुमानित कीमत
1.	EWS	3 लाख तक	4.5 X 9	40.5	47	2,20,069/-
2.	LIG	3 से 6 लाख तक	6 X 12	72	108	6,25,974/-
3.	MIG-A	6 से 12 लाख	7.5 X 15	112.5	13	12,22,605/-
4.	MIG-B	12 से 18 लाख	9 X 18	162	4	18,49,450/-
5.	HIG- III	18 लाख से अधिक	12 X 21	252	33	30,12,499/-
6.	HIG- II	18 लाख से अधिक	12 X 24	288	6	34,42,856/-
7.	HIG- I	18 लाख से अधिक	15 X 27	405	11	48,41,516/-

योजना से सम्बन्धित समस्त जानकारी हेतु सम्पर्क करें- श्री लालचन्द मटोरिया (सहायक अभियंता, केडीए कोटा) मोबाईल नं. - 8107620806, 7976143540

हेल्प डेस्क : स्वागत कक्ष-एकल खिड़की, केडीए परिसर कोटा

योजना स्थल : सोगरिया रेलवे स्टेशन से लगभग 3.5 किलोमीटर की दूरी पर एवं प्राचीन धार्मिक स्थल चन्द्रेसल मठ के समीप स्थित है

शुभकामनाओं सहित

सचिव कोटा विकास प्राधिकरण | आयुक्त कोटा विकास प्राधिकरण | अध्यक्ष कोटा विकास प्राधिकरण

उदयपुर के पूर्व राजघराने में दूसरे दिन भी विवाद जारी

सिटी पैलेस के बाहर सोमवार देर रात दोनों ओर से पत्थरबाजी हुई, तनाव की आशंका के चलते भारी पुलिस बल रहा तैनात

उदयपुर, (कासं)। मेवाड़ पूर्व राजघराने के सदस्य विश्वराज सिंह मेवाड़ के तिलक दस्तूर के दूसरे दिन मंगलवार को भी वे अब तक धूणी दर्शन नहीं कर पाए। उन्हें सिटी पैलेस के गेट खुलने का इंतजार है। सिटी पैलेस के गेट मंगलवार को भी बंद रहे। कानून व्यवस्था की स्थिति को देखते हुए कलेक्टर अरविंद पोसवाल, एसपी योगेश गोयल सहित प्रशासनिक और पुलिस अधिकारी जाब्ते सहित मौके पर तैनात रहे।

जानकारी के अनुसार उदयपुर राजघराने के सदस्य महेंद्र सिंह मेवाड़ के निधन के बाद उनके बेटे और नाथद्वारा से भाजपा विधायक विश्वराज सिंह मेवाड़ के राजतिलक और इससे जड़ी रस्मों को लेकर विवाद हुआ। राजशाही खत्म होने के बाद भी यह रस्म प्रतीकात्मक रूप से निभाई जाती है। विश्वराज सिंह राजतिलक के बाद सिटी पैलेस के अंदर धूणी के दर्शन करने जाना चाहते थे, लेकिन सिटी पैलेस में रहने वाले उनके चाचा अरविन्द सिंह मेवाड़ के परिवार ने उन्हें इसकी अनुमति नहीं दी। यहीं से पूरा विवाद शुरू हुआ। इससे पहले सोमवार देर रात उदयपुर के सिटी पैलेस परिवार के अन्य सदस्यों और विश्वराज सिंह के समर्थकों के बीच जमकर पत्थरबाजी हुई। इसमें कई लोग घायल भी हुए। महाराणा प्रताप के वंशजों में ऐसा झगड़ा पहली बार सामने आया है। वहींए सोमवार देर रात करीब 1 बजे प्रशासन ने विवादित जगह को कुर्क कर रिसीवर की नियुक्ति कर दी। विपक्षी ट्रस्ट से पत्थरबाजी और विवादित स्थल को लेकर 27 नवंबर तक जवाब भी मांगा है।

> ■ विश्वराज सिंह राजतिलक के बाद सिटी पैलेस के अंदर धूणी के दर्शन करने जाना चाहते थे, उनके चाचा अरविन्द सिंह मेवाड़ के परिवार ने अनुमति नहीं दी

न्यायालय अतिरिक्त जिला कलेक्टर (नगर उदयपुर) ने विवाद की स्थिति को देखते हुए विवादित स्थल सिटी पैलेस स्थित बड़ीपोल से धूणी व जनाना महल तक जाने के रास्ते व धूणी वाले स्थान को कुर्क किया जाकर घंटाघर थानाधिकारी को रिसीवर नियुक्त किया है। धूणी व जनाना महल तक जाने के रास्ते व धूणी वाले स्थान को कुर्क किया जाकर घंटाघर थानाधिकारी को रिसीवर नियुक्त किया है। तिलक दस्तूर के बाद परम्परा के तहत धूणी दर्शन नहीं कर पाए विश्वराज सिंह मेवाड़ ने इसके लिए स्थानीय प्रशासन को भी जिम्मेदार और कमजोर बताया है। विश्वराज सिंह मेवाड़ ने कहा कानूनी रूप से और परंपरा के तौर पर हर तरह से धूणी दर्शन करना मेरा हक है। मैं वहां सिर्फ धूणी दर्शन करने गया था, लेकिन प्रशासन की कमजोरी के कारण ऐसा नहीं हो सका। हम देर रात तक पैलेस के गेट के बाहर बैठे रहे, पैलेस के अंदर से बाहर खड़े लोगों पर पथराव हुआ, कांच की बोतलें फेंकी गयीं। पुलिसकर्मियों सहित हमारे समर्थन में आए लोग घायल हुए। जिला प्रशासन की ओर से सिटी पैलेस के मुख्य द्वारा पर नोटिस चस्पा कर घंटाघर थानाधिकारी को रिसीवर नियुक्त किया। अब देखना है कि प्रशासन आगे क्या कार्रवाई करता है।

मंगलवार को समोरबाग में मीडिया से बातचीत में विश्वराज सिंह ने साफ कह दिया कि मैं यदि दर्शन नहीं कर पाता हूं तो यह प्रशासन की फेलियर है। कल एक खास अवसर था इसलिए दर्शन करने जाना उचित था। पूजा स्थल पर जाने से किसी को रोक नहीं सकते। हम तो मंदिर के दर्शन कर वापस आ रहे। मेरा पूरा हक बनता की मैं वहां जाकर धोक लगू। कानून व्यवस्था को लेकर कहा कि मेवाड़ के लोग गलत चीज के खिलाफ आवाज उठा रहे हैं। कानून हाथ में नहीं लेना है मेरी यह अपील है। बीती रात की घटना को लेकर विश्वराज सिंह मेवाड़ ने कहा कि प्रशासन ने कल ढील बरती, प्रशासन के प्रयास नाकाफी रहे।

इधर कलेक्टर अरविंद पोसवाल ने कहा कि ऐसे समय में प्रशासन की पहली जिम्मेदारी है कि कानून व्यवस्था न बिगड़े इसके हमने सभी प्रयास किए हैं। दोनों पक्षों के पांच-पांच प्रतिनिधियों की सूची मांगी है, ताकि दोनों पक्षों में बात कराई जा सके और रास्ता निकाला जा सके। हमने कुर्क की कार्रवाई का नोटिस सिटी पैलेस गेट पर चस्पा किया है। कानूनी कार्रवाई जारी है।

इधर इस मामले में सोमवार रात में धूणी दर्शन की सहमति नहीं बनने के बाद विश्वराज सिंह मेवाड़ अपने निवास समोर बाग चले गए, जहां दूसरे दिन से ही मामले को लेकर समाज जनों का आना जाना लगा रहा। सोमवार रात की घटना के बाद मामला नहीं निपटने पर रिसिवर नियुक्त करने के बाद मंगलवार को मेवाड़ क्षत्रिय महासभा संस्थान के अध्यक्ष बालूसिंह कानावत के नेतृत्व में प्रतिनिधि मंडल ने जिला कलेक्टर अरविन्द पोसवाल को ज्ञापन देकर धारा 145 जरिये सिटी पैलेस स्थित धूणी स्थल व अन्य संपत्ति अधिगृहित करने का हवाला देते हुए महाराणा मेवाड़ा विश्वराज सिंह मेवाड़ को राजतिलक की रस्म पूरी होने के बाद रिति अनुसार सिटी पैलेस स्थित धूणी दर्शन करने के पश्चात भगवान एकलिंगजी के दर्शन कराने का आग्रह किया है। बुधवार सुबह विश्वराज सिंह मेवाड एकलिंगनाथ दर्शन करने जाएंगे। इसे लेकर आईजी राजेश मीणा व जिला कलेक्टर ने चर्चा की।

विवाहिता का शव कुएं में मिला, हत्या की आशंका जताई

विवाहिता के पीहर पक्ष ने ससुराल पक्ष के खिलाफ दहेज हत्या का आरोप लगाते हुए रिपोर्ट दी

सुलताना, (निसं)। सुलताना थाना इलाके के मटाना गांव में एक विवाहिता का शव मकान के पास ही बने कुएं में मिला है। विवाहिता के पीहर पक्ष ने ससुराल पक्ष के खिलाफ दहेज हत्या का आरोप लगाते हुए रिपोर्ट दी है। वहीं विवाहिता के शव को फिलहाल चिड़ावा के उप जिला अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया गया, जहां पर बुधवार सुबह मेडिकल बोर्ड से शव का पोस्टमार्टम करवाया जाएगा।

मृतक विवाहिता।

जानकारी के मुताबिक नांद निवासी भरत सिंह की दो बेटियों ज्योति कंवर और डिम्पल कंवर की शादी एक साल पहले सात दिसंबर 2023 को मटाना निवासी वीरेंद्र निर्बाण और विराट निर्बाण के साथ हुई थी। पीहर पक्ष का आरोप है कि शादी के बाद से ज्योति कंवर को उसके पति वीरेंद्र निर्बाण समेत सास-ससुर, काका ससुर व काकी सास द्वारा दहेज के लिए प्रताड़ित किया जाता था। मंगलवार दोपहर को सभी ने मिलकर उसे कुएं में डाल दिया, जिससे उसकी मौत हो गई। वहीं कुएं में गिरने से मौत की सूचना भी पीहर पक्ष को नहीं दी। लेकिन पीहर पक्ष को किसी के द्वारा सूचना लगी तो वे मटाना पहुंचे। तब तक शव कुएं से निकालकर अस्पताल पहुंचा दिया गया था। इसके बाद पुलिस की भी सूचना आई। पीहर पक्ष ने दहेज हत्या का आरोप लगाते हुए आरोपियों को गिरफ्तार करने की मांग की है।

ज्योति कंवर और वीरेंद्र निर्बाण की शादी सात दिसंबर 2023 को हुई थी। 11 दिन बाद ही उनकी शादी की पहली वर्षगांठ थी, लेकिन उससे पहले ही ज्योति की मौत हो गई। घटना के वक्त उसकी छोटी बहन डिम्पल, जो मृतक ज्योति की देवरानी भी थी, वो नांद गांव पीहर आई हुई थी।

तीन हजार की रिश्वत लेते पटवारी गिरफ्तार

कोटा, (निसं)। एंटीकरप्शन ब्यूरो कोटा की स्पेशल टीम ने कोटा विकास प्राधिकरण के पटवारी हल्का पटवार

> ■ रिश्वत की राशि प्लॉट का पट्टा बनाने की एवज में ली थी

रॉकी अरोड़ा को तीन हजार की रिश्वत लेते रंगे हाथों पकड़ा है। रिश्वत की ये राशि प्लॉट का पट्टा बनाने की एवज में ली थी। आरोपी पटवारी पहले दो किश्तों में 15 हजार की घूस ले चुका था।

एडिशनल एसपी स्पेशल यूनिट मुकुल शर्मा ने बताया कि आरोपी रॉकी अरोड़ा, हल्का पटवार, सोगरिया स्टेशन एरिया में पोस्टेड है, जो परिवादी से प्लॉट का पट्टा बनाने के एवज में 18 हजार की रिश्वत डिमांड कर रहा था। आरोपी परिवादी से पहले 15 हजार ले चुका था। बाकी 3 हजार के लिए और दबाव बना रहा था। परिवादी की शिकायत पर सोमवार को सत्यापन करवाया। सत्यापन में रिश्वत मांगने की पुष्टि हुई। जिसके बाद इंस्पेक्टर पृथ्वीराज, सब इंस्पेक्टर किशनलाल की टीम ने कोटा विकास प्राधिकरण कार्यालय में ट्रैप कार्रवाई को अंजाम दिया। पटवारी को तीन हजार लेते रंगे हाथों पकड़ा है।

घूस लेने का आरोपी पटवारी।

छात्र ने आत्महत्या की

उदयपुर, (निसं)। सेलीब्रेशन माल के चौथी मंजिल से कूदकर स्कूली छात्र ने आत्महत्या कर ली। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसर मंगलवार दोपहर में सुखेर थाना क्षैत्र स्थित सेलीब्रेशन माल में आए स्कूली छात्र वरड़ा नाई निवासी कृष पामेचा (17) पुत्र नारायणलाल ने चौथी मंजिल से नीचे कूदकर आत्महत्या कर ली।

सूचना मिलने पर हेड कांस्टेबल जगदीश मेनारिया ने मृतक का पोस्टमार्टम करवा शव परिजनों को सौंप दिया। कृष विद्या भवन पब्लिक स्कूल देवाली में कक्षा 11 का छात्र था। दोपहर में वह बाइक लेकर सेलीब्रेशन माल आया तथा पार्किंग में बाइक खड़ी कर माल में जाकर चौथे माले से नीचे कूद पड़ा। इसको देख वहां मौजूद लोगों ने निजी चिकित्सालय पहुंचाया, जहां से रेफर करने पर एमबी चिकित्सालय पहुंचाया, जहां उसकी मौत हो गई। मृतक की जेब से मिले आई कार्ड से उसकी शिनाख्त कर परिजनों को सूचना दी। आत्महत्या करने के कारणों का पता नहीं चल पाया।

खनिज टीम को 6 करोड़ रुपये से अधिक के क्वार्टज का अवैध खनन मिला

खनि अभियंता चित्तौड़गढ़ के क्षेत्राधिकार में टीम ने कार्रवाई की।

उदयपुर, (कासं)। अतिरिक्त निदेशक माइंस उदयपुर जोन दीपक तंवर के निर्देशन में खान विभाग की टीम ने चित्तौड़गढ़ के भूपालसागर के पारी गांव में अवैध खनन के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की। टीम द्वारा खनिज क्वार्टज का मौके पर 16-16 टन वजन के दो ब्लॉक और एक्सकवेटेड माल पकड़ा गया। इसके साथ ही किए गए खनन का आंकलन करने पर 2592 टन अवैध खनन पाया गया। खनिज क्वार्टज की कीमत लगभग 50 हजार प्रति टन बताई जा रही है। इस तरह से करीब 6 करोड़ रुपये से अधिक के क्वार्टज खनिज का अवैध खनन पाया गया है। अतिरिक्त निदेशक तंवर ने खनि अभियंता चित्तौड़गढ़ को संबंधित के खिलाफ मामला दर्ज कराने के निर्देश दिए हैं।

अतिरिक्त निदेशक दीपक तंवर को मिली जानकारी पर संबंधित क्षेत्र से बाहर के अधिकारियों को बिना किसी पूर्व सूचना के संबंधित क्षेत्र में भेज कर कार्रवाई को अंजाम दिया गया। गौरतलब है कि प्रमुख शासन सचिव टी. रविकांत द्वारा विभिन्न समीक्षा बैठकों के दौरान अवैध खनन गतिविधियों के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति पर कार्य करते हुए कार्रवाईके निर्देश दिए हुए हैं।

अतिरिक्त निदेशक टीपक तंवर ने बताया कि गुप्त स्रोत से प्राप्त जानकारी पर सहायक खनि अभियंता बिजौलिया बंशीलाल सुथार और राजसमंद फोरमैन जमुना शंकर को मय जाब्ते के बिना पूर्व जानकारी के अवैध खनन स्थल पर भेजा गया और लक्ष्मण पुत्र भगवान जाट की खातेदारी भूमिपर खनिज क्वार्टज का अवैध खनन पाया गया।

सड़क हादसे में पिता की मौत, पुत्र गंभीर घायल

मृतक के बेटे दीपु सिंह को गंभीर अवस्था में जयपुर उपचार के लिये भेजा गया।

मालपुरा, (निसं)। जयपुर-भीलवाड़ा स्टेट हाईवे के मालपुरा केकड़ी सड़क मार्ग पर इंदोली के पास मंगलवार को हुये सड़क हादसे मे अज्ञात वाहन की टक्कर से पिता की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई, तो पुत्र गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसे गंभीर हालत में मालपुरा अस्पताल से जयपुर रैफर किया गया है।

मामले के अनुसार सरवाड़ थाना क्षैत्र के हिंगोनिया निवासी सुमन सिंह पुत्र भंवर सिंह मंगलवार को अपने पुत्र दीपु सिंह के साथ मोटरसाइकिल पर सवार होकर मालपुरा से गांव जा रहे थे। इंदोली के पास अज्ञात वाहन ने बाइक को जोरदार टक्कर मार दी और मौके से फरार हो गया। सड़क हादसे में बाइक सवार दोनों पिता-पुत्र गंभीर रूप से घायल हो गये।

> ■ अज्ञात वाहन ने बाइक को जोरदार टक्कर मार दी और मौके से फरार हो गया

हादसे के दौरान सड़क मार्ग से गुजर रहे लोगों ने अपने निजी वाहन से सड़क किनारे लावारिस पड़े दोनों घायलों को मालपुरा अस्पताल में उपचार के लिये भर्ति करवाया जहां चिकित्सकों ने स्वास्थ्य परीक्षण कर सुमन सिंह को मृत घोषित किया व घायल पुत्र को चिन्ताजनक हालत में जयपुर रैफर किया। मृतक सुमन सिंह केकड़ी पंचायत समिति में चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी था। मृतक का ईकलोता बेटा दीपु सिंह को गंभीर घायल अवस्था में जयपुर उपचार के लिये भेजा गया। सूचना मिलने पर लाम्बाहरिसिंह थाना पुलिस ने मालपुरा पहुंचकर परिजनों की मौजूदगी मे पंचनामा व पोस्टमार्टम की कार्यवाही कर शव परिजनों को सौंपा।

पेट्रोल पंप कर्मचारी से लूट का प्रयास

डूंगरपुर, (निसं)। चितरी थाना क्षेत्र के गडा जसराजपुर में पेट्रोल पंप कार्मिक से लूटपाट का प्रयास हुआ। दो बदमाशों ने पेट्रोल पंप कार्मिक पर लोहे के सरिए से हमला कर घायल कर दिया। इसके बावजूद भी कार्मिक ने रुपयों से भरा बैग नहीं छोड़ा। इसके बाद बदमाश भाग गए। घायल पेट्रोल पंप कार्मिक को अस्पताल में भर्ती कर इलाज शुरू कर दिया है। फिलहाल पुलिस बदमाशों को नामजद करते हुए तलाश में जुटी है।

चितरी थाना एएसआई ने बताया कि डायालाल पुत्र नारायणलाल चौबीसा निवासी उस्मानिया ने रिपोर्ट दर्ज करवाई है। इसमें बताया की वह गडा जसराजपुर में पेट्रोल पंप पर काम करता था। सोमवार शाम के समय वह पेट्रोल पंप पर पेट्रोल डीजल भरने का काम कर रहा था। इस दौरान प्रभुलाल पुत्र कनकमल बामणिया और महिपाल पुत्र डायालाल बामणिया निवासी रातडिया फला दाहेला पेट्रोल पंप पर आए। दोनों बदमाशों ने आते ही उसके पास से रुपए छीनने का प्रयास किया। इस पर उसने विरोध किया। दूसरे बदमाश ने लोहे के सरिए से उस पर हमला कर दिया। जिससे वह घायल होकर नीचे गिर गया, लेकिन हिम्मत जुटाकर रुपयों से भरा बैग नहीं छोड़ा। लोगों के आते देख बदमाश मौके से भाग गए। घटना को लेकर पूरी वारदात पेट्रोल पंप पर लगे सीसीटीवी में कैद हो गई। घटना की सूचना पर चितरी थाना पुलिस मौके पर पहुंची। घायल डायालाल को सागवाडा अस्पताल में भर्ती करवाया गया। पीड़ित डायालाल ने रातडिया फला दाहेला निवासी प्रभुलाल और महिपाल के खिलाफ लूटपाट, सरिए से हमला करने का प्रकरण दर्ज करवाया है। पुलिस दोनों ही बदमाशों की तलाश में जुट गई है।

विश्व विख्यात सोनार किले की तीन माह पूर्व टूटी हुई दीवार के पत्थर गिरे, हादसा टला

भारी पत्थरों के गिरने से काम कर रहे दो मजदूरों ने भागकर जान बचाई

जैसलमेर, (निसं)। पर्यटन मानचित्र में विश्व प्रसिद्ध सोनार किले का दीदार करने सालाना लाखों देशी विदेशी सेलानी आ रहे हैं। केंद्र, राज्य और स्थानीय प्रशासन को पर्यटकों के जरिये सालाना करोड़ों रूपये का राजस्व प्रदान हो रहा है। वर्ल्ड हेरिटेज की लिस्ट में शामिल जैसलमेर के 868 साल पुराने सोनार किले की दीवार से मंगलवार को 4 बड़े पत्थर अचानक सड़क पर आ गिरे। भारी पत्थरों के गिरने से वहां काम कर रहे दो मजदूरों ने भागकर जान बचाई। यही नहीं, पत्थरों के गिरने से बैरिकेड के साथ-साथ बीएसएनएल का पोल भी टूटकर सड़क पर गिर गया। अचानक हुए इस हादसे से लोग भयभीत हो गए। गनीमत रही कि इस उस दौरान कोई वाहन या व्यक्ति सड़क से नहीं गुजरा, वरना बड़ा हादसा हो सकता था।

जैसलमेर सोनार दुर्ग की तीन माह पूर्व गिरी दीवार का मुख्य मार्ग, जहां पत्थर गिर गये।

घटना की जानकारी मिलने पर शहर कोतवाली पुलिस की टीम और पुरातत्व विभाग की टीम मौके पर पहुंची। शहर कोतवाली की टीम ने तुरंत रास्ते को दोनों तरफ से बंद करवाया और वहां पुलिसकर्मी तैनात किए। वहीं, पुरातत्व विभाग की टीम ने टूटी दीवार के अन्य पत्थरों को सोनार फोर्ट से हटाकर सुरक्षित रखवाने का काम किया ताकि दूसरे पत्थर ना गिरे । अचानक हुए हादसे के बाद दुकानदारों ने भयभीत होकर अपनी दुकानें बंद कर दीं। लोगों में इस घटना को लेकर रोष है। दुकानदारों का कहना है कि 6 अगस्त को बारिश के दौरान रिहायसी इलाके से लगती यह दीवार टूट कर गिरी थी। उसके बाद केन्द्रीय पर्यटन मंत्री गजेन्द्रसिंह शेखावत को जैसलमेर दौरे के समय मौका बताया फिर भी इसको बनाने का काम अभी तक शुरू नहीं किया गया। इस कारण हजारों राहगीर परेशान हो रहे हैं।

जानकारी के अनुसार बरसात के दौरान 6 अगस्त को सोनार फोर्ट के छोटू लोहार हवेली के सामने आये आवाजाही शुरू की थी। लेकिन 3 महीने बीत जाने के बाद भी पुरातत्व विभाग ने इसकी मरम्मत का काम शुरू नहीं करवाया। मंगलवार को एक बार फिर दीवार से पत्थर गिर गए।

भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण विभाग के मल्टी टास्क सुपरवाइजर देवेश सिंघल ने बताया कि अभी तक इसका टेंडर नहीं हो पाया है, इसलिए काम शुरू नहीं हो पाया है। मंगलवार को सड़क का एक बैरिकेड टूटा था तो उसको सही करवाने के लिए 2 मजदूर लगे थे। लेकिन, अचानक से ऊपर सोनार किला से 4 बड़े पत्थरों के गिरने से मजदूर मौके से भागे। पत्थर गिरने से एक बैरिकेड और बीएसएनएल का एक पोल टूट गया है। हमने उच्चाधिकारियों को सूचना दे दी है। प्रयास कर रहे हैं कि जल्द ही इसका टेंडर हो जाए तो इसका काम शुरू किया जाए।

शहर कोतवाली पुलिस के एसआई सज्जनसिंह ने बताया कि हादसे की जानकारी मिलने के बाद शिव रोड से घटना स्थल के मार्ग को बंद करवा कर एहतियातन दूसरे मार्ग से डायवर्ट किया गया है, ताकि कोई अन्य हादसा न हो जाए। मौके पर सिपाही भी तैनात कर दिए गए हैं, ताकि यहां से कोई व्यक्ति या वाहन न गुजरे।

RAJASTHAN RENEWABLE ENERGY CORPORATION LIMITED
(A Government of Rajasthan Undertaking), Office: E-166, Yudhister Marg, C-Scheme, Jaipur 302001,Rajasthan, Phone No. 0141-2225859, 2229341
E-mail : eccellrrec@gmail.com website : http://www.energy.rajasthan.gov.in/rrecl

(NIT No.TN-12/RREC/2024-25)

Tender are invited for supply of Induction Cooktops with one year of comprehensive warrantee in Rajasthan.
The complete bid document can be viewed and downloaded from e-procurement portal **https://eproc.rajasthan.gov.in/**, SPPP Portal **(https://sppp.rajasthan.gov.in/sppp/)** and RRECL website **(https://energy.rajasthan.gov.in/rrecl/).**
Bid Submission End Date : 02/12/2024
UBN No. : REC2425GLOB00025
NIB Code : REC2425A0026
Raj.Samwad/C/24/8317 Director (Technical)

कार्यालय नगर पालिका मांगरोल जिला बारां (राज.)
क्रमांक :- न.पा.अ./2024/1601 दिनांक :- 20/11/2024
ई-निविदा सूचना सं. 02/2024-25
इस कार्यालय की निविदा सूचना संख्या :– न.पा.अ./2024/1588–1590 दिनांक 18.11.2024 के द्वारा कुल 9 कार्य की अनुमानित लागत 187.00 लाख रू. की पंजीकृत संवेदको से ऑन लाईन निविदायें आमंत्रित की जाती है। निविदा से संबंधित समस्त विवरण **http://sppp.rajasthan.gov.in and http://eproc.rajasthan.gov.in** पर उपलब्ध है। **UBN No. DLB2425SLOB12050, DLB2425SLOB12051, DLB2425SLOB12052, DLB2425SLOB12053, DLB2425SLOB12054, DLB2425SLOB12055, DLB2425SLOB12056, DLB2425SLOB12057, DLB2425SLOB12058**
राज.संवाद/सी/24/8273 अध्यक्ष नगर पालिका मांगरोल अधिशाषी अधिकारी नगर पालिका मांगरोल

कार्यालय नगर विकास न्यास, पाली
जिला कलेक्ट्रेट परिसर, पाली
फोन नं. 02932–223222 ई मेल– uitpali@gmail.com
क्रमांक : न्या.पा./विज्ञापन/2024/2139 दिनांक : 25.11.2024
ई-निविदा सूचना संख्या–22/2024–25
नगर विकास न्यास, पाली की और से न्यास/राजकीय विभाग में नियमानुसार उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत संवेदकों से निर्धारित प्रपत्र में ई–प्रोक्योरमेन्ट प्रक्रिया से सिविल कार्यों हेतु ऑन–लाइन निविदाएं आमंत्रित की जाती है, इन कार्यों की अनुमानित लागत, निविदा बेचे जाने तथा प्राप्त करने की दिनांक, निविदा शर्तें आदि सम्पूर्ण विवरण http://eproc.rajasthan.gov.in, sppp.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकती है तथा न्यास कार्यालय, पाली में कार्य दिवस के दौरान भी देखी जा सकती है।

कार्य	यू.बी.एन नम्बर (sppp.rajasthan.gov.in)
सिविल कार्य	ITP2425WSOB00039

राज.संवाद/सी/24/8310 अधिशाषी अभियन्ता

कोटा विकास प्राधिकरण, कोटा
क्रमांक :- एक 3/लेखा/24-25/3615 - 35 दिनांक :- 22/11/2024
ऑनलाईन निविदा सूचना संख्या : 20/2024-25
कोटा विकास प्राधिकरण, कोटा की ओर से क्र.सं. 1 एवं 12 पर पर अंकित कार्यों हेतु अनुभवी संवेदकों/सेवा प्रदाता एजेन्सियों से तथा क्र.सं. 13 से 49 पर अंकित कार्यों हेतु के.डी.ए., कोटा में पंजीकृत उपयुक्त श्रेणी के संवेदकों एवं राजस्थान सरकार के किसी भी राजकीय/ अर्द्धशासकीय/स्वायत्तशासी विभागो के अन्तर्गत ''एए'' तथा ''ए'' क्लास संवेदकों से निर्धारित प्रपत्र में ई–प्रोक्यूरमेन्ट प्रक्रिया से कुल 49 कार्यों (UBN No. : UIK2425WSOB00326 To UIK2425WSOB00374) हेतु ऑन लाईन निविदाऐं आमंत्रित की जाती है। उक्त कार्यों का विस्तृत विवरण, निविदा शर्तें, अनुमानित लागत, निविदा बेचने, प्राप्त करने एवं खोलने की दिनांक आदि सम्पूर्ण विवरण वेबसाईट **https://eproc.rajasthan.gov.in, https://sppp.rajasthan.gov.in** एवं **http://urban.rajasthan.gov.in/uitkota** पर देखा जा सकता है।
राज.संवाद/सी/24/8276 अधिशाषी अभियन्ता

Rajasthan Urban Drinking Water Sewerage and Infrastructure Corporation Ltd.
(A Government of Rajasthan Undertaking) Old Working Women Hostel, Behind Nehru Place, Lal Kothi, Tonk Road, Jaipur
Ph: 0141-2742240; E-mail: rudsico@rajasthan.gov.in, ruifdco@gmail.com; Web: urban.rajasthan.gov.in/rudsico
F18 (52) RUDSICO/AMRUT-2.0/2024-25/Tender/ Date :- 20/11/2024
NIB No. 06/2024-25
Notice inviting online bids for Formulation of GIS based master plan and Updation of Existing Master Plans in GIS format &Creation of Urban Geodatabase for Towns under AMRUT 2.0
Rajasthan Urban Drinking Water Sewerage & infrastructure Corporation Limited (RUDSICO), a Government of Rajasthan undertaking, invites online unconditional bids on behalf of the Governor of Rajasthan through e-procurement portal **http://eproc.rajasthan.gov.in** from eligible bidders in accordance with the RTPP Act 2012 and RTPP Rules 2013, amended up to date, and under Open Competitive Bidding (OCB) National with single stage-two envelope Bidding procedure for following work.

S. No.	Name of Work	Cost (In Lakh)	Bid Security (In Lakh)	Period of completion
1	Formulation of GIS based master plan for towns under AMRUT 2.0			
a.	Package – 01	351.00	7.02	12 Months
b.	Package - 02	398.00	7.96	
2	Updation of Existing Master Plans in GIS format and Creation of Urban Geodatabase for Towns under AMRUT 2.0			
a.	Package – 01	416.00	8.32	
b.	Package - 02	453.00	9.06	

The details of NIB can be seen at e-procurement portal of state government **sppp.rajasthan.gov.in** and **eproc.rajasthan.gov.in** from date 25.11.2024 at 1700 Hours till the end date of online submission of bids i.e. 30.12.2024 up to 1500 Hours. Any subsequent addendum/corrigendum shall be published only at the e-procurement portal.
UBN No. - RDP2425SLOB00093, RDP2425SLOB00094, RDP2425SLOB00095, RDP2425SLOB00096
Executive Director
Raj.Samwad/C/24/8288 RUDSICO, Jaipur

पासपोर्ट प्राधिकरण पुलिस रिपोर्ट मानने के लिए बाध्य नहीं है : हाईकोर्ट

'प्रतिकूल पुलिस रिपोर्ट अपने आप में पासपोर्ट लेने से नहीं कर सकती वंचित'

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने कहा है कि प्रतिकूल पुलिस सत्यापन रिपोर्ट अपने आपमें किसी नागरिक को पासपोर्ट प्राप्त करने के उसके कानूनी अधिकार से वंचित नहीं कर सकती। इसके अलावा पासपोर्ट प्राधिकरण पुलिस की प्रतिकूल सत्यापन रिपोर्ट मानने के लिए ही बाध्य नहीं है। इसके साथ ही अदालत ने केन्द्र सरकार और पासपोर्ट अधिकारी को कहा है कि वह याचिकाकर्ता के पासपोर्ट नवीनीकरण का प्रार्थना पत्र 8 सप्ताह में तय करे। हालांकि अदालत ने पासपोर्ट विभाग को छूट दी है कि यदि मामले में कुछ प्रतिकूल मिले तो वे विधिनुसार कार्रवाई के लिए स्वतंत्र हैं। जस्टिस अनूप ढंड की एकलपीठ ने यह आदेश सावित्री शर्मा की याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए। अदालत ने अपने आदेश में कहा कि किसी भी भारतीय नागरिक को उसके पासपोर्ट प्राप्त करने या नवीनीकरण करने के कानूनी अधिकार से वंचित नहीं किया जा सकता। पासपोर्ट या यात्रा दस्तावेज जारी करने का निर्णय केवल पासपोर्ट प्राधिकरण की ओर से ही लिया जाना चाहिए।

याचिकाकर्ता की ओर से अधिवक्ता राकेश चंदेल ने अदालत को बताया कि याचिकाकर्ता का पासपोर्ट मई, 2022 तक वैध था। ऐसे में उसने पासपोर्ट नवीनीकरण के लिए विभाग में आवेदन किया, लेकिन पुलिस सत्यापन जांच रिपोर्ट में संदेह होने पर उसका आवेदन अस्वीकार कर दिया। इसे हाईकोर्ट में चुनौती देते हुए पासपोर्ट नवीनीकरण का आग्रह किया गया। जवाब में विभाग की ओर से अधिवक्ता मनजीत कौर ने बताया कि क्षेत्रीय पासपोर्ट ऑफिस, नई दिल्ली ने याचिकाकर्ता की पुलिस सत्यापन जांच करवाई थी। इसमें उसकी राष्ट्रीयता संदेहपूर्ण व नेपाली आई है। इस रिपोर्ट पर ही उसके पासपोर्ट का नवीनीकरण नहीं किया। इसके जवाब में याचिकाकर्ता ने कहा कि उसके दादा नेपाल में रहते थे, लेकिन याचिकाकर्ता का जन्म भारत में हुआ है। उसकी शादी 2017 में यहीं हुई है। उसके दो बच्चे हैं और वह भारत की नागरिक है। इसलिए केवल पुलिस की प्रतिकूल जांच रिपोर्ट पर उसके पासपोर्ट नवीनीकरण से मना नहीं कर सकते। जिस पर सुनवाई करते हुए अदालत ने पुलिस जांच रिपोर्ट के प्रतिकूल होने मात्र से पासपोर्ट से वंचित नहीं करने को कहा है।

कांस्टेबल भर्ती परीक्षा-2023 को लेकर बहस पूरी

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने पुलिस कांस्टेबल भर्ती-2023 में पदों के 15 गुणा अभ्यर्थियों को बुलाने से जुड़े मामले में दायर याचिका पर बहस पूरी हो गई है। अदालत ने दोनों पक्षों की बहस सुनकर मामले में अपना फैसला सुरक्षित रख लिया है। जस्टिस समीर जैन की एकलपीठ ने यह आदेश अर्जुन सिंह शेखावत व अन्य की याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए।

याचिका में अधिवक्ता रघुनंदन शर्मा ने अदालत को बताया कि राज्य सरकार की ओर से पुलिस कांस्टेबल के पदों पर गत वर्ष भर्ती निकाली गई। जिसमें सीनियर सैकण्डरी स्तर की समान पात्रता परीक्षा में पास हुए अभ्यर्थियों को कांस्टेबल भर्ती के विज्ञापित कुल पदों के मुकाबले 15 गुणा को बुलाना था।

दिया कुमारी ने केंद्र से 900 नये आंगनबाड़ी भवनों की मांग की

उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने मंगलवार को केन्द्रीय मंत्री अन्नपूर्णा देवी से मुलाक़ात की।

जयपुर। देश के सभी राज्यों के महिला एवं बाल विकास विभाग का एक राष्ट्रीय चिंतन शिविर जनवरी माह में उदयपुर में आयोजित किया जायेगा। इस चिंतन शिविर में केन्द्रीय मंत्री समेत सभी राज्यों के महिला एवं बाल विकास मंत्री भाग लेंगे तथा आँगनबाड़ी केन्द्रों, पोषाहार तथा महिला एवं बाल विकास से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर विस्तार से चर्चा कर और राज्यों की आवश्यकतानुसार एक रोडमैप तैयार करेंगे।

- **उदयपुर में तैयार होगा महिला एवं बाल विकास का रोडमैप, जनवरी में होगा राष्ट्रीय चिंतन शिविर**

उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने मंगलवार को दिल्ली में केंद्रीय मंत्री अन्नपूर्णा देवी से मुलाकात की और विभाग से संबंधित सभी मुद्दो पर विस्तार से चर्चा की। दिया कुमारी ने केन्द्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री अन्नपूर्णा देवी से माँग की है कि विभाग की विभिन्न योजनाओं में केन्द्र से मिलने वाले अनुदान की राशि को एकमुश्त जारी किया जाये, जिससे आंगनबाडी कार्यकर्ताओं को उनका मानदेय हर माह प्राप्त हो सके। उपमुख्यमंत्री ने अपने पत्र में माँग की कि पूरक पोषाहार दरों को बढ़ाया जाये। उन्होंने कहा कि पूरक पोषाहार की दरों का 2017 में पुनर्निधारण किया गया था, जिसके युक्तियुक्त पुनर्निधारण की आवश्यकता है।

दिया कुमारी ने राज्य में नये 900 आंगनबाड़ी भवनों की माँग करते हुए कहा कि ये प्रस्ताव केंद्र को भिजवा दिये गये है, जिन पर कार्यवाही अपेक्षित है। उन्होंने केन्द्र सरकार से आंगनवाड़ी भवनों के हर पाँच साल में जारी होने वाली 3000 रुपये की मरम्मत राशि को भी जरुरत के अनुसार बढ़ाने की मांग की। उन्होंने कहा कि आंगनबाड़ी केन्द्रों की मरम्मत की लागत 50 हज़ार से एक लाख तक हो सकती है।

उपमुख्यमंत्री ने अपने पत्र में वर्ष 2023-24 के 34.38 करोड़ के केन्द्रांश तथा किशोरी बाल योजना के अन्तर्गत तीसरी त्रैमासिक अनुदान की किस्त जारी करने और 340 आँगनबाड़ी केन्द्रों को सक्षम आंगनबाड़ी केंद्रों के रूप में विकसित करने की स्वीकृति जारी करने की भी मांग की। दिया कुमारी ने केन्द्रीय मंत्री से माँग करते हुए कहा कि राज्य को एकमुश्त राशि मिलने से आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को हर महीने मानदेय का भुगतान सुनिश्चित किया जा सकेगा।

आर.सी.डी.एफ. को दिल्ली में मिले दो बड़े पुरस्कार

राष्ट्रीय दुग्ध दिवस के अवसर पर नई दिल्ली में भारत सरकार की ओर से आयोजित पुरस्कार वितरण समारोह में प्रतापपुरा दुग्ध उत्पादक समिति को श्रेष्ठ डेयरी सहकारी समिति के अवार्ड से नवाजा गया। वहीं दूसरी ओर हनुमानगढ़ दुग्ध संघ के दो कर्मचारी राजेन्द्र कुमार और वीरेन्द्र कुमार सैनी को बेस्ट एआई टैक्नीशियन अवार्ड देकर सम्मानित किया गया।

नई दिल्ली/जयपुर। राष्ट्रीय दुग्ध दिवस के अवसर पर नई दिल्ली में भारत सरकार द्वारा आयोजित पुरुस्कार वितरण समारोह में आरसीडीएफ की धूम रही। एक ओर जहां, आरसीडीएफ से सम्बद्ध भीलवाड़ा दुग्ध संघ की प्रतापपुरा दुग्ध उत्पादक समिति को श्रेष्ठ डेयरी सहकारी समिति के अवार्ड से नवाजा गया। वहीं दूसरी ओर हनुमानगढ़ दुग्ध संघ के दो कर्मचारी राजेन्द्र कुमार और वीरेन्द्र कुमार सैनी को बेस्ट एआई टैक्नीशियन अवार्ड देकर सम्मानित किया गया।

आरसीडीएफ की प्रशासक और प्रबन्ध संचालक श्रुति भारद्वाज ने प्रतापपुरा दुग्ध समिति के सचिव नानूराम कुमावत और हनुमानगढ़ दुग्ध संघ के कर्मचारियों के साथ ये पुरुस्कार प्राप्त किये। पुरुस्कार स्वरुप तीन-तीन लाख रुपये नगद और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर राजस्थान के गृह एवं डेयरी राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढ़म ने भी विशिष्ठ अतिथि के रुप में कार्यक्रम में शिरकत की और राष्ट्रीय स्तर के इन पुरुस्कारों के लिये आरसीडीएफ और दुग्ध संघों के पदाधिकारियों को बधाई देते हुऐ उनका मनोबल बढ़ाया। भारत सरकार के पशुपालन एवं डेयरी मंत्री राजीव रंजन सिंह ने आज यहा नई दिल्ली स्थित मानेकशा सेन्टर में आयोजित राष्ट्रीय दुग्ध दिवस के अवसर पर आयोजित एक भव्य समारोह में यह पुरुस्कार वितरित किये। पशुपालन और डेयरी विकास के क्षेत्र में गोपाल रत्न राष्ट्रीय अवार्ड एक प्रतिष्ठित अवार्ड है। विजेताओं का चयन देशभर से 2574 ऑनलाईन आवेदकों में से किया गया था। आरसीडीएफ की प्रशासक और प्रबन्ध संचालक श्रुति भारद्वाज ने राष्ट्रीय स्तर के इन पुरुस्कारों के लिये प्रदेश की सहकारी डेयरियों से जुड़े दुग्ध उत्पादकों और डेयरी कर्मचारियों को बधाई देते हुऐ इसे उनके द्वारा की गई कड़ी महनत का फल बताया है। उन्होंने कहा कि इससे पहले भी आरसीडीएफ एवं इससे सम्बद्ध जिला दुग्ध संघों को राष्ट्रीय स्तर पर सम्मानित किया जा चुका है। हाल ही में केन्द्रीय गृह एवं सहकारित मंत्री अमित शाह ने अहमदाबाद में आयोजित एक समारोह में भीलवाड़ा की दुग्ध उत्पादक लाभार्थी माया देवी और आरसीडीएफ की एमडी श्रुति भारद्वाज को कार्बन क्रेडिट की पहली किस्त सौंपी थी। भीलवाड़ा में फलैक्सी बॉयोगेस के पायलेट प्रोजेक्ट में कार्बन क्रेडिट अर्जित करने और पर्यावरण सुरक्षा के काम की राष्ट्रीय स्तर पर सराहना की गई थी। उन्होंने कहा कि हाल ही में आरसीडीएफ एवं जिला दुग्ध संघों द्वारा दूध एवं दुग्ध उत्पादों की उच्च गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिये सरस अमृतम अभियान चलाया गया है। इसी प्रकार युवा, महिला और स्वयं सहायता समुहों के लिये सरस स्वरोजगार योजना 2024 लागू की गई है जिसके अन्तर्गत डेयरी बूथ, शॉप एजेन्सी, सरस कैफे और सरस पार्लर के लिये ऑनलाईन आवेदन आमंत्रित किये गये हैं। हाल ही में दीपावली के अवसर पर राज्यभर में 125 मेट्रिक टन से अधिक शुद्ध सरस दूध और घी से बनी मिठाईयां बेची गई जिनमें उपभोक्ताओं द्वारा अलवर का मिल्क केक और बीकानेर का रसगुल्ला सबसे ज्यादा पसंद किया गया। उन्होंने कहा कि राजस्थान राज्य में डेयरी विकास के क्षेत्र में नवाचारों का यह सिलसिला जारी रहेगा।

मोदी सरकार ने किया बाबा साहेब के सपने को साकार : मदन राठौड़

जयपुर। संविधान दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में देश की राष्ट्रपति का अभिभाषण हुआ जिसमें राज्यसभा सांसद और भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ उपस्थित रहे। इसके बाद भाजपा मुख्यालय में आयोजित कार्यक्रम में प्रदेशाध्यक्ष राठौड़ ने भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे.पी नड्डा का उद्बोधन सुना। बीकानेर हाऊस में उच्च स्तरीय बैठक का आयोजन हुआ। उच्च स्तरीय बैठक में जन सरोकार के विधिक मुद्दों, प्रदेश के विकास और विकसित भारत की संकल्पना जैसे विषयों पर विचार विमर्श हुआ। बैठक में भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुनराम मेघवाल, केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिह शेखावत, भूपेंद्र यादव सहित राजस्थान के सांसद उपस्थित रहे। राठौड़ ने कहा कि संविधान ही आज देश को आगे बढ़ने में कारगर साबित हो रहा है। संविधानसभा के अध्यक्ष के रूप में डॉ. भीमराव अम्बेड़कर ने बहुत अच्छे-अच्छे शब्दों के रूप में संवैधानिक ग्रंथ बनाकर दिया है। 2014 में भारत के प्रधानमंत्री बनने के बाद नरेंद्र मोदी ने 19 नवम्बर 2015 को एक नोटिफिकेशन जारी कर 26 नवम्बर को संविधान दिवस मनाने की घोषणा की थी।

संविधान प्रत्येक नागरिक को समानता और सम्मानपूर्वक जीवन जीने का अधिकार प्रदान करता है : राजदीपक रस्तोगी

अतिरिक्त सॉलिसीटर जनरल राजस्थान उच्च न्यायालय, भारत सरकार के अन्य वकील एवं एनजीओ हेल्प्स की ओर से राजस्थान सेंटर झालाना कें सभगार में 75वां संविधान दिवस कार्यक्रम मनाया गया।

जयपुर। अतिरिक्त सॉलिसीटर जनरल राजस्थान उच्च न्यायालय, भारत सरकार के अन्य वकील एवं एनजीओ हेल्प्स द्वारा 75वां संविधान दिवस कार्यक्रम मनाया गया। आज अतिरिक्त सॉलिसीटर जनरल राजस्थान उच्च न्यायालय राजदीपक रस्तोगी एवं उनके सहयोगी भारत सरकार के अधिवक्ता एवं एनजीओ हेल्प्स के तत्वावधान में 75वां संविधान दिवस का आयोजन राजस्थान इन्टरनेशनल सेन्टर झालाना के सभागार में किया गया। मुख्य अतिथि के रूप में राजस्थान उच्च न्यायालय के न्यायाधिपति समीर जैन एवं विशिष्ठ अतिथि के रूप में न्यायाधिपति अनिल कुमार उपमन उपस्थित रहे।

कार्यक्रम की रूपरेखा पर प्रकाश डालते हुए अतिरिक्त सॉलिसीटर जनरल राजदीपक रस्तोगी ने कहा कि भारत सरकार के अधिवक्ताओं द्वारा संविधान दिवस मनाने का संभवत: राष्ट्र में यह पहला कदम है और वह अपने अन्य सहयोगियों के सहयोग के कारण इस प्रकार का कार्यक्रम पहली बार आयोजित कर रहे हैं और यह भी बताया कि अन्य स्तरों और सरकारी स्तर पर तो कार्यक्रम आयोजित किये जाते हैं परन्तु भारत सरकार के अधिवक्ताओं द्वारा आयोजित यह सम्पूर्ण राष्ट्र में पहला कार्यक्रम है और उन्होंने यह बताया कि भारत के संविधान को 26 नवम्बर 1949 को अंगीकार किया गया था और 75 वर्ष पूर्ण होने पर यह संविधान का अमृत महोत्सव है। रस्तोगी ने प्राचीनकाल में विद्यमान रही न्यायिक व्यवस्थाओं से लेकर वर्तमान में भारत के संविधान के विभिन्न प्रावधानों पर प्रकाश डाला और बताया कि भारत एक ऐसा राष्ट्र है जिसका संविधान प्रत्येक नागरिक को समानता और सम्मानपूर्वक जीवन जीने का अधिकार प्रदान करता है और बिना किसी धर्म, जाति या आर्थिक आधार के समस्त नागरिकों को एक से अवसर प्रदान करने का भी कार्य करता है। संविधान के अनुच्छेद 21 के अन्तर्गत जीवन जीने का अधिकार विषय पर भी प्रकाश डाला गया।

मुख्य अतिथि के रूप में बोलते हुए न्यायाधीश समीर जैन ने संविधान को रामायण और महाभारत के समकक्ष एक पवित्र ग्रन्थ बताया और उसके विभिन्न आयामों पर चर्चा करते हुए वहां उपस्थित वकील समुदाय को आह्वान किया कि इस विषय पर सार्थक चर्चा तब ही हो सकती है जब आपस में मिल बैठकर विचार किया जावे जिस पर भारत सरकार के कई अधिवक्ताओं द्वारा विभिन्न प्रश्न किये गये जिनका उत्तर न्यायाधीश समीर जैन ने दिया। विशिष्ठ अतिथि के रूप में बोलते हुए न्यायाधीश अनिल कुमार उपमन ने संविधान निर्माण के इतिहास पर पकाश डालते हुए संविधान में मौजूद मूलभतू अधिकार और नीति निर्देशक तत्वों के महत्व पर भी प्रकाश डाला और यह भी कहा कि संविधान की रक्षा के लिए न्यायालय सदैव आगे आते रहे हैं और आते रहेंगे जिससे निचले स्तर तक के नागरिक को समान रूप से न्याय मिल सके। एनजीओ हेल्प्स के अध्यक्ष एवं भारत सरकार के वरिष्ठ अधिवक्ता प्रशान्त चतुर्वेदी ने संविधान को एक अत्यन्त महत्वपूर्ण दस्तावेज बताते हुए यह कहा कि किस प्रकार भारत का संविधान अपने आप में एक सम्पूर्ण दस्तावेज है जिसके कारण प्रत्येक नागरिक अपनी बात को स्पष्ट रूप से कहने का अधिकार रखता है आरै उसे अन्य सभी के साथ सम्मानपूर्वक जीवन जीने का अधिकार मिलता हौ कार्यक्रम का संचालन भारत सरकार की वरिष्ठ अधिवक्ता मंजीत कौर द्वारा किया गया एवं कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान के साथ सम्पन्न हुआ।

- **अति.सॉलिसीटर जनरल राजदीपक रस्तोगी ने प्राचीनकाल में विद्यमान रही न्यायिक व्यवस्थाओं से लेकर वर्तमान में भारत के संविधान के विभिन्न प्रावधानों पर प्रकाश डाला**

संविधान के प्रति अश्रद्धा पैदा ना करें : देवनानी

विधानसभाध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने मंगलवार को विधानसभा में संविधान दीर्घा का लोकार्पण किया।

जयपुर। विधानसभाध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने कहा है कि संविधान के प्रति अश्रद्धा पैदा ना करें। संविधान के मूल ढांचे को कोई बदल नहीं सकता है। संविधान के 22 भागों में हमारी संस्कृति और नैतिकता का विवरण है। उन्होंने कहा कि राष्ट्र का प्रत्येक नागरिक संविधान को पढ़ें, उसे जानें और उसके अनुकूल जीवन जीने का प्रयास करें। संविधान हमारी आत्मा और पवित्र ग्रंथ है। यह हमारे जीवन मूल्य व संस्कृति का स्वाभिमान भी है। संविधान सिर्फ एक कानूनी दस्तावेज नहीं है, बल्कि लोकतांत्रिक भारत के लोगों की आकांक्षाओं, मूल्यों और आदर्शों का प्रतिबिम्ब है। देवनानी मंगलवार को विधानसभा में संविधान दिवस पर आयोजित समारोह में राजनैतिक आख्यान संग्रहालय में नवनिर्मित संविधान दीर्घा का लोकार्पण किया। इस संविधान दीर्घा में मूल संविधान के 22 भागों के आरम्भ में दर्शायी गयी कलाकृतियों को प्रदर्शित किया गया है। देवनानी ने बताया कि संविधान दीर्घा का उद्देश्य आमजन और युवाओं में राष्ट्र और राष्ट्र के संविधान का बोध कराने के साथ ही संविधान, सांस्कृतिक और नैतिकता के प्रति जागरुकता लाना है। उन्होंने संविधान दिवस को संविधान निर्माताओं के प्रति श्रद्धाभाव प्रकट करने तथा उनके अविस्मरणीय योगदान के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित करने का स्मरण दिवस बताया है।

विधानसभा में अध्यक्ष वासुदेव देवनानी की पहल पर पहली बार आयोजित संविधान दिवस समारोह में सैकड़ों अधिवक्ता, विधि संस्थानों के छात्र-छात्राओं के साथ ही अन्य नागरिक और विधान सभा के अधिकारियों व कर्मचारियों ने भाग लिया। देवनानी ने अधिवक्ताओं का आवहान किया कि वे संविधान प्रदत्त अधिकारों की पालना कराने में सहयोगी बनें। संविधान की आत्मा और डॉ. अंबेडकर की अपेक्षाओं के अनुरूप आज के समय की आवश्यकता के अनुसार लोगों को शीघ्र न्याय मिले, सस्ता न्याय मिले, संविधान की रक्षा हो, संविधान में निष्ठा हो और हम सभी असवैधानिक कार्यों से बचें। उन्होंने समाज और राष्ट्र हित में कार्य करने के लिए कहा।

देवनानी ने कहा कि संविधान के 22 भागों के मुख पृष्ठ पर भारत की संस्कृति और स्वाभिमान को दिखाती हुई तस्वीरें है। उन्होंने कहा कि इन तस्वीरों में भारत की प्राचीन सम्यता मोहन जोदड़ो से लेकर महाभारत में कुरुक्षेत्र और कृष्ण द्वारा दिए गए गीता के ज्ञान, भगवान श्री राम की लंका विजय, भगवान बद्ध का जीवन चरित्र, महान सम्राट अशोक, उज्जैन के न्यायिप्रय महाराज विक्रमादित्य के राजदरबार, प्राचीन वैदिक गुरुकुल, नालंदा विश्वविद्यालय, भगवान नटराज, रामभक्त हनुमान के साथ ही झांसी की रानी लक्ष्मी बाई, नेताजी सुभाषचन्द्र बोस, छत्रपति वीर शिवाजी और गुरु गोविन्द सिंह को प्रदर्शित किया गया है।

देवनानी ने कहा कि भारत का संविधान विश्व का सबसे लम्बा और लिखित संविधान है। यह हमारे लोकतांत्रिक गणराज्य की नींव है। उन्होंने कहा कि भारत के संविधान का इतिहास उन लाखों भारतीयों के संघर्षों और स्वतंत्र होने की आशाओं में निहित है जो स्वतंत्रता, न्याय एवं समानता के लिए तरस रहे थे। महात्मा गांधी, सुभाष चंद्र बोस, सरदार पटेल, बाबा साहब अंबेडकर, वीर सावरकर जैसे महापुरुषों के नेतृत्व में भारतीय स्वतंत्रता संग्राम ने एक स्वतंत्र और लोकतांत्रिक भारत की प्राप्ति के लिए आशा की चिंगारी जलाई थी।

संसदीय कार्य एवं विधि मंत्री जोगाराम पटेल ने कहा कि विधान सभा जैसे पवित्र स्थल पर पहली बार आयोजित संविधान दिवस समारोह महत्वपूर्ण है। संविधान की मूल भावना जनसेवा है और यह मानव शक्ति का संचार है। भारत का संविधान सशक्त है। इसमें भारत के प्रत्येक नागरिक की आस्था बढी है। नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने कहा कि राष्ट्र की वायु, धरती और पानी पर राष्ट्र के प्रत्येक नागरिक का अधिकार है। राष्ट्र में सभी समान है, इसलिए सभी के लिए एक जैसा विधान है, जिसे संविधान कहते हैं। संविधान के मर्म को गहराई से समझे और अपनी जिम्मेदारी निभायें।

महाधिवक्ता राजेन्द्र प्रसाद ने कहा कि विधान सभा की संविधान दीर्घा और आज के दिवस का सामान्जस्य है। न्याय पालिका, कार्य पालिका और विद्यायिका को मिलकर संविधान का अनुपालन करना चाहिए। संविधान के ज्ञान का प्रसार ही संविधान दिवस का मूल उद्देश्य है। अतिरिक्त महाधिवक्ता बसत छाबा ने कहा कि संविधान की प्रस्तावना में ही संविधान का स्वरूप निहित है। वरिष्ठ अधिवक्ता आर.एन माथुर ने कहा कि अंतिम व्यक्ति को राहत पहुंचाना ही संविधान की अनुपालना है। महिलाओं और बच्चों को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। देवनानी ने अतिथियों को संविधान की प्रक्रिया स्मृति स्वरूप भेंट की। इस मौके पर राजस्थान विधानसभा के सदस्य, पूर्व सदस्य, विशिष्ट सचिव भारत भूषण शर्मा, विशिष्ट सहायक के.के. शर्मा सहित अधिवक्ता, विधि महाविद्यालय के विद्यार्थी और विधानसभा के अधिकारी व कर्मचारी मौजूद थे।

- **विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि संविधान हमारी आत्मा और हमारा पवित्र ग्रंथ**
- **विधानसभा में पहली बार मनाया गया संविधान दिवस**

रामपुर फाटक पर बनेगा ओवर ब्रिज

जयपुर। सांगानेर विधानसभा में लगातार विकास के कार्य हो रहे हैं। उसमें विधायक भजनलाल शर्मा सांगानेर विधानसभा में लगातार सौगातों पर सौगात देने का कार्य कर रहे हैं। इस श्रृंखला में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने रामपुरा फाटक सांगानेर रेलवे स्टेशन पर लगातार यातायात के दबाव और जनता को घंटो रामपुर फाटक पर इंतजार करते देख रामपुरा फाटक पर पुलिया और लो हाइट सबवे बनाने का फैसला लिया है।

'बॉडी बदलाव वाली बसों को सड़क पर चलने की नहीं दे सकते मंजूरी'

जयपुर। हाईकोर्ट ने कहा है कि मोटर वाहन अधिनियम और एआईएस नियमों की अवहेलना कर बॉडी में बदलाव करने वाली बसों को आमजन की सुरक्षा को देखते हुए सड़क पर चलने की अनुमति नहीं दी जा सकती। यदि इन बसों के चलने की छूट दी गई तो इससे ना केवल कानूनी नियमों की अवहेलना होगी, बल्कि यह आमजन की सुरक्षा के लिए भी खतरा होगा। अदालत ने याचिकाकर्ता बस संचालकों को छूट दी कि वे संबंधित परिवहन अधिकारी के यहां से अपनी बसों की बॉडी में बदलाव करने के लिए उन्हें प्राप्त कर सकते हैं, लेकिन नियमों की अवहेलना कर वे बसों का संचालन नहीं कर सकते। जस्टिस अनूप कुमार ढंड ने यह आदेश हरेन्द्र सिंह व अन्य की याचिकाओं पर दिया। अदालत ने स्पष्ट किया कि यदि याचिकाकर्ता बस संचालक तय अवधि में अपनी बसों की बॉडी में बदलाव नहीं कर पाए तो ऐसी स्थिति में विभाग उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई करने के लिए स्वतंत्र है।

संविधान ने हमें समानता का अधिकार दिया : जूली

जयपुर। प्रदेश कांग्रेस के निर्देशानुसार जयपुर शहर जिला कांग्रेस अध्यक्ष आर आर तिवाडी के नेतृत्व में संविधान दिवस 26 नवंबर को प्रदेश कांग्रेस कार्यालय पर विचार गोष्ठी एवं सभा का आयोजन किया गया।

मुख्य अतिथि नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली, मुख्य वक्ता पूर्व अध्यक्ष आरपीएससी बीएम शर्मा, विधायक एवं सचेतक रफीक खान, विशिष्ट अतिथि सत्येंद्र सिंह राघव पूर्व अतिरिक्त महाधिवक्ता एवं ललित तूनवाल, संगठन महासचिव, प्रदेश कांग्रेस आदि ने संबोधित किया।

नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने कहा कि संविधान ने हमें समानता का अधिकार दिया और अपने अधिकारों के लिए लड़ने हेतु कानून बनाया और उन्होंने संविधान दिवस पर सभी कार्यकर्ताओं को शपथ दिलाई। जिला कांग्रेस अध्यक्ष आर आर तिवाडी ने संबोधित करते हुए कहा कि हम सभी को संविधान को पढ़ना चाहिए और इसकी जानकारी प्रत्येक कार्यकर्ता को होनी चाहिए कि संविधान में हमें क्या अधिकार दिए हैं और क्या कर्तव्य हैं।

- **संविधान दिवस पर जिला कांग्रेस ने की विचार गोष्ठी**

प्रोफेसर बी एम शर्मा ने संविधान दिवस पर आयोजित बैठक में संबोधित करते हुए कहा कि हमारे देश का संविधान सबसे अधिक समय में लिखा जाने वाला बड़ा संविधान है और लगभग 106 बार इसमें संशोधन करके आज की परिस्थितियों के अनुसार इसको बनाया गया है जबकि अमेरिका में आज भी सबसे छोटा संविधान है और सबसे कम बार संशोधन किया गया है।

कार्यक्रम में पूर्व मंत्री बृजकिशोर शर्मा, उप नेता प्रतिपक्ष रामकेश मीना, पूर्व सांसद अश्क अली टाक, पूर्व अध्यक्ष समाज कल्याण बोर्ड अर्चना शर्मा, प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महासचिव जसवंत गुर्जर, स्वर्णिम चतुर्वेदी, सचिव अयूब खान, जयपुर शहर जिला कांग्रेस कमेटी पदाधिकारी मोहम्मद सलीम, विनय पाल जादौन, पी डी शर्मा, जगदीश शर्मा, अतुल पारस, हरेंद्र पाल सिंह जादौन, युगल किशोर शर्मा, जावेद सेठी, राजीव चौधरी, रतन सैनी, रोहतास सिंह, राजकुमार शर्मा, कैलाश खारड़ा, रामावतार मोगरा सहित सैकड़ो कार्यकर्ता ब्लॉक अध्यक्ष, मण्डल अध्यक्ष, वार्ड अध्यक्ष, पार्षद, पार्षद प्रत्याशी, पूर्व पार्षद, चारों अग्रिम संगठन सेवादल, महिला कांग्रेस, युवा कांग्रेस एवं एनएसयूआई छात्र संगठन के पदाधिकारी एवं तमाम कांग्रेस कार्यकर्ताओं उपस्थिति थे।

वृद्ध दम्पती को बंधक बनाकर हुई डकैती का खुलासा, छह गिरफ्तार

आरोपियों ने घर की रैकी पीड़ित के घर काम करने वाली महिला नीलम के जरिये की थी

अलवर, (निसं)। शहर की आर्य नगर कॉलोनी में एक वृद्ध दम्पती को बंधक बना कर हुई डकैती का कोतवाली पुलिस ने खुलासा करते हुए एक महिला सहित छह आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। ये सभी आरोपी अपराधिक पृवति के होने के कारण फरारी काट रहे थे।

संजीव नैन जिला पुलिस अधीक्षक अलवर ने बताया कि जांच में सामने आया कि पीड़ित के घर काम करने वाली महिला नीलम ने पूछताछ बताया कि मैने मेरे दोस्त आर्यन को बताया था कि मेरे घर के मालिक नीरज गर्ग अपने परिवार के साथ 6-7 दिन के लिये शादी में शहर से बाहर जा रहे हैं, जिनके घर में पैसा होता है चूंकी नीलम परिवादी के घर पर साफ सफाई का कार्य करती है। आर्यन अन्य आरोपियों के साथ हांसी में मारपीट, हत्या के प्रयास मुकदमे में वांछित होने के कारण फरारी काट रहे थे। इस कारण आरोपियों को पैसे की जरुरत थी। आरोपी घटना कारित करने के उद्धेश्य से पहले सभी गुडंगावा में एक जगह इक्टठा हुए और वारदात के लिये प्लानिंग की व 20 नवंबर को सभी अपने एक साथ मोबाइल बन्द कर

- **सभी आरोपी अपराधिक पृवति के होने के कारण फरारी काट रहे थे, इस कारण रुपयों की जरुरत थी**

वारदात करने के लिये अलवर आ गये। जहां आर्यन ने परिवादी के घर की रैकी आरोपीया नीलम की मदद से की। तत्पश्चात सभी अपने साथ लाये कार में बैठकर रेल्वे स्टेशन के सामने जाकर खड़े हुए और योजना के अनुसार गाड़ी व ड्राईवर को रेल्वे स्टेशन पर छोड़ कर वहां से ई-रिक्शा के माध्यम से भगत सिंह चौराहा पहुंचे। वहां से पैदल परिवादी के घर (घटना स्थल) पर पहुंचे और घटना को अंजाम दिया। चुंकि आरोपिया नीलम द्वारा अन्य आरोपियों को घटना स्थल के संबंध में सम्पूर्ण जानकारी दे दी गई थी एंव उन्हें यह भी मालूम था कि घर के बैसमेन्ट के दरवाजा खुला हुआ है, जिससे बिना किसी संघर्ष के आसानी से आरोपी घटना स्थल में दाखिल हो गये।

आरोपियों की गिरफ्तारी व तलाश हेतु टीमे गठित कर तकनिकी एवं आसूचना संकलन कर मुखबीर से प्राप्त सूचना के आधार पर आरोपियों की गिरफ्तारी की गई। गिरफ्तार आरोपियों में सुजल वाल्मिकी, सचिन वाल्मिकी, ऋषि वाल्मिकी, हन्नु वाल्मिकी, आर्यन वाल्मिकी सभी आरोपी चारकुतबगेट हांसी सिटी जिला हिसार हरियाणा के रहने वाले हैं, जबकि कुमारी नीलम उर्फ कंचन पुत्री अशोक जाटव निवासी मेव बोर्डिंग के पीछे, अलवर थाना कोतवाली अलवर की रहने वाली है। सभी आरोपियों का आपराधिक रिकॉर्ड प्राप्त किया जा रहा है।

अवैध खनन पर कार्रवाई करने गई टीम पर हमला, तीन गिरफ्तार

भीलवाड़ा, (निसं)। जिले के बागोर थाना क्षेत्र के पुरानी अमरगढ़ स्थित कोठारी नदी में अवैध बजरी खनन की शिकायत पर पहुंची टीम पर हमला कर वाहन में तोड़फोड़ करने के मामले में पुलिस ने छह आरोपियों को गिरफ्तार किया है। जानकारी के अनुसार, वारदात की रिपोर्ट बागौर पटवारी दिनेशचंद्र कुमावत ने दर्ज करवाई थी।

घटना के अनुसार, पुरानी अमरगढ़ में बुधवार रात कोठारी नदी में अवैध रूप से बजरी खनन व परिवहन की सूचना पर बागौर पटवारी दिनेशचंद्र कुमावत, लेसवा पटवारी कमल किशोर, अमरगढ़ पटवारी चंद्रमोहन मीणा व बोलेरो चालक जसराज कुमावत के साथ कोठारी नदी पहुंचे,

- **पुलिस हमला करने के अन्य आरोपियों को तलाश कर रही है**

जहां तीन ट्रैक्टर-ट्रॉलियों में बजरी भरी मिली। मौके पर तीनों ट्रैक्टरों के साथ तीन-तीन आदमी थे। ट्रैक्टर चालकों से रवन्ना के बारे में पूछा, लेकिन कोई संतोषप्रद जवाब नहीं दे पाये। माफियाओं ने फोन कर साथियों को बुलवा लिया। मोटरसाइकिल पर सवार होकर कई लोग कोठारी नदी पहुंचे और बोलेरो पर पथराव शुरू कर दिया। इससे पटवारी दिनेशचंद्र के हाथ पर चोटें आई। तीनों पटवारी किसी तरह जान बचाकर थाने पहुंचे। यह बोलेरो खनिज विभाग ने उपलब्ध करवाई थी।

पटवारी की रिपोर्ट पर बागौर पुलिस ने केस दर्ज किया। इस मामले में पुलिस ने जांच करते हुए पुरानी अमरगढ़ निवासी रतन लाल (38) पुत्र जगदीशचंद्र जाट, मालपुरा निवासी कन्हैयालाल (20) पुत्र कस्तुर भील, नई अमरगढ़ निवासी सोनू (22) पुत्र बाबूलाल कीर, पुरानी अमरगढ़ निवासी ललित (25) पुत्र रामेश्वर लाल जाट, मुकेश (29) पुत्र रामेश्वर जाट, राजमल उर्फ राजू (27) पुत्र रामेश्वर लाल जाट को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस हमले के अन्य आरोपियों को सरगर्मी से तलाश कर रही है।

पुलिस टीम पर हमला करने के मामले में सात गिरफ्तार

सूरजगढ़, (निसं)। दो दिन पहले परसा का बास भुडनपुरा में रात को अवैध शराब के खिलाफ कार्रवाई करने गई पुलिस पर हुए हमले के मामले में दो महिलाओं समेत सात गिरफ्तार आरोपियों को मंगलवार को पुलिस ने कोर्ट में पेश किया, जहां से सभी को जेल भेज दिया। दूसरी तरफ मंगलवार से ग्रामीणों ने थाने के बाहर धरना शुरू कर दिया। ग्रामीणों की मांग की है कि अवैध शराब के खिलाफ कार्रवाई के नाम पर शराब के नशे में धुत्त पुलिसकर्मियों ने महिलाओं के साथ अभद्रता की, उन सभी पुलिसकर्मियों के खिलाफ कार्रवाई की जाए, जिन लोगों को पुलिस ने पकड़ रखा है उन्हें छोड़ा जाए और एसएचओ सुखदेव सिंह को थाने से हटाया जाए। इस मामले में ग्रामीणों ने बुधवार को एसपी से मिलकर अपना पक्ष रखने की बात भी कही है।

इस मौके पर धरने पर बसपा के चूरू जिलाध्यक्ष देईराम मेघवाल, कैलाशदास महाराज सारी, सोहन चौहान, बजरंग चौहान, राजू चौहान, दलीप चौहान, रोताश रांगेरा, चुन्नीलाल चौहान, मोहरसिंह चौहान, कृष्ण चौहान, सिंगराम चौहान, ममता, विनोद, मनीषा, राजबाला, संतरा, पिंकी, चंद्रकला, सुमित्रा, पूजा, माया, मंजू इत्यादि उपस्थित रहे। जानकारी के अनुसार पुलिस ने इस मामले में संजोग उर्फ मोनू, हरिश, सुमेरसिंह, सुनिल, संदीप मंजू पत्नी

ग्रामीणों ने मांगों को लेकर थाने के बाहर धरना शुरू कर दिया।

- **गिरफ्तार सातों आरोपियों को जेल भेजा, ग्रामीणों ने धरना शुरू किया**
- **परसा का बास भुडनपुरा में अवैध शराब के खिलाफ कार्रवाई करने गई थी पुलिस**

हवासिंह तथा सुशीला पत्नी सुमेरसिंह को राजकार्य में बाधा और पुलिस पर हमला करने के मामले में गिरफ्तार किया था। इन सभी को कोर्ट ने जेल भेज दिया है।

एसएचओ सुखदेव सिंह ने बताया कि पुलिस को सूचना मिली थी कि परसा का बास भुडनपुरा में हवासिंह मेघवाल अवैध शराब बेच रहा है। पुलिस की टीम ने हवासिंह को अवैध शराब के साथ पकड़ भी लिया था। लेकिन जैसे ही उसे गाड़ी में बैठाने लगे तो उसके आवाज लगाने पर उसके परिवार के लोग आ गए, जिन्होंने पुलिस पर पत्थरों, लाठियों और ईंटों से हमला कर दिया। जिसके बाद आरोपी हवासिंह को छुड़वा ले गए और मौके पर मिली अवैध शराब भी ले गए। पुलिसकर्मियों ने जैसे-तैसे अपनी जान बचाई। उन्होंने बताया कि हवासिंह पर कुछ साल पहले भी अवैध शराब बेचने का मामला दर्ज है। पुलिस को कई दिनों से मुखबिर से इत्तला मिल रही थी कि हवासिंह मेघवाल घर के एक कमरे में अवैध शराब का स्टाक रखकर उसका अवैध बेचान करता है। मामले में मुख्य आरोपी हवासिंह व अन्य नामजद आरोपी अभी भी फरार चल रहे है। जिनकी तलाश पुलिस कर रही है।

इधर, धरना स्थल पर आई कुछ महिलाओं ने बताया कि वे शादी में हिस्सा लेने के लिए परसा का बास भुडनपुरा आई थी, जहां पर पुलिस ने उनके साथ पहले अभद्रता की और इसके बाद जबरदस्ती उन्हें उठाकर थाने ले आए। जहां पर बेरहमी के साथ उनके साथ मारपीट की। वहीं ग्रामीणों ने बताया कि अभी भी पुलिस ने उनके परिवार के लोगों को पकड़ रखा है। जिनके साथ मारपीट कर रहे हैं, जिन्हें पुलिस यदि जल्दी नहीं छोड़ती है तो आंदोलन को तेज किया जाएगा।

सुखदेव सिंह, एसएचओ, सूरजगढ़ का कहना है कि सभी गिरफ्तार आरोपियों को कोर्ट में पेश किया गया है, जहां से उन्हें जेल भेज दिया है। मुख्य आरोपी हवासिंह मेघवाल व अन्य आरोपी फरार है। जिनकी तलाश की जा रही है। पुलिस ने घटना वाले दिन अवैध शराब के साथ हवा सिंह को पकड़ा था। पुलिस पर हमला करके हवासिंह को छुड़वाया गया और पकड़ी गई शराब भी आरोपी ले गए। परिवार की तरफ से अभी कोई लिखित रिपोर्ट नहीं मिली है। रिपोर्ट मिलेगी तो जांच भी करेंगे और कार्रवाई भी करेंगे।

जिला स्तरीय प्रदर्शनी एवं संगोष्ठी

जयपुर। संविधान दिवस के अवसर पर जिला सूचना एवं जनसंपर्क कार्यालय, जयपुर के तत्वावधान में जिला स्तरीय प्रतियोगिता एवं संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

एसएसजी पारीक पीजी कॉलेज के सभागार में आयोजित कार्यक्रम में अतिरिक्त कलक्टर देवेन्द्र कुमार जैन ने बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की। अतिथियों एवं युवाओं ने सभागार में प्रदर्शित फोटो प्रदर्शनी का अवलोकन किया तथा संविधान निर्माण करने वाले तथा इसमें योगदान देने वाले देश के पुरोधाओं को याद किया। इस अवसर पर विषय विशेषज्ञ धमेन्द्र चौधरी एवं सुप्रिया अग्रवाल ने विद्यार्थियों को भारत के संविधान की बारीकियों और विशेषताओं से रूबरू करवाया।

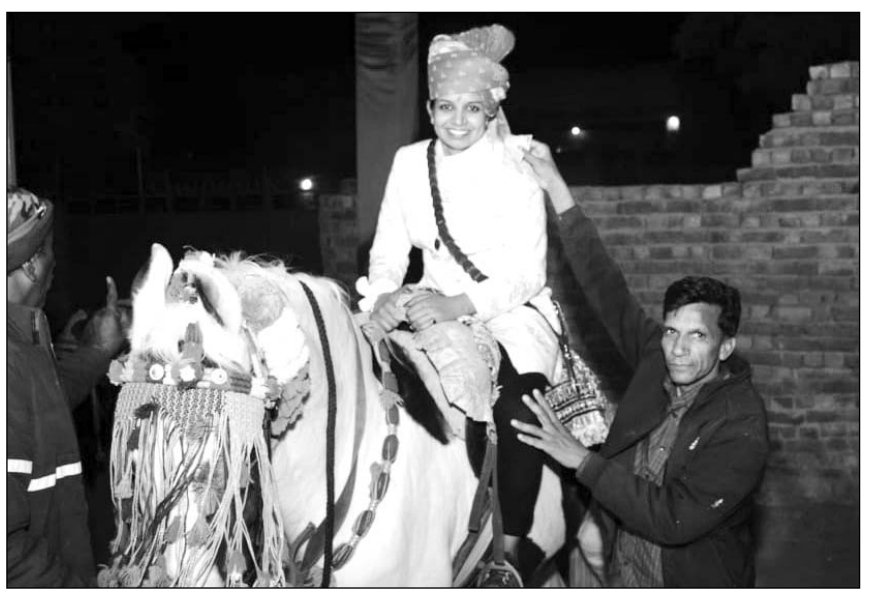

झुंझुनूं : बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ अभियान को लेकर मुकुंदगढ़ थानाधिकारी अभिलाषा ने बड़ा संदेश दिया है। राजगढ़ के रतनपुरा निवासी शिक्षक हरफूलसिंह सुंडा ने अपनी बेटी मुकुंदगढ़ थानाधिकारी अभिलाषा की शादी में घोड़ी पर चढ़ाकर बिंदौरी निकाली। इस दौरान थानाधिकारी अभिलाषा ने ना केवल बेटी बचाने और बेटी पढ़ाने का संदेश दिया। बल्कि उन्होंने घोड़ी से उतरकर परिजनों के साथ डांस भी किया। गौरतलब है कि मुकुंदगढ़ थानाधिकारी अभिलाषा मंगलवार को सरदारशहर निवासी सब इंस्पेक्टर मुकेश कुमार के साथ परिणय सूत्र में बंध गई है। इस दौरान अभिलाषा की दादी मामकोर देवी, माता शारदा देवी, भाई निरंजन और विपिन समेत अन्य मौजूद रहे।

नकबजनी व लूट की कालबेलिया गैंग का फर्दाफाश, दो गिरफ्तार

कालबेलिया गैंग ने चालीस से अधिक वारदातें करना कबूल किया

मालपुरा, (निस) मालपुरा उपखण्ड क्षैत्र के विभिन्न ग्रामीण क्षैत्रों में लगातार एक के बाद एक नकबजनी व लूटपाट की हुई घटनाओं को गंभीरता से लेते हुये लाम्बाहरिसिंह व डिग्गी थाना पुलिस ने संयुक्त रूप से कार्रवाई करते हुये नकबजनी व लूट की अंतर जिला कालबेलिया गैंग का फर्दाफाश किया है। पलिस ने दो अभियुक्तों को गिरफ्तार कर चालीस से अधिक वारदातों का खुलासा किया।

पुलिस उपाधिक्षक आशीष प्रजापत ने बताया कि एक ही तरीके से लूट व नकबजनी की हुई वारदातों को गंभीरता से लेते हुये विशेष टीमों का गठन किया गया। दोनों ही थानाधिकारियों की टीम ने कालबेलिया गैंग के बारे में महत्वपूर्ण सुराग जुटाये। जिस पर उक्त गैंग द्वारा टोंक, केकड़ी, अजमेर, दूदू, बूंदी जालोर, भीलवाड़ा आदि जिलों में चालीस से अधिक वारदातें होना सामने आया। जिस पर पुलिस टीम ने गैंग के सदस्य सूरज कालबेलिया पुत्र राजू कालबेलिया पुर्नवास कॉलोनी बंथली व रामस्वरूप पुत्र मिट्ठू कालबेलिया

पुलिस ने कालबेलिया गैंग के दो सदस्यों को गिरफ्तार किया।

निवासी रूपाहेली थाना लाम्बाहरिसिंह तहसील मालपुरा को दस्तयाब किया गया। दोनों से की गई पूछताछ मे बताया कि उन्होंने अपनी गैंग के अन्य सदस्यों के साथ चालीस से अधिक वारदातें की।

थानाधिकारी ने बताया कि गैंग के दोनों सदस्य आपस में रिश्तेदार है। दोनों स्थानीय सदस्यों द्वारा फेरी लगाकर चटाई, चीनी के बर्तन व अन्य घरेलू सामान घर-घर बैचने की आड़ में रैकी कर सुनसान स्थान व बुजुर्ग महिला-पुरूष जो कि सोने के आभूषण पहने हो घर व बाड़े में अकेले सोते हो ऐसे स्थानों को चिन्हित कर रात के समय वारदातों को अंजाम देते थे। घटना में बाइक व चौपहिया वाहन उपयोग में लेते थे। दोनों अभियुक्तों ने एक दर्जन से अधिक सोने की मुर्कियां व दस से अधिक सोने की नथ, आधा दर्जन से अधिक सोने के टॉपस व कान के झेला

- **फेरी लगाकर चटाई, चीनी के बर्तन व अन्य घरेलू सामान घर-घर बैचने की आड़ में रैकी करते थे**

सहित एक लाख रूपयों की नगदी, मोटरसाइकिल, मोबाइल, हाथों के कड़े, लहसून व प्याज की बोरी, चांदी के बर्तनों सहित कुल 42 वारदातें करना कबूल किया। उक्त वारदातों में चोरी का सामान व लूट के आभूषण बरामद करने के लिये अभियुक्तों से गहन पूछताछ की जा रही है।

जिंदा युवक के पोस्टमार्टम का मामला: चिकित्सा विभाग की टीम झुंझुनूं पहुंची

झुंझुनूं, (निसं)। मां सेवा संस्थान द्वारा संचालित मानसिक विमंदित पुनर्वास केंद्र में रहने वाले एक मानसिक विमंदित युवक की जिंदा रहते हुए कागजी पोस्टमार्टम करने और उसके बाद हुई उसकी मौत के मामले में लगातार जांच जारी है। मंगलवार को राजस्थान हाईकोर्ट के आदेश पर चिकित्सा विभाग द्वारा गठित एक विशेष टीम झुंझुनूं के राजकीय जिला बीडीके अस्पताल पहुंची।

जोनल डायरेक्टर डॉ. नरोत्तम शर्मा की अगुवाई में आई चार सदस्यी टीम के सदस्यों ने करीब पांच से साढ़े पांच घंटे तक राजकीय जिला बीडीके अस्पताल में ठहरकर इस प्रकरण के सभी दस्तावेज, सीसीटीवी फुटेज और अन्य चीजें ली। इसके अलावा प्रकरण से जुड़े पीएमओ डॉ. संदीप पचार, युवक को जिंदा रहते हुए मृत घोषित करने वाले डॉ. योगेश जाखड़ तथा कागजी पोस्टमार्टम करने वाले डॉ. नवनीत मील के अलावा इलाज के समय मौजूद सभी नर्सिंगकर्मी और मोर्चरी के कर्मचारियों से पूछताछ की। उनके बयान नोट किए। वहीं लिखित में उनसे जानकारी एकत्रित की। जानकारी के मुताबिक इस प्रकरण सारी जानकारी बारीकी से हासिल करने के बाद यह टीम वापिस जयपुर लौट गई। बताया जा रहा है कि इस प्रकरण की पूरी रिपोर्ट जल्द ही टीम हाईकोर्ट में प्रस्तुत करेगी। इधर, इस टीम के आने के बाद बीडीके अस्पताल में हड़कंप मचा रहा।

जानकारी के अनुसार मां सेवा संस्थान को लेकर भी लगातार माकपा समेत अन्य संगठन जांच की मांग उठा रहे है। साथ ही ये संगठन आरोप लगा रहे हैं कि संस्थान के द्वारा संचालित गृह में मृतक युवक के साथ भी मारपीट की गई थी और अन्य मानसिक विमंदितों को भी प्रताड़ित किया जाता है। चर्चा है कि कल जयपुर से सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग की टीम ने भी गृह का दौरा कर निरीक्षण किया और जांच रिपोर्ट तैयार की। वहीं संस्था संचालक विभिन्न मीडिया प्रतिनिधियों से बातचीत में सभी आरोपों को नकार रहे है।

शराब के साथ दो तस्कर गिरफ्तार

डूंगरपुर, (निसं)। बिछीवाड़ा थाना पुलिस ने एक कंटेनर से अवैध हरियाणा निर्मित शराब के साथ 2 तस्करों को गिरफ्तार किया है। गुजरात से सटे राजस्थान के रतनपुर बॉर्डर पर कंटेनर पकड़ा। परचून के सामान की आड में शराब की तस्करी हो रही थी।

बिछीवाड़ा थानाधिकारी ने बताया कि अवैध शराब तस्करी के खिलाफ अभियान चलाया जा रहा है। इसी के तहत मुखबिर की सूचना पर राजस्थान-गुजरात के रतनपुर बॉर्डर पर नाकेबंदी कर गाड़ियों की तलाशी शुरू कर दी। इस दौरान पुलिस ने उदयपुर की ओर से आ रहे एक कंटेनर को रुकवाया। ड्राइवर से पूछताछ की तो उसने परचून का सामान भरा होना बताया। पुलिस को शक होने पर कंटेनर की तलाशी ली गई। इस दौरान सामान के आड़ में ही अवैध शराब की पेटियां भरी हुई मिली। ड्राइवर हरियाणा निर्मित अंग्रेजी शराब को लेकर कोई जवाब नहीं दे सका, जिस पर पुलिस ने कंटेनर को जब्त कर शराब की पेटियों को उतरा। पुलिस ने कंटेनर से 175 पेटी शराब जब्त की है। जिसे तस्करी कर गुजरात ले जा रहे थे। थानाधिकारी ने बताया कि पुलिस ने शराब तस्करी कर रहे असमिल उर्फ राहुल पुत्र इजराइल खान निवासी ग्लासनिया का बास थाना फिरोजपुर झिरखा थाना नुहू हरियाणाए दर्शन पुत्र दौलतराम मेघवाल निवासी पाटन उदयपुरी थाना फिरोजपुर झिरखा नूंहु हरियाणा को गिरफ्तार कर लिया है।

फायनैंस कर्मचारियों से 14 हजार की लूट

डूंगरपुर, (निसं)। बिछीवाड़ा थाना क्षेत्र में नेशनल हाईवे-48 पर फाइनेंस कर्मचारियों के साथ लूट का मामला सामने आया है। बाइक सवार बदमाशों ने चाकू दिखाकर डराया। फाइनेंस कर्मचारियों ने बदमाशों से बचाव का प्रयास किया, लेकिन बदमाश 14 हजार रुपए से भरा बैग लूटकर फरार हो गए। फिलहाल पुलिस बदमाशों की तलाश कर रही है।

बिछीवाड़ा थाने के एसआई ने बताया कि रवि गुप्ता पुत्र साहेब गुप्ता निवासी महीहर मध्य प्रदेश ने रिपोर्ट दर्ज करवाई है। रिपोर्ट में बताया कि वह क्रेडिट एक्सेस ग्रामीण लिमिटेड में काम करता है। सोमवार को वह और उसका साथी रतनलाल पुत्र चंदराम मेघवाल निवासी कोटपुतली जयपुर दोनों सोमवार सुबह के समय फाइनेंस की रिकवरी करने निकले थे। कनबई, शेरावाडा, मालीफला, बौखला से शेरावाडा आए। शेरावाडा में चाय पीकर वापस बिछीवाड़ा की ओर जा रहे थे। एनएच-48 होटल के सामने ब्रिज पर एक बाइक पर दो युवक आए।

पीछे बैठे युवक ने चलती बाइक से उस पर चाकू मारने का प्रयास किया। जिस पर रतनलाल ने हेलमेट निकलकर खुद का बचाव करने का प्रयास किया। इस दौरान उनकी बाइक का बैलेंस बिगडकर डिवाइडर से टकराकर सर्विस लेन में गिर गए। इससे दोनों को गंभीर चोटें आईं। बदमाशों ने उनके पास से रुपयों से भरा बैग लूट लिया और उदयपुर की ओर भाग गए। बैग में रिकवरी के रुपए थे। वहीं एक टैबलेट था, जिसे बदमाश ले गए। दोनों घायलों को अस्पताल में भर्ती करवाया है। पुलिस लूटपाट करने वाले दोनों बदमाशों की तलाश कर रही है।

काजड़ा गांव में शहीद विनोद सिंह शेखावत का सम्मान के साथ अंतिम संस्कार

बेटियों ने किया पिता को सेल्यूट, हमारे पापा पर गर्व है, देश के लिए जान दी

सूरजगढ़, (निसं)। काजड़ा गांव के रहने वाले सेना के जवान विनोद सिंह शेखावत शहीद हो गए। मंगलवार को सम्मान के साथ उनका अंतिम संस्कार किया गया। सुबह उनकी पार्थिव देह सूरजगढ़ पहुंची, जहां से तिरंगा यात्रा के साथ पार्थिव देह उनके गांव काजड़ा स्थित निवास पर ले जाई गई। रास्ते में जेसीबी से फूल बरसाए गए। यहां पर अंतिम दर्शनों के बाद उनका अंतिम संस्कार किया गया।

सीएम भजनलाल शर्मा की ओर जिला कलेक्टर रामावतार मीणा ने पुष्प चक्र अर्पित किया। इस मौके पर भाजपा प्रदेश महामंत्री एवं पूर्व सांसद संतोष अहलावत, जिला कलेक्टर रामावतार मीणा व एसपी शरद चौधरी, विधायक श्रवण कुमार, सरपंच मंजू तंवर, पूर्व विधायक जेपी चंदेलिया, पूर्व चेयरमैन हीरालाल, जिला व्यापार संघ अध्यक्ष सेवाराम गुप्ता, छैलूराम भड़िया, मंजीत तंवर पीओ ममता यादव, कर्नल बलराज पूनियां, नायब सूबेदार विक्रम सिंह शेखावत, सैनिक कल्याण बोर्ड

सेना के अधिकारियों व कलेक्टर ने बेटियों तथा पुत्र को शहीद की सेना की ड्रेस तथा तिरंगा भेंट किया।

ऑफिसर झुंझुनूं कर्नल सुरेश जांगिड़, वेलफेयर ऑफिसर चिड़ावा जयकरण डांगी ने पुष्पचक्र अर्पित किए और कहा कि परिवार के साथ पूरा प्रशासन खड़ा है। सभी पैकेज परिवार को दिलवाए जाएंगे। भाजपा की प्रदेश महामंत्री पूर्व सांसद संतोष अहलावत ने भी श्रद्धासुमन अर्पित कर सरकार की तरफ से हर संभव मदद का आश्वासन दिया। बेटी नैंसी और खुशी ने अपने पिता की शहादत पर गर्व होने की बात कही। वहीं 10 साल के बेटे राज्यवर्धन ने मुखाग्नि दी। गांव में गमगीन माहौल रहा।

जनप्रतिनिधियों ने कहा कि विनोद सिंह की शहादत पर सभी को गर्व है। सेना से आए अधिकारियों व जिला कलेक्टर ने दोनों बेटियों तथा पुत्र को शहीद की सेना की ड्रेस तथा

- **सीएम भजनलाल शर्मा की ओर जिला कलेक्टर रामावतार मीणा ने पुष्प चक्र अर्पित किया**

तिरंगा भेंट किया गया। इससे पहले जब पार्थिव देह पहुंची और वीरांगना सुमन कंवर को अंतिम दर्शन के लिए लाया गया तो वीरांगना सुमन कंवर पार्थिव देह के लिपट गई। यह देखकर सभी लोग भावुक हो गए। वहीं बेटियां भी जिला सैनिक कल्याण अधिकारी से लिपटकर अपने पिता को वापिस लाने के लिए रोते-रोते चिल्ला पड़ी। सेना से आए अधिकारियों ने बताया कि 23 नवंबर को रात 11:40 बजे सर्विलांस ड्यूटी के दौरान तबीयत बिगड़ी थी। उन्हें इम्फाल (मणिपुर) स्थित शिजा हॉस्पिटल एंड रिसर्च इंस्टीट्यूट ले जाया गया था। वहां रात करीब 2:30 बजे उन्होंने अंतिम सांस ली थी।

शहीद विनोद सिंह शेखावत की पार्थिव देह पहुंचने पर चिड़ावा-लोहारू बाईपास स्थित काजड़ा चुंगी नाका पर बड़ी संख्या में युवा शहीद की अगवानी के लिए जुटे। बाइकों से तिरंगा यात्रा निकाली गई। काजड़ा के विनोद सिंह पुत्र जगमाल सिंह 2004 में भारतीय सेना में भर्ती हुए थे। वे सेना की इन्फैंट्री बटालियन 2 महार रेजिमेंट में हवलदार के पद पर तैनात थे। जवान विनोद सिंह के चार भाई हैं। उनके एक बेटा और दो बेटी हैं। पत्नी सुमन कंवर बच्चों की पढ़ाई के कारण जयपुर में रहती हैं। शहीद विनोद सिंह शेखावत की बड़ी बेटी नैंसी 11वीं, छोटी बेटी खुशी 9वीं और बेटा राज्यवर्धन सिंह शेखावत छठी कक्षा में पढ़ता है। नैंसी ने काजड़ा से 10वीं कक्षा पास की थी, जिसके बाद जुलाई में तीनों बच्चे आगे की पढ़ाई के लिए जयपुर शिफ्ट हो गए थे। उनके साथ विनोद की पत्नी सुमन कंवर भी जयपुर ही शिफ्ट हो गई। शहीद के माता-पिता का पहले ही निधन हो चुका है। गांव में विनोद सिंह के 4 भाई अपने परिवारों के साथ रहते थे।

मैदान पर रोमांच से मैदान के बाहर के शानदार पलों तक दिल्ली कैपिटल्स के साथ सफर अद्भुत रहा है। इस सफर की कभी मैंने कभी कल्पना भी नहीं की थी। मैं एक युवा के रूप में यहां आया था और पिछले 9 सालों में हम एक साथ बढ़ा हैं। - ऋषभ पंत

भारतीय बल्लेबाज, दिल्ली फ्रेंचाइजी टीम को अलविदा कहते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

वैभव सूर्यवंशी

मेगा ऑक्शन में करोड़पति बने 13 साल के वैभव सूर्यवंशी को कार्टून देखने की आदत थी। उनके पिता संजीव ने बताया कि क्रिकेट में जुनून बढ़ा तो वैभव ने डोरेमोन देखना छोड़ दिया। वैभव बिहार में समस्तीपुर जिले के छोटे से गांव मोतीपुर के रहने वाले हैं। ऑक्शन में वैभव को 1.10 करोड़ रुपए की कीमत देकर राजस्थान रॉयल्स ने खरीदा। इसी के साथ वह इतिहास के सबसे युवा करोड़पति बने। उनसे पहले प्रयास रे बर्मन 16 साल की उम्र में करोड़पति बने थे। पिता ने क्रिकेटर बनाने के लिए जमीन बेची संजीव सूर्यवंशी ने को बताया, वो सिर्फ हमरा बिटवा नहीं, पूरे बिहार का बिटवा है।

क्या आप जानते हैं ?... ऑस्ट्रेलिया एकमात्र देश है जिसे अपने पहले ही टेस्ट मैच में जीत मिली, जबकि इंग्लैंड और पाकिस्तान ही ऐसे दो देश है जिन्हें दूसरे टेस्ट में जीत मिली।

एडीलेड टेस्ट के लिये टीम में बदलाव नहीं करेगा ऑस्ट्रेलिया, मार्श की फिटनेस पर नजरें : मैकडोनाल्ड

पर्थ, 26 नवम्बर। आस्ट्रेलिया के कोच और चयनकर्ता एंड्रयू मैकडोनाल्ड ने कहा है कि पहले टेस्ट में भारत के हाथों 295 रन से हारने वाली टीम में कोई बदलाव नहीं किया जायेगा हालांकि हरमनमौला मिचेल मार्श की फिटनेस को लेकर चिंतायें हैं। मैकडोनाल्ड ने बताया कि उनकी टीम छह दिसंबर से शुरू हो रहे दिन रात के टेस्ट के लिये पूर्व निर्धारित कार्यक्रम से पहले ही एडीलेड पहुंचेंगी ताकि अतिरिक्त अभ्यास कर सके।

उन्होंने क्रिकेट डॉट कॉम डॉट एयू से कहा,'' पर्थ टेस्ट के लिये जो लोग चेंज रूम में थे, वही एडीलेड में भी होंगे। बदलाव करने पर हमेशा विचार होता है लेकिन हालात के अनुसार टीम चुनी जाती है।'' सितंबर में

इंग्लैंड के सीमित ओवरों के दौरे के बाद से फिटनेस समस्या से जूझ रहे मार्श ने पहले टेस्ट में सिर्फ 17 ओवर डाले और तीन विकेट लिये। मैकडोनाल्ड ने कहा,'' मुझे नहीं लगता कि पहले टेस्ट में उसका प्रदर्शन संतोषजनक नहीं था। हमें उसकी फिटनेस पर नजर रखनी होगी।'' पिछली दस टेस्ट पारियों में 13 . 66 की औसत से ही रन बना सके मार्नस लाबुशेन का बचाव करते हुए उन्होंने कहा, खिलाड़ियों के कैरियर के उतार चढाव पर लगातार बात होती रहती है।

खराब दौर आते हैं लेकिन वह जल्दी ही फॉर्म में लौटेगा। हमें उसकी क्षमता पर यकीन है। वह ऐसा खिलाड़ी है जिसकी हमें जरूरत है।'' करारी हार के बावजूद उन्होंने कहा कि टीम का मनोबल मजबूत है। उन्होंने कहा, '' हमें इस हार की जिम्मेदारी लेनी होगी। हम कोचों को भी। इस हार के बावजूद टीम का मनोबल ऊंचा है।हमारी रणनीति सही थी लेकिन उस पर अमल नहीं हो सका।

वेंकटेश को टीम में रखना हमारी प्राथमिकता में शामिल था इसलिए पूरा जोर लगा दिया : ब्रावो

जेद्दा, 26 नवम्बर। कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के मेंटर और वेस्टइंडीज के पूर्व ऑलराउंडर ड्वेन ब्रावो ने आईपीएल खिताब जीतने वाली टीम के 'मुख्य खिलाड़ियों' को बरकरार रखने के इरादे से वेंकटेश अय्यर को अपने साथ जोड़ने के लिए 'पूरी ताकत लगाने' की टीम की रणनीति का बचाव किया है।

केकेआर के लिए कप्तानी के संभावित दावेदार के रूप में देखे जाने वाले वेंकटेश को टीम के साथ जोड़ने ने आलोचनाओं को जन्म दिया है कि अगर उन्हें नेतृत्व दिया जाना टीम प्रबंधन की योजना का हिस्सा था तो उन्हें रिटेन (टीम के साथ बरकरार रखना) क्यों नहीं किया गया। चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) के साथ चार आईपीएल खिताब जीतने वाले ब्रावो ने कहा,''वैंकी (वेंकटेश अय्यर) को जोड़ना हमारे लिए मुख्य प्राथमिकताओं में से एक था, जैसा कि आप देख सकते हैं हमने उसके लिए पूरा जोर लगा दिया।''

उन्होंने कहा, ''यह अच्छा है हमारे पास चैंपियनशिप जीतने वाली टीम के 90 प्रतिशत खिलाड़ी हैं। यह अपने आप में सकारात्मक संकेत है।'' ब्रावो ने कहा, ''जब आप शुरू से टीम तैयार करते हैं तो यह महत्वपूर्ण है कि आप अपने मुख्य खिलाड़ियों को बरकरार रखें, संयोजन तैयार करना काफी जटिल होता है।''

भारत के लिए नौ टी20 अंतरराष्ट्रीय और दो एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय खेलने वाले मध्य प्रदेश के 29 वर्षीय ऑलराउंडर वेंकटेश को केकेआर ने 23.75 करोड़ रुपये में खरीदा।

वह सोमवार को यहां संपन्न दो दिवसीय आईपीएल नीलामी में तीसरे सबसे महंगे खिलाड़ी बने। सिर्फ ऋषभ पंत (लखनऊ, 27 करोड़) और श्रेयस अय्यर (पंजाब, 26.75 करोड़ रुपये) के लिए उनसे अधिक बोली लगी। ब्रावो तूफानी तेज गेंदबाज उमरान मलिक के केकेआर से जुड़ने को लेकर भी रोमांचित हैं। उन्होंने कहा, ''वह जिस गति से गेंदबाजी करता हैं, मैं हमेशा उसकी सराहना करता हूं। उसकी कड़ी मेहनत, ऊर्जा और सभी चीजें। खुशी है कि हम उसे अपने साथ जोड़ पाए।

51वीं राज्य स्तरीय शर्मा-माथुर क्रिकेट प्रतियोगिता

पीयूष की घातक गेंदबाजी से मिनर्वा क्लब की आसान जीत

जयपुर, 26 नवम्बर। बनीपार्क क्रिकेट क्लब द्वारा आयोजित 51वीं राज्य स्तरीय शर्मा-माथुर क्रिकेट प्रतियोगिता के अन्तर्गत आज नैना क्रिकेट एकेडमी ग्राउण्ड जगतपुरा में खेल गये उद्घाटन मुकाबले में पीयूष सैनी 26 रन पर 4 विकेट की शानदार गेंदबाजी की बदौलत मिनर्वा क्रिकेट क्लब ने मैत्री क्रिकेट क्लब को 5 विकेट से हरा करअगले राउण्ड में प्रवेश किया।

टॉस जीत कर मैत्री क्लब ने पहले बल्लेबाजी प्रारम्भ की लेकिन योगेश मीणा 28 रन नीलू शर्मा 13 रन, विमल ठाकुर 12 रन को छोड कर मैत्री क्लब का कोई भी बल्लेबाज मिनर्वा के गेंदबाजों पीयूष सैनी 26 रन पर 4 विकेट, पार्थ शर्मा 12 रन पर 2 विकेट, विनीत 27 रन पर 2 विकेट, विशाल शर्मा 17 रन पर 1 विकेट, नितिन बामनिया 11 रन पर 1 विकेट की शानदार गेंदबाजी के समक्ष कोई बल्लेबाज नही टीकस का और पूरी टीम 20.5 ओवर में 103 रन पर सिमट गयी। जवाबी पारी में आदित्य जांगिड 41 रन, तुषार चौधरी 13 रन, नितिन बामनिया 12 रन, अनुज वर्मा 10 रन ने मिलकर 18.1 ओवर में 5 विकेट खोकर 106 रन बना कर विजय लक्ष्य हासिल कर लिया और अनी टीम को 5 विकेट से जीत दिला दी।

इस मैच का मैनऑफ द मैच पीयूष सैनी 26 रन पर 4 विकेट मिनर्वा क्लब रहे। इससे पूर्व प्रतियोगिता का उद्घाटन राजस्थान क्रिकेट एसोसियेशन के पूर्व वरिष्ठ उपाध्यक्ष तथा जयपुर जिला क्रिकेट संघ के पूर्व अध्यक्ष व सचिव रह चुके पूर्व रणजी खिलाडी डॉ0 बी.आर. सोनी ने किया ।समारोह की अध्यक्ष ताक्लब के उपाध्यक्ष सुरेन्द्र कुमार चौबे ने की। विशिष्ठ अतिथि के रूप में सुरेन्द्र कुमार चौबे रहा। प्रतियोगिता सचिव सलीम खान सहित कई खिलाडी व खेल प्रेमी भी उपस्थित थे।

संक्षिप्तस्कोर : मैत्री क्रिकेट क्लब 103 रन ऑलआउट 20.5 ओवर में, मिनर्वा क्रिकेट क्लब 106 रन 5 विकेट खोकर 18.1 ओवर में।

पहलवान साक्षी मलिक के घर आई नन्हीं मेहमान

नई दिल्ली, 26 नवम्बर। पहलवान साक्षी मलिक ने बेटी को जन्म दिया है, इसकी जानकारी उन्होंने इंस्टाग्राम के माध्यम से दी। पोस्ट में साक्षी मलिक ने बेटी के नाम का भी खुलासा किया। साक्षी ने अपने बेटी का नाम 3 बार की ओलंपिक गोल्ड मेडलिस्ट और 13 बार की वर्ल्ड चैंपियनशिप विजेता साओरी योशिदा पर रखा है। बता दें कि, साक्षी ने बेटी को जन्म 11 नवंबर को दिया था।

साक्षी ने अपने पोस्ट में लिखा कि साक्षी और सत्यव्रत को ईश्वर के आशीर्वाद के रूप में पुत्री धन की प्राप्ति हुई है। योशिदा कादियान ये पोस्ट साक्षी मलिक के पति सत्यव्रत कादियान के इंस्टाग्राम हैंडल से शेयर की गई। बेटी के जन्म पर साक्षी मलिक और सत्यव्रत कादियान को कई लोगों ने बधाई दी। बता दें कि, साक्षी मलिक ने हाल ही में अपनी बायोग्राफी विटनेस लॉन्च की। किताब में साक्षी ने रेसलिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया के पूर्व अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह पर कई गंभीर आरोप लगाए हैं। बता दें कि जापान के त्सू मी में 5 अक्टूबर 1982 को जन्मीं साओरी योशिदा पूर्व राष्ट्रीय चैंपियन और रेसलिंग कोच ईकात्सु योशिदा की बेटी हैं। साओरी योशिदा ने 2002 बुसान एशियाई खेलों से 2016 रियो ओलंपिक तक अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर 24 गोल्ड मेडल जीते। इसमें 3 ओलंपिक स्वर्ण मेडल भी शामिल हैं।

यूपी की मानसी सिंह महिला एकल के मुख्य ड्रॉ में

लखनऊ, 26 नवंबर। उत्तर प्रदेश की प्रतिभाशाली शटलर मानसी सिंह ने सैयद मोदी इंडिया इंटरनेशनल एचएसबीसी वर्ल्ड टूर सुपर 300 बैडमिंटन चैंपियनशिप 2024 में दमदार प्रदर्शन के साथ महिला एकल के मुख्य ड्रा मे जगह बना ली। भारतीय बैडमिंटन एसोसिएशन (बीएआई) के तत्वावधान में उत्तर प्रदेश बैडमिंटन एसोसिएशन द्वारा आयोजित 2,10,000 अमेरिकी डालर की इनामी राशि वाली चैंपियनशिप में योनेक्स सनराइज बाबू बनारसी दास बैडमिंटन अकादमी में क्वालीफायर मुकाबले खेले गए।

मानसी सिंह ने क्वालीफायर में भारत की ही प्रशंसा बोनम को तीन गेम तक चले मैच में 21-11, 22-24, 21-12 से हराया। मानसी सिंह का अब महिला एकल के मुख्य ड्रा के पहले दौर में थाईलैंड की चौथी वरीय पोर्नपिचा चोइइकेवोंग से मुकाबला होगा। मानसी सिंह ने इस जीत के बाद खुशी जताते हुए कहा कि अपने घरेलू कोर्ट मैं अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने की पूरी कोशिश करुंगी। टूर्नामेंट में क्वालीफायर मुकाबलों के खत्म होने के बाद महिला एकल में मानसी सिंह के साथ चीन की हान कियान शी, भारत की तन्वी शर्मा व भारत की ही नव्या कंडेरी भी मुख्य ड्रा के पहले दौर में पहुंच गई। पुरुष एकल में भारत के सिद्धार्थ प्रताप सिंह, सनीथ दयानंद, आरएस संजीवी कुमार और मलेशिया के शोलेह ऐदिल भी मुख्य ड्रा में पहुंच गए।

महिला युगल में भारत की काव्या गुप्ता व राधिका शर्मा, कनिका कंवल व भारती पाल, चीन की केंग शू लियांग व वांग तिंग जी और चीन की ली हुआ झोऊ व वांग जी मिंग की जोड़ी मुख्य ड्रा में इंट्री करने में सफल रही। पुरुष युगल में भारत के यश रैकवार व टी.हेम नागेंद्र बाबू, भारत के विप्लव कुवाले व विराज कुवाले के अलावा चीन के चेन झू जून व गुओ रो हान, थाईलैंड के फ़रान्यू काओसमांग व टैनडान पी. ने भी मुख्य ड्रा में स्थान सुरक्षित कर लिया। मिश्रित युगल में भारत के राम भार्गव अरिगेला व वेन्नाला कलगोटला, गणेश विठ्ठल जी व शिवानी संतोष सिंह, टी.हेम नागेंद्र बाबू व कनिका कंवल मुख्य ड्रा में जगह बनाने में सफल रहे।

संविधान की 75वीं वर्षगांठ पर निकली संविधान पदयात्रा

भारतीय संविधान हमारी राष्ट्रीय पहचान एवं विविधता में एकता का प्रतीक : राठौड़

जयपुर, 26 नवम्बर। युवा मामले एवं खेल मंत्री, राजस्थान सरकार कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड़ ने कहा कि भारतीय संविधान ने हमें एक ऐसी राष्ट्रीय पहचान दी है, जो विविधता में एकता का प्रतीक है। हमारी संस्कृति, भाषा, धर्म और क्षेत्र भले ही अलग-अलग हों, लेकिन हमारा संविधान हमें एक सूत्र में बांधता है। उन्होने कहा कि संविधान एक जीवित दस्तावेज है, जो हमें समानता, न्याय और एकता का संदेश देता है। हम सभी का यह कर्तव्य है कि इसे ओर मजबूत बनाएं और अपने जीवन में इसके सिद्धांतों का पालन करें।

कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान से हुआ। कर्नल राठौड़ मंगलवार को संविधान दिवस के अवसर पर जयपुर के चित्रकूट स्टेडियम में आयोजित संविधान पदयात्रा में बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। उन्होने संविधान के महत्व, मूल्यों, अधिकारों और कर्तव्यों को समझकर भारतवर्ष को एक सशक्त एवं समृद्ध राष्ट्र बनाने मे अपना महती योगदान देने का आ ान किया।

कार्यक्रम मे वंदे मातरम और भारत माता की जय से चित्रकूट स्टेडियम गूंज उठा कार्यक्रम में युवाओं मे जोश और देशभक्ति की भावना नजर आई। इसके साथ ही स्काउट एंड गाइड के स्वयंसेवकों ने भी कालेबेलिया नृत्य से सभी का मन मोहा। कार्यक्रम मे संविधान की थीम पर लगाए गए सेल्फ़ी बूथ भी युवाओं में आकर्षण का केंद्र रहे।

इस अवसर पर राजस्थान राज्य क्रीड़ा परिषद के सचिव राजेंद्र सिंह सिसोदिया, नगर निगम की ज़ोनल कमिश्नर मनीषा यादव, वित्तीय सलाहकार महावीर मीणा, राजस्थान युवा बोर्ड के सदस्य सचिव कैलाश चंद पहाड़िया, राष्ट्रीय सेवा योजना के क्षेत्रीय निदेशक एसपी भटनागर, नेहरू युवा केंद्र संगठन के क्षेत्रीय निदेशक भुवनेश जैन, सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग के पूर्व अतिरिक्त निदेशक अरुण जोशी, खेल प्रबंधक रणविजय सिंह, अनिरुद्ध जगधारी, कोमल चौधरी, जनसंपर्क अधिकारी तेजराज सिंह, एएओ अनिल जैन नगर निगम, शिक्षा विभाग, पुलिस प्रशासन के अधिकारियों के साथ विभिन्न विधायलयों के विध्यार्थी, एनसीसी, एनएसएस, भारत स्काउट एंड गाइड, हिंदुस्तान स्काउट एंड गाइड के स्वयंसेवक, पुलिस, आरएसी, होमगार्ड के जवान, सामाजिक संगठन से जुड़े प्रतिनिधि उपस्थित रहें।

पिंक स्टार डॉक्टर्स बैडमिंटन लीग सीजन-6 टीम इवेंट्स में फ्लो केअर विजयी

जयपुर, 26 नवंबर। लीग आयोजन सचिव डॉ हनुमान खोजा ने बताया कि आज खेले गए टीम इवेंट मुकाबलों में, महिला वर्ग में प्रियंका हॉस्पिटल ने पैथोस्कोप डायग्नोस्टिक को 3-2 की से हराया। एक अन्य टाई में

स्पेक्ट्रा इमेजिंग ने प्रियंका हॉस्पिटल को 3-2 से हराया। पैथोस्कोप और स्पेक्ट्रा इमेजिंग के मैच में पाथोस्कोप 2-1 से आगे है और 2 मैच अभी बाकी हैं। लीग कॉर्डिनेटर प्रेम चौधरी ने बताया कि वरिष्ठ वर्ग में दीप हॉस्पिटल किड्स डेंटल से 2-0 से आगे है और एक मैच अभी बाकी है। फ्लो केअर डायग्नोस्टिक टीम ने जिप्सी जगुआर्स को 5-0 से हराया। एच् सी जी हिटर्स ने कदम टेक को 5-0 से हराया। एक अन्य टाई में एच सी जी हिटर्स ने सुवीरा हॉस्पिटल को हराया। कैंसर केअर क्रशरस ने सुवीरा हॉस्पिटल को 5-2 से हराया। लीग कॉर्डिनेटर डॉ श्रवण यादव ने बताया कि पिंक विनायक हॉस्पिटल और जयपुर नुक्लेअर इमेजिंग 3-3 से बराबरी पर हैं, 1 मैच अभी बाकी हैं। एन एच बी एच हॉस्पिटल ने अग्रवाल हॉस्पिटल को 6-(-1) से हराया। अग्रवाल हॉस्पिटल ने जिप्सी जगुआर्स को 4-3 से हराया। मेडिस्पा रॉयल्स ने किड्स डेंटल को 3-2 से हराया।

फिक्की 14वें वैश्विक खेल शिखर सम्मेलन में खेल संगठनों और इससे जुड़े व्यक्तियों को करेगा सम्मानित

नई दिल्ली, 26 नवम्बर। भारतीय वाणिज्य एवं उद्योग महासंघ (फिक्की) शनिवार को होने वाले 14वें खेल शिखर सम्मेलन 'टर्फ 2024' की मेजबानी करने जा रहा है और खेलों में उत्कृष्ट योगदान देने वाले संगठनों और इससे संबंधित व्यक्तियों को सम्मानित करेगा। यह शिखर सम्मेलन 30 नवंबर को वर्ष 2036 तक भारत को खेलों में मजबूत बनाने के विजन के तहत फिक्की मुख्यालय में आयोजित किया जायेगा। यह शिखर सम्मेलन 'विजन 2036: भारत को एक खेल पावरहाउस बनाना' की व्यापक थीम के साथ, 2036 में ओलंपिक खेलों की मेजबानी करने के भारत के साहसिक प्रयास पर प्रकाश डालेगा और वैश्विक खेल नेतृत्व के रूप में देश के विकास के लिए खाका तैयार करेगा।

एक दिवसीय कार्यक्रम में खेल उद्योग से जुड़े प्रमुख लोग शामिल होंगे, जिसमें नीति निर्माता, कॉरपोरेट, एथलीट और वैश्विक विशेषज्ञ शामिल होंगे। इस दौरान जमीनी स्तर पर खेल विकास, खेल निर्माण में नवाचार, खेलों में महिलाओं की भूमिका और भारत में खेल लीगों के विकसित होते पारिस्थितिकी तंत्र जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की जाएगी। शिखर सम्मेलन का समापन भारत खेल पुरस्कार 2024 के साथ होगा, जिसमें व्यक्तियों और संगठनों को भारतीय खेलों में उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए सम्मानित किया जाएगा। इस वर्ष के पुरस्कारों का निर्णय प्रो कबड्डी लीग के निदेशक चारू शर्मा की अध्यक्षता में एक प्रतिष्ठित जूरी द्वारा किया जाएगा और इसमें प्रमुख खेल हस्तियां और उद्योग जगत के नेता शामिल होंगे।

कार्यक्रम के बारे में फिक्की स्पोर्ट्स कमेटी के अध्यक्ष एवं जीएमआर स्पोर्ट्स के अध्यक्ष पी.के.एस.वी. सागर ने कहा, भारतीय खेलों के लिए यह रोमांचक समय और एक खेल क्रांति हो रही है। टर्फ 2024 भारत के वैश्विक खेल गंतव्य बनने के दृष्टिकोण, चुनौतियों और अपार संभावनाओं पर चर्चा करने के लिए एक अनूठा मंच है। यह शिखर सम्मेलन केवल विचारों के बारे में नहीं है, यह हमारे मजबूत खेल पारिस्थितिकी तंत्र को और मजबूत करने के लिए उद्योग के नेताओं, एथलीटों और नीति निर्माताओं को एक साथ लाकर भारत के खेल सपनों को वास्तविकता में बदलने के बारे में है।

भारत लौटेंगे हेड कोच गौतम गंभीर

पर्थ, 26 नवम्बर। टेस्ट जीतने के बाद टीम इंडिया के हेड कोच गौतम गंभीर व्यक्तिगत कारणों से मंगलवाल

को ऑस्ट्रेलिया से स्वेध लौट आएंगे। 6 दिसंबर पर भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच दूसरा टेस्ट मैच खेला जाएगा उससे पहले ही गंभीर टीम इंडिया का फिर से ज्वाइन कर लेंगे। बीसीसीआई के एक सूत्र ने इंडियन एक्सप्रेस को बताया कि, गंभीर ने हमें सूचित किया है कि वह स्वदेश लौटेंगे और दूसरे टेस्ट मैच से पहले टीम इंडिया से जुड़ेंगे। उन्होंने व्यक्तिगत कारणों का हवाला दिया है और बोर्ड ने उनके अनुरोध को स्वीकार कर लिया है। पिंक बॉल टेस्ट 6 दिसंबर से खेला जाना है। गंभीर की गैरमौजूदगी में भारतीय टीम के सहायक कोच अभिषेक नायर और रेयान टेन डोशेट, गेंदबाजी कोच मोर्ने मोर्कल और फील्डिंग कोच टी दिलीप कप्तान रोहित शर्मा के परामर्श से ट्रेनिंग सत्रों की देखरेख करेंगे।

भारतीय जीवन बीमा निगम के खेल महाकुंभ की रंगारंग शुरुआत

जयपुर, 26 नवम्बर। भारतीय जीवन बीमा निगम की खेलकूद प्रतियोगिता का आज शानदार आगाज जयपुर के सवाई मानसिह स्टेडियम मे हुआ। सामरोह के मुख्य अतिथि निगम के प्रबन्ध सी ई ओ व प्रबन्धक निदेशक सिद्धार्थ मोहन्ती थे। इस अवसर पर सलिल विश्वनाथ कार्यकारी निदेशक(एच.आर.डी) आदित्य गुप्ता कार्यकारी निदेशक(कारपोरेट कम्युनिकेशन) एल आई सी नार्दन जोन के जोनल मैनेजर जे .पी एस बजाज सहित निगम के अधिकारी मौजूद थे।

मोहन्ती ने खिलाड़ियों को सम्बोधित करते हुए का कि खेलकूद वह पहलू हैं जो मानव के मन व शरीर को एकीकृत रूप से समृद्ध कर सकते है, हर खिलाड़ी जो खेल मे हिस्सा लेता है वो विजेता है । उद्घाटन समारोह का प्रारम्भ खिलाड़ियों के मार्च पास्ट से प्रारम्भ हुआ व तत्पश्चात निगम ध्वज पहराकर सीईओ सिद्धार्थ मोहन्ती ने खेल प्रारम्भ होने की औपचारिक घोषणा की । नार्दन जोन के बैडमिंटन के राष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ी सिद्धार्थ जाखड ने खिलाडियों को खेल खेल की भावना से खेलने कि शपथ दिलाई। इस अवसर पर जाजम संस्था के राजस्थानी लोक कलाकारो ने लोकगीत केसरिया बालम गाकर खिलाड़ियों व मेहमानो का राजस्थानी परम्परा से स्वागत किया। भारतीय जीवन बीमा निगम जयपुर मण्डल के वरिष्ठ मण्डल प्रबन्धक संजय कुमार ने धन्यवाद दिया।

चार दिनो तक चलने वाले जीवन बीमा निगम के इस वार्षिक खेल उत्सव मे कैरम, शतरंज, टेबल टेनिस, बैडमिंटन, वॉलीबॉल व एथलेटिक्स की विभिन्न एकल व सामूहिक प्रतिस्पर्धाए होगी।

इन प्रतियोगिता मे निगम के आठ जोन के करीब 450 खिलाड़ी भाग ले रहे है जिनमे कई राष्ट्रीय व अन्तराष्ट्रीय खिलाड़ियों पर खेल प्रेमियों की नजर रहेगी।

यू एस ओपन कैरम चैम्पियनशिप 2024 के रजत पदक विजेता प्रकाश गायकवाड़,कैरम के महिला वर्ग की पूर्व वर्ल्ड चैम्पियन एस. अपूर्वा व पी. निर्मला, शतरंज के ग्रांड मास्टर श्रीराम झा, स्वाति घाटे, डी.के शर्मा, मनीषा किरण । एथलेटिक्स मे कालिदास हिरवे,सुनील गोस्वामी, दीपेन्द्र कुमार व बैडमिंटन के राष्ट्रीय स्तर के खिलाडी सिद्धार्थ जाखड, टेबल टेनिस के सौगात सरकार व रोहित चक्रवर्ती सहित और भी नामी खिलाड़ी अपने खिताब बचाने के लिये पसीने बहाते नजर आयेगे। प्रतियोगिता का समापन 29 नवम्बर 2024 को होगा जिसके मुख्य अतिथि सतपाल भानू, प्रबन्ध निदेशक भारतीय जीवन बीमा निगम होगे।

ऋषभ पंत की सैलरी में होगी कटौती

27 करोड़ में से मिलेंगे महज 19 करोड़ रुपये

नई दिल्ली, 26 नवम्बर। ऋषभ पंत आईपीएल इतिहास के सबसे महंगे खिलाड़ी के तौर पर बिके। उन्हें लखनऊ सुपर जायंट्स ने 27 करोड़ रुपये में खरीदा। वहीं फैंस के मन में सवाल उठ रहा है कि क्या, पंत को पूरे 27 करोड़ रुपये मिलेंगे? वहीं अगर वो चोटिल हो गए तो उन्हें कितनी रकम मिलेगी? बता दें कि, ऋषभ पंत को पूरे 27 करोड़ रुपये नहीं मिलेंगे।

दरअसल, आईपीएल 2025 की नीलामी में खिलाड़ियों पर बोली लगाई गई और फ्रेंचाइजी से उनका 3 साल का कॉन्ट्रैक्ट हुआ है। इसका मतलब है कि पंत को जिस कीमत पर खरीदा गया है वो उन्हें 3 साल की अवधि के लिए चुकाई जाएगी। पंत को 27 करोड़ में खरीदा गया है तो उन्हें ये सैलरी तीन सीजन के लिए दी जाएगी। पंत को 27 करोड़ में लखनऊ ने खरीदा है इसमें से करीब 8.1 करोड़ रुपये टैक्ट काटे जाएंगे। यानी पंत को 3 साल के लिए से नेट सैलरी के रूप में 18.9 करोड़ रुपये ही मिलेंगे।

वहीं अगर पंत को आईपीएल के दौरान चोट लगती है तो उन्हें सीजन के लिए तय की गई पूरी सैलरी मिलेगी। हालांकि, अगर टूर्नामेंट से पहले कोई चोट लगती है जिससे उनका आईपीएल में हिस्सा लेना मुश्किल हो जाता है तो फ्रेंजाइजी को उनकी जगह किसी दूसरे खिलाड़ी को शामिल करने का अधिकार है। टूर्नामेंट से पहले चोट लगने की स्थिति में विदेशी खिलाड़ियों को मुआवजा नहीं दिया जाता है।

अगर कोई भारतीय खिलाड़ी टीम इंडिया के लिए खेलते हुए चोटिल हो जाता है वो आईपीएल के लिए उपलब्ध नहीं हो पाता है तो उसे बोर्ड की बीमा पॉलिसी के तहत पूरे सीजन की सैलरी मिलती है। साथ ही अगर किसी भारतीय या विदेशी खिलाड़ी का आईपीएल फ्रेंचाइजी के साथ पूरे टूर्नामेंट के लिए अनुबंध हो, लेकिन वह एक भी मैच न खेले, तो भी वह अपनी पूरी सैलरी पाने का हकदार है। हालांकि, अघर कोई खिलाड़ी व्यक्तिगत कारणों से टूर्नामेंट से हट जाता है तो उसका भुगतान खेले गए मैचों की संख्या के आधार पर किया जाएगा।

इसी तरह, अगर कोई खिलाड़ी टूर्नामेंट के दौरान चोटिल हो जाता है तो फ्रेंचाइजी को अनुबंधित पूरी राशि का भुगतान करना होगा। आईपीएळ 2025 मेगा नीलामी संपन्न हो गई। इस नीलामी में कल 577 खिलाड़ियों की बोली लगी, जिनमें से सिर्फ 182 खिलाड़ी ही खरीदे गए। सभी 10 टीमों ने कुल मिलाकर नीलामी में 639.15 करोड़ रुपये खर्च किए। चेन्नई सुपर किंग्स, पंजाब किंग्स और गुजरात टाइटंस ही ऐसी टीम रहीं जिन्होंने सभी 25 स्लॉट भरे हैं। वहीं ऋषभ पंत लीग के अब तक के सबसे महंगे खिलाड़ी बने, जिन पर लखनऊ ने 27 करोड़ रुपये का दांव खेला। वहीं दूसरे नंबर पर श्रेयस अय्यर को पंजाब किंग्स ने 26.75 करोड़ रुपये में खरीदा।

लियाम लिविंगस्टोन: 8.75 करोड़ रुपये, फिल साल्ट- 11.50 करोड़ रुपये, जितेश शर्मा- 11 करोड़ रुपये, जोश हेज़लवुड - 12.5 करोड़ रुपये, रसिख डार - 6 करोड़ रुपये, सुयश शर्मा- 2.6 करोड़ रुपये, क्रुणाल पंड्या- 5.75 करोड़ रुपये, भुवनेश्वर कुमार- 10.75 करोड़ रुपये, स्वप्निल सिंह- 50 लाख रुपये, टिम डेविड- 3 करोड़ रुपये, रोमारियो शेफर्ड - 1.5 करोड़ रुपये, नुवान तुषारा - 1.6 करोड़ रुपये, मनोज भंडगे- 30 लाख रुपये, जैकब बेथेल- 2.6 करोड़ रुपये, देवदत्त पडिक्कल- 2 करोड़ रुपये, स्वास्तिक चिकारा- 30 लाख रुपये, लुंगी एनगिडी - 1 करोड़ रुपये, अभिनंदन सिंह- 30 लाख रुपये, मोहित राठी- 30 लाख रुपये

रिटेन- विराट कोहली, यश दयाल, रजत पाटीदार।

मुंबई इंडियंस

जसप्रित बुमरा, सूर्यकुमार यादव, हार्दिक पंड्या, रोहित शर्मा, तिलक वर्मा, ट्रेंट बोल्ट (12.50 करोड़ रुपये), नमन धीर (5.25 करोड़ रुपये), रॉबिन मिंज (65 लाख रुपये), कर्ण शर्मा (50 लाख रुपये), रयान रिकेल्टन (1 करोड़ रुपये), दीपक चाहर (9.25 करोड़ रुपये), अल्लाह ग़ज़नफ़र (4.80 करोड़ रुपये), विल जैक्स (5.25 करोड़ रु.), अश्वनी कुमार (30 लाख रु.), मिशेल सेंटनर (2 करोड़ रु.), रीस टॉपले (75 लाख रु.), कृष्णन श्रीजीत (30 लाख रु.), राज अंगद बावा (रु. 30 लाख), सत्यनारायण राजू (30 लाख रुपये), बेवॉन जैकब्स (30 लाख रुपये), अर्जुन तेंदुलकर (30 लाख रुपये), लिज़ाद विलियम्स (75 लाख रु.), विग्नेश पुथुर (30 लाख रु.)

'संविधान हमें अधिकारों के साथ कर्तव्य की सीख देता है'

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने ''संविधान दिवस'' कार्यक्रम में भाग लिया

जयपुर, 26 नवम्बर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार संविधान में निहित लोक कल्याण की मूल भावना को सर्वोपरि मानते हुए प्रदेशवासियों के कल्याण के लिए समर्पित भाव से काम कर रही है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ने विभिन्न योजनाओं और नीतियों के माध्यम से संविधान की मूल भावना को साकार किया है।

- मुख्यमंत्री कार्यालय में आयोजित समारोह में मुख्यमंत्री भजनलाल ने मंत्रियों, प्रेम चन्द बैरवा, मदन दिलावर, जोगाराम पटेल, हेमन्त मीणा, सुरेश रावत, बाबूलाल खराडी व अविनाश गहलोत तथा मुख्य सचिव सुधांश पंत, विभिन्न विभागों के अति. मुख्य सचिव, प्रमुख सचिव तथा वरिष्ठ अधिकारियों के साथ भाग लिया। मुख्यमंत्री ने उपस्थित लोगों से संविधान की उद्देशिका का वाचन करवाया।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने मुख्यमंत्री कार्यालय में आयोजित ''संविधान दिवस कार्यक्रम'' का दीप जलाकर शुभारम्भ किया।

शर्मा मंगलवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में आयोजित ''संविधान दिवस कार्यक्रम'' को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि आज का दिन संविधान की महिमा का उत्सव और उन महान व्यक्तित्वों को याद करने का दिन है, जिन्होंने इस अद्भुत दस्तावेज का निर्माण किया। शर्मा ने कहा कि भारत का संविधान दुनिया का सबसे प्रभावी संविधान है। यह हमारे लोकतंत्र का आधार होने के साथ ही, सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्याय का मार्गदर्शक भी है। इसमें समानता, स्वतंत्रता और बंधुत्व के मूल्यों को प्राथमिकता दी गई है। उन्होंने कहा कि संविधान हमें अधिकार देने के साथ ही, कर्तव्यों की भी सीख देता है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि 26 नवंबर, 1949 को हमारा संविधान अपनाया गया था और 26 जनवरी, 1950 को ये लागू हुआ, लेकिन संविधान दिवस मनाने की शुरुआत देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने की। प्रधानमंत्री ने इस दिन को चुनकर हमें यह स्मरण कराया कि संविधान हमारे देश की आत्मा है और इसकी सुरक्षा और सम्मान हमारा प्रथम कर्तव्य है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि संविधान निर्माण में बाबासाहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर और संविधान के अन्य महान शिल्पियों का अतुलनीय योगदान है

उन्होंने कहा कि संविधान दिवस पर अनुसूचित जाति, जनजाति और अन्य पिछड़ा वर्ग के कल्याण के लिए संचालित योजनाओं का अधिकतम लाभ पहुंचाने के लिए अभियान चलाने जैसे प्रयास राज्य सरकार द्वारा किए जा रहे हैं।

इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा ने कहा, हमारा संविधान केवल एक पुस्तक नहीं, बल्कि राष्ट्र की आत्मा का प्रतिबिंब है। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने उपस्थित लोगों को संविधान की उद्देशिका का वाचन करवाया। कार्यक्रम में स्कूल शिक्षा मंत्री मदन दिलावर, विधि एवं विधिक संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल, राजस्व मंत्री हेमंत मीणा, जल संसाधन मंत्री सुरेश रावत, जनजाति क्षेत्रीय विकास मंत्री बाबूलाल खराड़ी, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री अविनाश गहलोत, मुख्य सचिव सुधांश पंत सहित, विभिन्न विभागों के अतिरिक्त मुख्य सचिव, प्रमुख सचिव, सचिव एवं अन्य वरिष्ठ अधिकारीगण उपस्थित थे।

29 नवम्बर को कांग्रेस ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

नेताओं को दण्डित करें तथा हटायें तथा पार्टी को चुनावी लड़ाई के लिये उपयुक्त इकाई का रुप दें।

राहुल को आत्मनिरीक्षण करने तथा सही कदम उठाने की जरुरत है, अन्यथा पार्टी की स्थिति, वर्तमान स्थिति से भी ज्यादा खराब हो सकती है।

ऐसा प्रतीत हो रहा है कि निर्णयों को टालते जाने का समय जा चुका है तथा समय आ गया है कि पार्टी को रास्ते पर लाया जाये तता जैसा भी हो, ई.वी.एम. के मुद्द पर दो-टूक रुख अपनाया जाये।

तेलंगाना सरकार ..

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

है। पर हमने अभी तक किसी भी दानदाता से फंड हस्तांतरण के लिए नहीं कहा था क्योंकि युनिवर्सिटी को सैक्शन 80 जी के तहत आयकर से छूट नहीं मिली थी। चूंकि छूट का आदेश हाल ही में आया है, पर मुझे मुख्यमंत्री ने कहा है कि मौजूदा हालात और विवादों को देखते हुए फंड स्वीकार न किया जाए।

गौरतलब है कि 18 अक्टूबर को गौतम अडानी ने राज्य के मुख्यमंत्री रैवन्त रेड्डी को राज्य में युनिवर्सिटी बनाने के लिए 100 करोड़ रु. का चैक दिया था। तेलंगाना के मुख्यमंत्री कार्यालय ने ऐक्स पर लिखा कि ''अडानी फाउण्डेशन का एक प्रतिनिधिमंडल गौतम अडानी के नेतृत्व में मुख्यमंत्री से मिला तथा यंग इंडिया स्किल्स युनिवर्सिटी के लिए उन्होंने 100 करोड़ रु. का चैक दिया।''

इस पर राज्य में विपक्षी बी.आर.एस. ने और केन्द्र में भाजपा ने कांग्रेस पर दोहरे मानदंड का आरोप लगाया।

बी.आर.एस. के कार्यकारी अध्यक्ष के.टी. रामाराव ने ऐक्स पर लिखा कि एक ओर तो राहुल गांधी और कांग्रेस प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और अडानी को ''मोदानी'' कहते हैं और उनकी दोस्ती का विरोध करते हैं लेकिन तेलंगाना में रैवत और अडानी ''रैवडानी'' दिख रहा है, क्या इसे राहुल गांधी और अडानी ''रागाडानी'' कहा जाए। उनकी पार्टी ने अडानी ग्रुप के सभी निवेशों को कैंसिल करने की मांग की, जिसमें ग्रीन एनर्जी, डेटा सैंटर्स व सीमेंट उद्योग के निवेश शामिल हैं।

भाजपा आई.टी. सैल के अमित मालवीय ने कहा, राहुल गांधी के लिए शर्म की बात है कि उनकी अपनी पार्टी के मुख्यमंत्री, अडानी की बात आए तो राहुल को तवज्जो नहीं देते, भले ही राहुल गांधी दिन भर अडानी-अडानी चिल्लाते रहें।

सोरेन 28 नवम्बर ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

जे.एम.एम. ने राज्य के विधान सभा चुनावों में 81 में से 34 सीटें तथा कांग्रेस ने 16 सीटें जीती हैं। महागठबंधन ने कुल 56 सीटें जीती है तथा 44.33 प्रतिशत वोट हासिल किये हैं। महागठबंधन में शामिल आर.जे.डी. ने 4 तथा सी.पी.आई. (मार्क्सवादी लेनिनवादी) ने 2 सीटें जीती हैं। भाजपा ने इस चुनाव में 21 तथा उसके नेतृत्व वाले नैशनल डेमोक्रेटिक अलांयस (एन.डी.ए.) ने कुल 24 सीटें जीती हैं।

'पूर्व सी.जे.आई. चन्द्रचूड ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

जबकि प्रतिद्वंदी खेमे ने जवाबी याचिका दायर की। सुप्रीम कोर्ट ने विधान सभा स्पीकर राहुल नारवेकर से ''डिस्क्वालिफिकेशन'' याचिकाओं पर निर्णय लेने को कहा। इस वर्ष जनवरी में, स्पीकर ने शिंदे घटक को ''असली शिवसेना'' घोषित कर दिया।

राउत के आरोपों पर प्रतिक्रिया देते हुए, पूर्व सी.जे.आई. ने आगे कहा, ''यह तर्क हमेशा दिया जा सकता है कि सुप्रीम कोर्ट सुनवाई के लिए महत्वपूर्ण संवैधानिक केस क्यों नहीं ले रहा है, जो बीस वर्षों से लंबित है? या, क्यों एक विशेष केस की सुनवाई नहीं की गई है। सुप्रीम कोर्ट की मैनपावर सीमित है और इसमें बैलैंस करना पड़ता हैं।''

अपने कार्यकाल के संदर्भ में बोलते हुए चंद्रचूड़ ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने इलैक्टोरल बॉण्ड्स, अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी केस, इलाहाबाद हाईकोर्ट के आदेश के तहत मदरसों को बंद करने, सिटिजनशिप एक्ट के सैक्शन 6-ए की वैधता, जैसे महत्वपूर्ण केसों में फैसले दिए।'' क्या यह कम महत्वपूर्ण था।'' पूर्व सी.जे.आई. ने आगे कहा, ''हम उस एजेंडा पर नहीं चलते, जो दूसरे हमारे लिए तय करते हैं।''

बांग्लादेश में इस्कॉन ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

हिंदू समुदाय के लोगों और चटगांव विश्वविद्यालय के प्रोफेसर कुशाल बरन पर भी हमला हुआ है। इस हमले में वो गंभीर रूप से घायल हो गए है। कई लोगों को अस्पताल में भी भर्ती कराया गया है।

चिन्मय प्रभु की गिरफ्तारी के बाद इस्कॉन ने एक्स पर एक पोस्ट किया। जिसमें में कहा, हमें चिंताजनक खबर मिली है कि इस्कॉन बांग्लादेश के प्रमुख नेता चिन्मय कृष्ण दास को ढाका पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। इस्कॉन भारत सरकार से तुरंत कदम उठाने और बांग्लादेश सरकार से बात करने की अपील करता है। हम चाहते हैं कि बांग्लादेश सरकार चिन्मय कृष्ण दास को जल्द रिहा करे।

बता दें कि, इसी साल 30 अक्तूबर को बांग्लादेश में राष्ट्रीय ध्वज का अपमान करने के आरोप में देशद्रोह अधिनियम के तहत चिन्मय कृष्ण दास प्रभु समेत 19 लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया था। इस मामले में दो लोगों को गिरफ्तार भी किया जा चुका है।

आरोप है कि 25 अक्तूबर को चटगांव के लालदीघी मैदान में सनातन जागरण मंच ने आठ सूत्री मांगों को लेकर एक रैली की थी। इस दौरान एक चौक पर स्थित आजादी स्तंभ पर कुछ लोगों ने भगवा ध्वज फहराया था। इस ध्वज पर आमी सनातनी लिखा हुआ था। इसे लेकर चिन्मय कृष्ण दास पर राष्ट्रीय झंडे की अवमानना व अपमान करने का आरोप लगाया गया है।

जे.डी.सी. आनंदी...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

के गिरफ्तारी वारंट जारी किए। परिवादी की ओर से आयोग को बताया गया कि उपभोक्ता आयोग ने उसके मामले में 10 नवंबर 2023 को जे.डी.ए. को निर्देश दिया था कि वह उसकी जमा कराई गई राशि 2,02,613 रुपए व इस राशि पर नौ प्रतिशत ब्याज सहित रकम लौटाए। इसके अतिरिक्त, परिवादी को हुई परेशानी के लिए 40 हजार रुपए अलग से दे, लेकिन विपक्षी ने आयोग के आदेश की पालना नहीं की। इस पर परिवादी ने 25 जनवरी 2024 को उसे कानूनी नोटिस भी भेजा। इसके बाद भी विपक्षी ने आयोग के आदेश की पालना नहीं की है। विपक्षी का ऐसा करना आयोग के आदेश की अवमानना करना है। इसलिए आदेश की पालना करवाई जाए।

गौरतलब है कि आयोग ने पूर्व में जे.डी.सी. के जमानती वारंट जारी किए थे, लेकिन आयोग के आदेश की पालना नहीं की गई। ऐसे में अब आयोग ने जे.डी.सी. के गिरफ्तारी वारंट जारी किए हैं।

सड़कों पर उतरे ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

इमरान खान की पार्टी पी.टी.आई. के समर्थक इस्लामाबाद के डी-चौक स्थल की ओर जाने वाले रास्ते में लगाए गए अवरोधों को हटा रहे हैं। 'रेडियो पाकिस्तान' ने बताया कि सोमवार देर रात इस्लामाबाद में श्रीनगर राजमार्ग पर एक वाहन द्वारा टक्कर मारे जाने से पाकिस्तान 'रेंजर्स' के चार अधिकारियों की मौत हो गई।

कनक भवन के मालिकाना हक से जुड़े ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

राज्यों के भारत में विलय होने के पश्चात सरकारी संपत्ति बन गई थी। वहीं रामबाग, लिलिपूल और उसके आसपास की संपत्ति ''कोवोनेंट'' (राजस्थान का भारत में विलय होने से जुड़ी संधि) के अनुसार राजपरिवार की संपत्ति है।

कनक भवन के मालिकाना हक के लिये रामशरण गुप्ता व अन्य द्वारा दायर विशेष अनुमति याचिका में सुप्रीम कोर्ट ने वर्ष 2017 में आदेश दिये थे कि कनक भवन के मामले में हाईकोर्ट या कोई भी अदालत किसी भी तीसरी पार्टी के आवेदन पर कोई भी मुकदमा नहीं सुनेगा। अदालत ने यह भी कहा कि बार-बार हुए मुकदमों में अदालतें कई बार कह चुकी हैं कि इस संपत्ति के बेचान के लिये अनुबंधन अमान्य है।

यहां यह भी उल्लेखनीय है कि रामशरण गुप्ता व अन्य ने वर्ष 2017 में सुप्रीम कोर्ट में इसी मामले में रिट याचिका भी दायर की थी, जिस पर सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने याचिकाकर्ताओं पर 10 लाख रुपये का जुर्माना लगाया था और स्वत: संज्ञान लेकर अवमानना याचिका भी शुरू की थी, जिसे तभी वापिस लिया गया, जब इन लोगों ने अदालत से बिना शर्त माफी मांग ली थी। वर्ष 2019 में सुप्रीम कोर्ट के 2017 के आदेश पर दायर रिव्यु याचिका भी खारिज कर दी गई।

हैरानी की बात है कि सुप्रीम कोर्ट के इतने आदेशों के बावजूद वर्ष 2022 में हाईकोर्ट में आवेदन प्रस्तुत कर कनक भवन के मूल मालिक, ब्रिगेडियर सवाई भवानी सिंह के उत्तराधिकारियों को केस में जोड़ने का आग्रह किया गया, जिसे हाईकोर्ट ने 3000 रुपए का विलम्ब शुल्क लगाकर स्वीकार कर लिया। मामले को जानने वाले वकीलों का कहना है कि यह आवेदन रामशरण गुप्ता व अन्य की ओर से इसलिये दायर किये गये, क्योंकि ब्रिगेडियर भवानी सिंह के निधन के बाद यह मामला निष्फल हो गया था।

इस वकील का यह भी कहना था कि आवेदन दायर करने का कारण यह भी था कि राजपरिवार के सदस्यों या राज्य सरकार से किसी तरह का मुआवजा ऐंठा जा सके। महाराज पदमनाभ ने सुप्रीम कोर्ट में एस.एल.पी. हाईकोर्ट द्वारा आवेदन स्वीकार करने के खिलाफ दायर की थी।

सलेक्टिव मीडिया, कोटा के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी रोड, कोटा से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा आर.एन.आई. नं. 28446/75, **जयपुर कार्यालय:** सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513, **बीकानेर कार्यालय :** कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, **उदयपुर कार्यालय:** आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, **अजमेर कार्यालय:** राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 **जालोर कार्यालय :-** जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन226422,226423, फैक्स: 02973-226424 **हिण्डौनसिटी कार्यालय :-** जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 **चूरू कार्यालय :** एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908